वार्षिक प्रतिवेदन | ANNUAL REPORT | 2011- 2012

भारतीय प्रबंध संस्थान कोपिक्कोड

Indian Institute of Management Kozhikode

भारतीय विचारधारा का वैश्वीकरण *Globalizing Indian Thought*

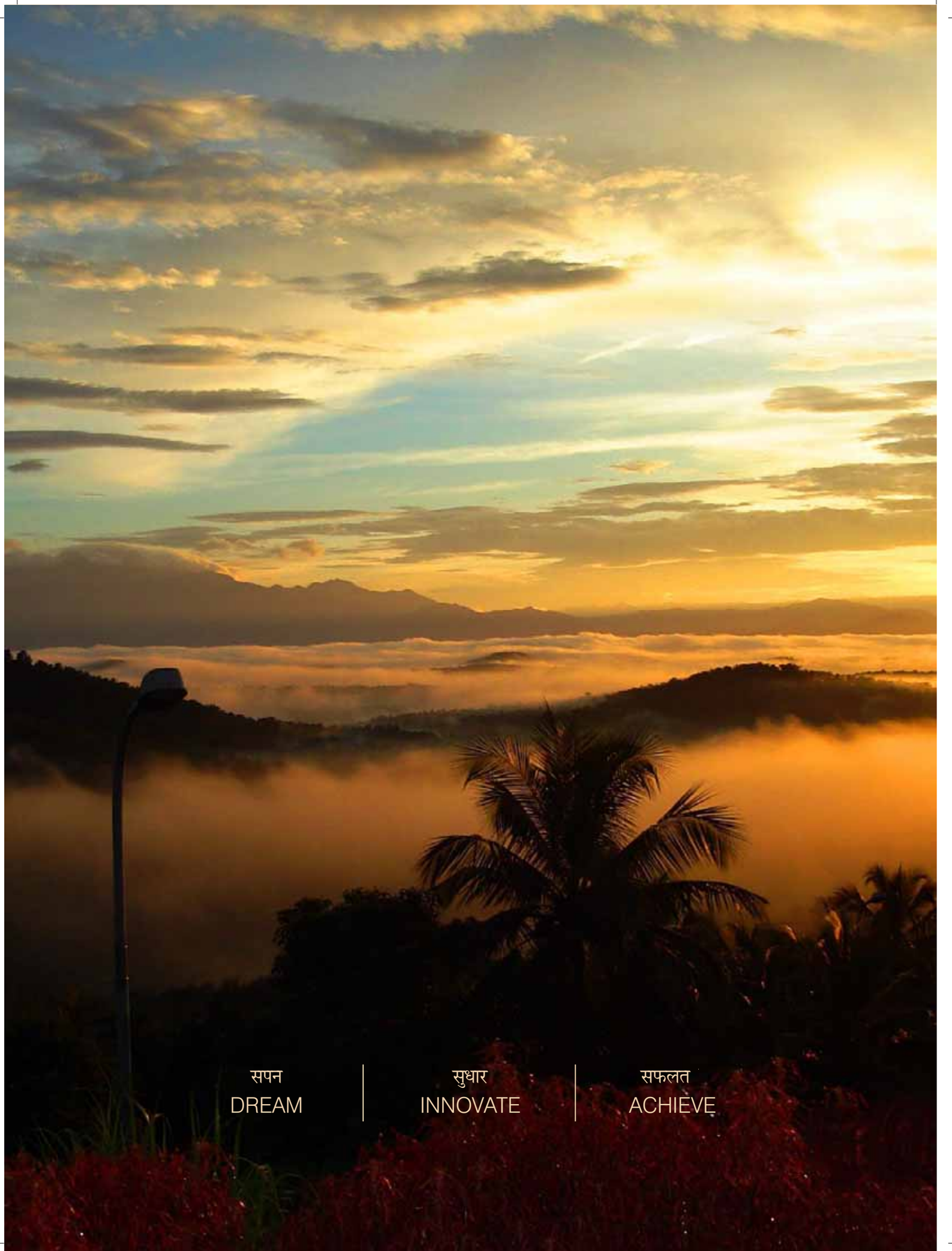
सपन
DREAM
सुधार
INNOVATE
सफलत
ACHIEVE

विषय सूची

निदेशक की रिपोर्ट	4
प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम	7
कार्यकारी स्नातकोत्तर कार्यक्रम	8
प्रबंध विकास कार्यक्रम	9
संकाय विकास कार्यक्रम	12
प्रबंध में अध्येता कार्यक्रम	12
अंतराष्ट्रीय विनिमय कार्यक्रम	16
प्रवेश	21
स्थानन	23
पूर्व छात्र	29
छात्र क्रियाकलाप	30
अनुसंधान एवं प्रकाशन	30
सूचना प्राद्योगिकी	50
पुस्तकालय और सूचना केन्द्र	51
भा.प्र.सं.कोषिक्कोड में भारतीय व्यावसायिक इतिहास संग्रहालय	54
परिसर विकास	55
कार्मिक	56
वार्षिक लेखे और वित्तीय स्थिति	65
संचालन मंडल और आई आई एम के सोसाईही	66
संकाय और प्रशासन	70

निदेशक की रिपोर्ट

सन् 1996 में बहुत परिमिति के साथ शुरू हुई खूबियों के मेल से, तेजी से बढने वाली अन्तर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त आई आई एम कोषिक्कोड, आज उच्चतम शिक्षा संस्था में एक है। मुझे विश्वास है, कि आई आई एम कोषिक्कोड में मेरे तीन वर्षीय कार्यकाल के दोरान लगभग सभी क्षेत्रा में संस्थान द्वारी की गयी प्रगति को ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण रहे हैं। वस्तुतः आई आई एम के सोसाईटी के अध्यक्ष और सम्मानित सदस्यों, संचालक मंडल, संकाय तथा कर्मचारी सदस्यों तथा भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के प्रचुर मार्गदर्शन, सहायता और सहयोग से यह संभव हुआ है।

संस्था, हर साल में पढती रहती है। 2011-12 साल प्रतीक्षा से परे, सफलता की विशेषता और परिमाण के तौर पर यादगार रहेगा। मैं गर्व के साथ मैं पिछले वर्ष के दौरान संस्थान द्वारा हासिल उपलब्धियों को प्रस्तुत करना चाहता है।

वर्ष के दौरान आई आई एम के के पीजीपी के 14 वें बैच के छात्रों ने स्नातक उपाधी प्राप्त की है। पीजीपी बैच 2010-12 के लिए संस्था का चौदहवाँ दीक्षांत समारोह 17 मार्च 2011 को संपन्न हुआ है। जिसमें 309 छात्रों ने (पीजीपी 13 वाँ बैच का एक छात्र भी शामिल है) अपने डिप्लोमे प्राप्त किया। इस समारोह में माननीय विदेश राज्य मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय के माननीय मंत्री श्री. ई. अहम्मद मे दीक्षांत समारोह का संबोधन किया। औस्कार पुरस्कार विजेता श्री. रसूल पूक्कुर्टी की उपस्थिति सभा को हर्षित किया।

328 छात्रों ने (सामान्यः 176, अ.नि.वर्गः 79,अ.जाः 43, अ.ज.जाः 20 और शारीरिक के रूप से अशक्त 10) 15 वें बैच वर्ष में पीजीपी के लिए प्रवेश प्राप्त लिया। 30 प्रतिशत महिलाओं को प्रवेश दे कर भारत की सबसे प्रथम आई आई एम संस्था हेागयी है, जो दूसरों के लिए एक नमूना रहा गया है।

देश में मंदी प्रवृत्ति के बावजूद भी संस्थान अपने पीजीपी के चौदहवें बैच के सभी उत्तीर्ण छात्रों को स्थानन उपलबछी कराने में समर्थ रही हैं।

संस्थान के वर्ष 2001-02 में 300 संपर्क घंटे के कार्यक्रम के साथ शुरु किया गया अन्योन्य क्रियात्मक दूरस्थ शिक्षण कार्यक्रम आरंभ किया गया था और महत्वाकांक्षी कार्यरत कार्यपालकों ने विभिन्न कार्यक्रमे को सतत आयोजित करता आ रहा है। आईडीएल प्लैट्फ ारम पर प्रबंध में कार्यकारी स्नातकोत्तर कार्यक्रम (ई पी जी पी) के प्रथम फ्रैच की शुरुवात 2001 में की गयी। इस वर्ष ई पी जी पी का समापन समारोह मार्च 17, 2012 को नियमित पी जी पी दीक्षांत समारोह के साथ आयोजित किया गया। उक्त दो वर्षीय डिप्लोमा कार्यक्रम का उद्देश्य यह है कि कार्यरत कार्यपालकों, जो अपने संगठनों में अगले स्तर पर भार ग्रहण करने हेतु कुशलता और रणनीति की अपेक्षा करते हैं, को आवश्यक प्रबध शिक्षण देना है। 810 से अधिक कक्षा अनुदेश घंटे के इस पाठक्रम में पत्राचार पाठक्रम के माध्यम से ज्ञान व्यवस्था में नेतृत्व संबंधी कुशलता का प्रावधान किया जाता है।

प्रबध विकास कार्यक्रम संस्थान की महत्वपूर्ण गतिविधी के रूप में जारी है। वर्ष के दौरान कुल 45 एम डी पी आयोजित किए गए हैं, और उसमें कुल 731 प्रतिभागी लाभान्वित हुए थे।

वर्ष के दौरान इसमें के लिए एमडीपी द्वारा कुल 3, 8018,303 रुपए तथा एफ डी पी द्वारा कुल 16,94953 रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ है।

अध्येता कार्यक्रम प्रतिभागियों के लिए वित्तीय सहायता को प्रथम और द्वितीय वर्ष के लिए प्रति माह 17,000, तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष तथा पंचम वर्ष के छः महीनों के लिए 18,000 रुपए है। वर्तमान में एफपीएम के पाँचवाँ बैच में 10 छात्रो ने प्रवेश लिया है। पाँच बैचों को मिलाकर कुल 24 प्रतिभागी है।

इस साल में संस्था ने एक राष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन तथा 3 अन्तर्ष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन का आयोजन किया है।

संस्थान के संकाय सदस्यों द्वारा चलाए गए अनुसंधान, प्रकाशन, तथा सम्मेलन के अन्तर्गत 24 शोध प्रबंध, 2 किताबें, एक पुस्तक, पुस्तकों में 10 अध्याय, 27 कार्यपत्र, 4 मामले का अध्ययन, 42 सम्मेलन और प्रस्तुतीकरण, एक उत्तम पत्र पुरस्कार, 6 संकाय सदस्यों के लिए फेलोशिप और सम्मान प्राप्त किया, 12 अनुसंधान संगोष्ठियों का आयोजन किया, 12 लघु अनुदान अनुसंधान परियोजनाओं को पूरा किया, तथा 15 अनुसंधान परियोजनाओं को लिया।

संस्थान में संकाय, छात्र विनिमय कार्यक्रम के अन्तर्गत अबुदाबी विश्वविद्यालय, आई ई एस ई जी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट फ्रान्स, लीडस यूनिवेर्सिर्टी बिसिनेस स्कूल, यू के, ई एस एस सी ए स्कूल ऑफ मैनेजमेंट फ्रान्स, आई एस सी टी यूनिवेर्सिटी इन्स्टिट्यूट ऑफ लिसबन जैसे संस्थाओं के साथ दो वर्ष के लिये भागीदारी हसाक्षर किया। संस्थान के 35 छात्रों ने विभिन्न भागीदार संस्थाओं में एक अवधी बिताई तथा भागीदार संस्थाओं के 14 छात्राओं ने आई आई एम परिसर में एक अवधी बिताई।

संस्थान द्वारा आई आई एम के उपयोगकर्ता बंधुत्व को सर्वोत्कृष्ट सूचना प्राद्योगिकी सुविधाओं तथा सेवाओं का प्रावधान करने में तथा शिक्षण शास्त्र क्षेत्र में निभाये जा रहे है। उपर्युक्त उद्धेश्यों की प्राप्ति के लिए संगणना सुविधाओं तथा सेवाओं में वर्ष भर में निरंतर सुधार किया जाता है।

परिसर में वर्ष के दौरान पूर्ण किए गए सभी भवनों को परिसर लेन (एल ए एन) के साथ जोडा गया है तथा अपेक्षित सूचना प्राद्योगिकी अन्तरसंरचना और सुविधाओं सहित सुसज्जित है।

प्रथम दशा में सभी आवासीय भवनों को एडीएल तकनीकी, जो भवनों को सुतार्यता प्रदान करते हैं, से मिलाया गया है। यह वाई फाई संपर्क के अतिरिक्त सुविधा है।

अवधी के दौरान हमारे पास 39 स्थाई संकाय तथा 20 अतिथि संकाय है, जिसमें 16 सह संकाय संस्थान के लिए मूल्यवान रहे है। नियमित संकाय के अलावा, संस्थान बडी संख्या में उद्योगों तथा प्रमुख प्रबंध संस्थान से प्रतिबद्ध सहायता तथा अतिथि संकाय द्वारा पोषित है। विदेशी संस्थाओं से आए कुछ अतिथि संकाय इस पूल को पूरा करते हैं। सभी पूर्ण कालिक संकाय सदस्य प्रबंध के विविध क्षेत्रों में शोध अध्ययन करते हैं। संस्थान के शैक्षिक कार्यों की वृध्यी से परिसर के चरण 5 के पूर्ण होते ही संस्था के अन्तरसंरचना विसेष रूप कार्यान्वयित किया। एमडीपी फ्लॉक के अतिरिक्त चरण 5 के परिसर के भवनों का निर्माण किया गया है। एमडीपी कॉम्प्लक्स के लिए प्रस्तावित आंतरिक सजावट पूर्ण होगया। एमडीपी कॉम्प्लक्स में 6 कक्षा, 360 स्थानवाला सभागृह जैसे संगोष्ठी कक्ष, इसके अलावा अतिथि कक्षाओं में जो सुव्यवस्थित है, लगभग 200 प्रतिनिधियों को तथा अतिथियों को ठहराया जा सकता है।

पूर्वानुमान किये गये संस्था कि बिजली की आवश्यकता के अनुमान करने के साथ - साथ परिसर में प्रदान करने वाली बिजली की वृद्धी करने की आवश्यक कार्यवायी भी कर ली है।

इसके अलावा परिसर विकास कार्यक्रम के रूप में अनेक शानदार कार्यक्रम भी चलाया जाता है, जो संस्था के शैक्षिणिक कार्यक्रम के अंग है। वर्ष के दौरान खेलकूद व्यवस्था की वृद्धी के लिए बस्कटबॉल और बैड्मिन्टन का अंकण तैय्यार किया जा रहा है।

इसके अलावा भविष्य के शैक्षिक विकास कार्य के दौरान परिसर की आंतरिक सजावट का भी संतुलन किया है। वर्ष के दौरान संस्था ने चरण 5 के परिसर में भवनों/नमूना के लिए प्राप्त भूमि में (कुन्नमंगलम, कोषिक्कोड से जोडकर) निर्माण करने का निर्णय लिया है। वर्ष के दोरान कोच्ची इन्फोपार्क में शुरू होने वाले आई आई एम के के उपग्रह-शैक्षणिक प्रणली से युक्त परिसर के आंतरिक सजावर और फिट-औट कार्य भी कार्यरत करेंगे।

मुझे आशा है कि सभी पणधारियों से प्राप्त निरंतर सहयोग संस्थान की संजोई हुई पराकाष्ठा की ओर अग्रसर करेगा।

प्रोफेसर देबाषिष चटर्जी

निदेशक

प्रबध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

दो वर्षीय प्रबध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) अंबा संगठन द्वारा
मान्यता मिली है।
पीजीपी 14 वाँ बैच (दूसरा वर्ष)
अप्रैल-मई के ग्रीष्मकालीन स्थानन के बाद पीजीपी 14 वाँ बौच के चौथा सत्र जून 9, 2011 को शुरू हुआ। परम्परागत रूप से पयने वाले पाठ्यक्रम नवीकृत करने के साथ-साथ इस साल में भी 6 नए चुने हुए पाठ्यक्रम का भी परिचय हुआ है। 1) वित्तीय इंजिनायरिंग एवं डेरिवेटीव, 2) सतत समय प्रबंध 3) बाहतर समाज के लिए विपणन 4) सामाजिक मीडिया एवं उपभोक्ता विपणन 5) सू.प्रौ.जोखिम प्रबंधन 6) अन्तर्राष्ट्रीय नीतिशास्त्र। छात्रों के पाठ्यक्रम के दौरान सत्र 4,5 और 6 में व्यावसायिक संगठन पर कार्यशाला, सलाह, नेतृत्व आदि का संगठन हुआ है।

पीजीपी 15 वाँ (प्रथम वर्ष)

जून 13-15, 2011 में पीजीपी 15 वाँ बैच के चुने हुए छात्रों के लिए पूर्वनिर्धारित कार्यक्रम का संगठन किया गया है, जो गणित, प्राद्यौगिक, तथा उच्चारण क्षमता को प्रगढाने की लक्ष्य से किया गया है। जिस छात्रों को, प्राप्त किए अंक के अनुसार उसे भेंटवार्ता –निरीक्षकों ने सुधार के लिए मदद करते है।

पीजीपी 15 बैच का पंजीकरण और उद्घाटन जून 27, 2011 को लालित्य के साथ शानदार रूप में मनाया गया । प्रोफेसर देबाषिष चटर्जी, निदेशक, आई आई एम के ने उद्घाटन प्रभाषण किया।

इस कार्यक्रम में 188 छात्राओं को लेकर 327 छात्रों का पंजीकरन दिया हुआ है। पीजीपी 14 वें बैच के 3 छात्रों ने हाल ही में प्रारंभ किए (डीपीपी) कार्यक्रम में जिसमें प्राप्ति में बाराबारी रखने वाले पाठ्यक्रम को स्वीकार करके पीजीपी 15 वो बैच के साथ भर्ति पाया गयी। पूर्वनिर्धारित कार्यक्रम के बाद नियमित रूप से सत्र 2 की कक्षा जून 30, 2011 को शुरू हुई।

दीक्षांत समारोह

संस्थान के चौदहवाँ दीक्षांत समारोह मार्च 17, 2012 को संपन्न हुआ। डॉ.ए.सी मुत्तय्या (अध्यक्ष,संचालन मंडल, आइआई एम के) की अध्यक्षता में संपन्न उक्त समारोह में पीजीपी 15 बें बैच 2011-2012 के 308 छात्रों के साथ पीजीपी 2009-2011 बैच के एक छात्र का भी प्रबंध में स्नातकोत्तर डिप्लोमा से सम्मानित किया। माननीय विदेश राज्य मंत्री एवं मानव संसाधन विकास मंत्रालय के माननीय मंत्री श्री. ई. अहम्मद मुख्यातिथि रहे। ओस्कार पुरस्कार विजेता

श्री. रसूर्ल पूक्कुटी आदरणीय अलिभि रहे । श्री. मधुकर आनंद (प्रथम), मिस. शिप्रा अगर्वाल (द्वितीय) और मिस टीना गुप्ता (तृतीय) को उनके उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिंग आई आई एम के के स्वर्ण पदकों से सम्मानित किया गया। श्री अर्जुन मोहन और, श्री स्नेहा चौधरी को संयुक्त रूप में उनके चतुरता प्रदर्शन के लिए आई आई एम के स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। प्रोफेसर देबाशिष चटर्जी ने सदस्यों को स्वागत किया। साथ-साथ संस्थान के कार्यक्रमों के बारे में रिपोर्ट भी प्रस्तुत कीया। माननीय मुख्यातिथि श्री. रसूल पूक्कुटी ने भी सभा को संबोधित किया ।

प्रथम वर्ष के अंतिम परीक्षा के बाद 15 वाँ बैच के छात्रों को ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप का शुरुआत हुआ।

आंतरिक सजावट से युक्त लगभग 200 प्रतिनिधियों तथा अतिथियों को ठहराने की सुविधा से

कार्यकारी स्नातकोत्तर कार्यक्रम

मई 2011 में कार्यकारी स्नातकोत्तर कार्यक्रम के चौथा बैच,महा प्रबंधन में कार्यकारी स्नातकोत्तर कार्यक्रम (ई ई पी जी एम), चौथा बैच के विशेष कार्यक्रम जैसे- रणनैतिक प्रबंधन में कार्यकारी स्नातकोत्तर कार्यक्रम (ई ई पी जी एम), विपणन में कार्यकारी स्नातकोत्तर कार्यक्रम (ई ई पी एम), वित्तीय कार्यकारी स्नातकोत्तर कार्यक्रम (ई ई पी एफ) तथा संचालन प्रबंध में कार्यकारी स्नातकोत्तर कार्यक्रमों (ई ई पी ओ एम) के चौथा में प्रवेश के लिए उद्घोषण की गयी।

इस वर्ष में ई-मैट प्रवेश परीक्षा तथा भेंटवार्ता के परिपत्र के अनुसार चौथे बैच के लिए ई पी जी पी आई आई एम तथा विशेष कार्यक्रम जैसे ई ई पी जी एम, ई ई पी जी एम-11, ई ई पी एम,कार्यक्रमों ई-एमईपी 10/ ईपीजीपी में 500 छात्रों ने प्रवेश पाया।

मई 1 से 7, 2011 को आई आई एम के में ईपीजीपी 03 और ईएमईपी-10 के प्रतिभागियों के लिए द्वितीय परिसर - आंतरिक (अवधी-2) मॉड्यूल का आयोजन किया गया है।मई 15 2011 से प्रथम क्वार्टर प्लैटफार्म सत्रों की अवधी 2 की शुरुआत की गयी।

अक्तूबर 8-15, 2011 तक की अवधी के दौरान ईपीजीपी 04/ ईईपीजीएम-11 के प्रथम परिसर आंतरिक मॉड्यूल का आयोजन किया गया।इस मॉड्यूल में देश के विभिन्न भागों में से कुल 359 प्रतिभागी भाग लिए।

दिसंबर 2011 को प्लैटफार्म कक्षाऐं ईपीजीपी 04/ ईई पी जी एम-11 शुरू किया।जनवरी 2012 में ई ई पी जी एम-04 ई ई पी एम-04, ई ई पी एफ-04, ई ई पी ओ एम-04 प्लैटफार्म कक्षाऐं शुरु हुई।

ईपीजीपी 03 /ईएमईपी 10 बैच के प्रथम वर्ष की कक्षाऐं पूरी की गयी तथा तत्संबंधी परीक्षाऐं सफलता पूर्वक संपन्न की गयी। ईपीजीपी - 03 बैच के द्वितीय वर्ष की कक्षाऐं मार्च 2012 से शुरु की गयी ।

दीक्षांत समारोह

ई पी जी पी के द्वितीय वार्षिक दीक्षांत समारोह मार्च 17, 2011 को आई आई एम परिसर में संपन्न हुआ। उक्त समारोह में ई पी जी पी -02 बैच के 133 छात्रों को प्रबंध में स्नातकोत्तर डिप्लोमा से सम्मानित किया। उत्कृष्ट शैक्षिक प्रदर्शन के लिए मि. नितिन मुकेष, और मि. जोमोन पी जोस को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

प्रबंध विकास कार्यक्रम

वर्ष अप्रैल 2011-मार्च 2012 के दौरान संस्थान द्वारा 46 प्रबंध विकास कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है, जिसमें 335 दिवस और 50 घंटे सम्मिलित थी।इनमें से 20 ओपन एमडीपी 25 प्रायोजित एमडीपी तथा एक अन्योन्यक्रियात्मक दूरस्थ शिक्षण प्लैफार्म के अधीन आयोजित किए गए थे।इनमें 816 प्रतिभागीयें भाग लिए थे।इसी प्रकार उक्त अवधी के दौरान संस्थान द्वारा 46 दिवसों के लिए संकाय विकास कार्यक्रम का भी (एफडीपी) आयोजित किया गया था।इन दोनों एमडीपी और एफडीपी कार्यक्रमों के लिए लगभग रु. 4. 03 करोड का राजस्व प्राप्त हुआ।

वर्ष 2011-2012 (अप्रैल 2011-मार्च 2012) के दौरान आयोजित एमडीपी कार्यक्रमों का विवरण निम्नप्रकार है।

प्रायोजित एमडीपी

क्रम.	कार्यक्रम	समन्वयक	दिनांक	प्रतिभागियों	अवधी सं
1.	शैक्षणिक कार्यों के लिए उत्कृष्ट नेतृत्व (केवीएएसयू-1)	प्रो.देबाषिष चटर्जी व प्रो.सजी गोपिनाथन	अगस्त 9-11, 2011	30	3

2.	गिफ्ट(मंत्रियों के दल के लिए)	प्रो.देबाषिष चटर्जी व प्रो.सजी गोपिनाथन	अगस्त 18, 2012	19	1
3.	सामान्य प्रबंध (एनएच आरएम)	प्रो.मनोरंजन धाल	अगस्त 22-25, 2011	25	4
4.	शैक्षणिक कार्यों के लिए उत्कृष्ट नेतृत्व (केवीएएसयू- 2)	प्रो.देबाषिष चटर्जी व प्रो.सजी गोपिनाथन	अगस्त 25-27, 2011	30	3
5.	समान्य प्रबंध (एनटीपीसी)	प्रो.रूपेष कुमार पति प्रों लीना मेरी ईप्पन	सितंबर 12-23, 2010	25	12
6.	बैच१ केबेल प्रबंधकों के लिए सफल प्रबंधन	प्रो.मनोरंजन धाल व प्रों देबब्रता चटर्जी	सितंबर 19-29, 2011	26	11
7.	सामान्य प्रबंध (भारतीय फौजी)	प्रों.श्रीधर,प्रों.राजेष यू व प्रों.एस.एस.एस कुमार व प्रों.कौशिक	अक्तूबर 03-15, 2012	23	13
8	बैच 2 केबेल प्रबंधकों के लिए सफल प्रबंधन	प्रो.मनोरंजन धाल व प्रों देबाषिष चटर्जी	अक्तूबर 10-20, 2012	21	11
9.	शैक्षणिक संगटनों की बनावट	प्रों.टी.एन कृष्णन	सितंबर 28-30, 2011	26	3
10.	रणनीति पर फैसला (एनएचपासी)	प्रों. नन्दकुमार एम.के व प्रों सप्तर्षी पुरकायस्ता	अक्तूबर 03-07, 2011	26	5

11.	पुस्तकालय प्रबंधन में आज के तौर पर व्यख्या	प्रों एम.जी.श्रीकुमार	अक्तूबर 17-21, 2011	27	5
12.	एनएचपीसी कार्यपालकों के लिए सृजनात्मक समस्याओं का प्रदानम	प्रों. .के स्वाईन	अक्तूबर 17-21, 2011	17	5
13.	चेन्नै के वतनमालग्रूप कार्यपालकों के लिए नियमित वित्तीय रिपोर्ट	प्रों. सुदर्शन कुन्टुलुरु अक्तूबर	20-22, 2011	12	3
14.	सीईओ प्रतिभागियों के लिए मध्यपेशा प्रशिक्षण कार्यक्रम	प्रों. महेष भावे	नवंबर 07-11, 2011	18	3
15.	असरदार प्रशिक्षण तथा विकास कार्यक्रम	प्रो.मनोरंजन धाल	नवंबर 14-18, 2011	14	5
16.	विकसित व्यवसाय का स्वरूप (प्रथम चरण)	प्रों. राजेश उपाध्यायुला	नवंबर 22-25, 2011	21	4
17.	उच्चशिक्षा संस्थाओं के लिए नेतृत्व	प्रों देबाषिष चटर्जी पर कार्यशाला	नवंबर 23-25, 2011	26	3
18.	प्रबंधन में बदलाव (एनएचपीसी)	प्रो. ए.बी उन्निथान	नवंबर 23-25, 2011	15	3

19.	इन्डियन ओरडिनन्स फैक्टरी सर्वीसस के एजी एम प्रतिभागियों के लिए नेतृत्व के उन्नत प्रस्तुतीकरण की उच्च परिचालन	प्रो.सजी गोपीनाथ	नवंबर 21-26, 2011	26	3
20	सामान्य प्रबंध (भारतीय फौजी)	प्रों.श्रीधर,प्रों.राजेष यू व प्रों.एस.एस.एस कुमार व प्रों.कौशिक	दिसंबर 12-14, 2011	25	13
21.	संयुक्त विश्वविद्यालय प्रबंध ज्ञान का निर्माण	प्रो.सजी गोपीनाथ	दिसंबर 19-22, 2011	18	5
22.	सामान्य प्रबंध (भारतीय फौजी)	प्रों.श्रीधर,प्रों.राजेष यू व प्रों.एस.एस.एस कुमार व प्रों.कौशिक	जनवरी 09-21, 2012	24	13
23.	सामान्य प्रबंधन में मूल पाठ्यक्रम	प्रों. रूपेष कुमार पति व प्रों लीना मेरी ईप्पन	जनवरी 30 फरवरी 9,2012	26	26
24.	भेल प्रतिभागियों के लिए व्यावसायिक विपणन कार्यक्रम	एम डी पी कार्यालय	फरवरी -01 अप्रैल-26,2012	21	90

25.	जीएमआर ग्रूप के लिए रणनैतिक संस्था समाधान	प्रो. सुभाषिष देव	मार्च 06-09, 2012	34	20
ओपन एम डी पा एस					
26.	असरदार निपुणता जो किराए पर प्राप्त है	प्रो.मनोरंजन धाल	अप्रैल 18-20, 2012	4	3
27.	प्रमुख स्कूल	प्रों देबाषिष चटर्जी	अप्रैल 21-23, 2012	49	3
28.	भिन्न डैटाओं का विश्लेषण	प्रो. नन्दकुमार प्रो.जोसेफ एफ डयर प्रों.आरतुर मनी	अप्रैल 25-29, 2012	7	5
29.	समस्याओं का समाधान तथा निर्णय	प्रो.अन्जन कुमार स्वाईन	मई 18-20, 2011	14	3
30.	लीन सिग्मा द्वारा उन्नत परिचालन	प्रों. जी. तंकमणी	जून 20-23, 2011	7	4
31.	मूल व्यावसायिक रणनीति का अनुकरण	प्रो.सप्तर्षी पुरकायस्ता व प्रों. नन्दकुमार एम.के	जूलै 6-9, 2011	11	4
32.	अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्ट	प्रों. सुदर्शन कुन्दुलुरु	जूलै 7-9, 2011	6	3

33.	असरदार विपणन विनिमय	प्रों केयूर पुरानी व सुराजा किशोर	अगस्त 22-25, 2011	9	4
34.	परियोजना प्रबंध	प्रो. रूपेष कुमार पति	सितंबर 26-28, 2011	15	4
35.	प्रबंधकों के लिए रणनैतिक मूल्यैंकन	प्रो.सप्तर्षी पुरकायस्ता व प्रों. नन्दकुमार एम.के	अगस्त 25-27, 2011	9	3
36.	बढते सामान श्रेणी के विपणन रणनीति	प्रों अथानु अधिकारी	सितंबर 26-28, 2011	4	3
37.	तेजी बिक्री वलप्रदर्शन	प्रों. जी श्रीधर	अक्तूबर 12-14, 2011	9	3
38.	नेतृत्व निदानशाला	प्रों देबाषिष चटर्जी	अक्तूबर 17-20, 2011	17	4
39.	कर्मचारी प्रस्तुतीकरण काम की जगह में बढाने तथा मूलभूतमानविक मूल्यों का व्यावहारिक संगठन	प्रो. बद्रीनारायण शंकर पवार	नवंबर 23-25, 2011	5	3
40	काल अतीत नेतृत्वः अपनी नेतृत्व डीएनए का खोज करें	प्रों देबाषिष चटर्जी	नवंबर 30 - दिसंबर 03, 2011	26	4

41	उपभोक्ता के आधार पर सेवा का उन्नति	प्रों ए.बी. उन्निथान	दिसंबर 14-16, 2011	8	3
42	नेता बनना तथा बन जाना- युवा नेताओं की सृष्टि के लिए कार्यक्रम .	प्रो.उन्निकृष्णन नायर	जनवरी 23-25, 2012	10	3
43	व्यक्तगत सफलता, उत्तेजित चिंतन तथा निर्णय लेना	प्रों ए.बी. उन्निथान	फरवरी 8-10, 2012	13	3
44.	कम होने वाला डैटा तथा बौद्धिक निर्णय का परिमाणात्मक तरीका	प्रो. सी राजू	फरवरी-20-22, 2012	9	3
45	परियोजना प्रबंधन में विकसित कार्यक्रम	प्रो. रूपेष कुमार पति	फरवरी 26-अप्रैल-29, 2012	24	50

वर्ष 2011-12 के दौरान आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम

क्रम.	कार्यक्रम	समन्वयक	दिनांक	प्रतिभागियों सं	अवधी की सं
1.	प्रवंधन अनुसंधान के डैटा विश्लेषन पर कार्यशाला	प्रो. ए बी. उन्निथान	अप्रैल 04-08,2011	47	5
2.	विपणन तथा व्यावहारिक विज्ञान पर डाक्टरल अनुसंधान	प्रो. जोषी जोसफ	अप्रैल 04-08,2011	15	5
3	अग्रिम संयुक्त धनकार्य	प्रो. अभिलाष	जुलै 25-29,2011	8	5
4.	मामले का शिक्षण एवं मामले का लेखन पर कार्यशाला	प्रो. ए बी. उन्निथान	नवंबर 07-11,2011	10	5
5.	प्रबंधन अनुसंधान के लिए अर्थशास्त्र	प्रो.स्थानु आर नायर	नवंबर 14-18,2011	14	5
6.	अनुसंधान शोध प्रबंध के लिए तथा शैक्षणिक पत्रिकाओं में प्रकाशन के लिए शैक्षणिक शोध करने पर अध्ययन	प्रो. बद्री नारायण शंकर पवार	जनुवरी 23-27,2013	12	5
7.	तकनीकी युक्त पढाना और पढना	प्रो.एम.पी. सेबास्ट्यन प्रो. महेष भावे	फरवरी 13-17,2012	9	5
8.	प्रवंधन अनुसंधान के डैटा विश्लेषन पर कार्यशाला	प्रो. ए बी. उन्निथान	फरवरी 20-25,2012	26	5
9.	महासमुद्र रणनीति पर प्रबंध अध्यापन कार्यक्रम	प्रो. सजी गोपिनाथ	फरवरी 20-25,2012	19	6
	कु ल 9 कार्यक्रम			**160**	**46**

प्रबंध में अध्येता कार्यक्रम

भारतीय प्रबंध संस्थान, कोषिक्कोड के प्रबंध में अध्येतावृत्ति एक डाक्टरल स्तरीय कार्यक्रम है, जिसका उद्धेश्य उच्च गुणता प्रबंधन मेधावियों तथा शोधकर्ताओं को उत्पन्न करने का है। भारतीय प्रबंध संस्थान द्वारा इस अध्येतावृत्ति कार्यक्रम को आई आई एम जैसे शैक्षणिक संस्थाओं तथा उद्योग, व्यवसाय, सरकार और समाज को उच्च गुणता वाले संकाय संसाधनों और प्रबंध शोध करताओं का महत्वपूर्ण स्रोत माना जाता है। एफ पी एम को सामान्यतया चार और आधे वर्षों की अवधी के लिए बनाया गया है।

उच्च गुणवतावाले उम्मीदवारों को पर्याप्त प्रशिक्षण अर्पित करने हेतु भारतीय प्रबंध संस्थान कोषिक्कोड ने 2007-08

वर्ष के दोरान अपना एफ पी एम कार्यक्रम शुरू किया था, जिसका उद्देश्य दुनिया भर के प्रतिभाशाली छात्रों को आकर्षित करना, और हमने ऐसा एक वातावरण सृजित किया, जो लोगों को नए विचारों के परीक्षण करने में आदर्श हो और लगातार उन्हें नई दिशाओं के विकास में प्रेरित करने लायक हो।आगे आई आई एम के छात्रों को पर्याप्त सुविधाओं का प्रावधान करता है, ताकि वे सृजनात्मक दृष्टि से जिज्ञासू बनकर सही अवसरों को हासिल कर सकें, और इस बदलते वैश्विक परिदृश्य में चुनौतियों और खतरे का सामना कर सकें।

वर्तमान में विशेषज्ञता के सात क्षेत्रों मे पेशकश की जा रही है, यथा अर्थशास्त्र,वित्त, लेखांकन एवं नियंत्रण, सूचना प्राद्योगिकी और प्रणालियाँ, विपणन, औबी और मानव संसाधन क्यू एम और ओपरेशन प्रबंधन और रणनीतिक प्रबंध।प्रथम और द्वितीय सालों के लिए क्रमशः 61 क्रेडिट तथा 64.5 लेने की आवश्यकता है। वर्तमान में आई आई एम , कोषिक्कोड के एफ पी एम कार्यक्रम में कुल 24 छात्रों के साथ अपनी भागीदारी निर्णय किए सातवाँ बैच के 17 छात्रों ने भी अध्ययन ग्रहण कर रहे है।

वित्तीय सहायता

इस कार्यक्रम की उल्लेखनीय बात है यह है कि आई आई एम के में प्रवेश लेने वाले छात्रों को संस्थान द्वारा वित्तीय रूप से पर्याप्त मात्रा में सहायता दी जाती है, अतः कार्यक्रम में छात्रों के चयन में अधिक ध्यान दिया जाता है। प्रवेश के समय पर उनकी गुणता की जाँच सुनिश्चित की जाती है। आगे, इस कार्यक्रम में भर्ति लेने वाले छात्रों को शिक्षण शुल्क का भुगतान करने में छूट दी जाती है।

एफ पी एम कार्यक्रम में प्रवेश लेने वाले सभी भारतीय छात्रों को प्रथम और द्वितीय वर्ष के लिए रू. 17,000 प्रतिमाह, तृतीय और चतुर्थ के लिए रू. 18,000 प्रतिमाह अध्येता वृत्ति दी जाती है। अगर एफपीएम कार्यक्रम पाँच साल तक हो गए तो उस साल के प्रथम छह महीने तक हर महीने में रू. 1,800 दिया जाएगा। बाकी अवधी पर छात्रवृत्तिका की प्रदान छात्रों के अनुसंधान सलाह समिति के सिफारिश के आधार पर दिया जाएगा। पुस्तकें ,लेखन- सामग्री , कंपूटर आदि की खर्च के लिए साल भर के लिए रू. 1,20,000 का आकस्मिक अनुदान दिया जाता है। आगे, भारत और विदेशों में संपन्न होने वाले राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेनें के लिए रू. 20,000 एवं अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए रू. 75,000 वित्तीय सहायता दी जाती है।

वर्ष 2011-12 के दौरान अध्येता कार्यक्रम

अकादमिक दृष्टि से इन छात्रों ने कार्यक्रम के कुछ ही वर्षों में भारी विकास का प्रदर्शन किया है।एफ पी एम छात्रों की महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ निम्नानुसार है।

फुलब्रैट - नेहरू डॉक्टरल तथा प्रोफशनल रिसर्च फेलोशिप

मि. मनीष शुक्या, ने यु एस ए के कोरोनल विश्वविदग्यालय के प्रबंध के जोनसन स्नातक स्कूल पर अगस्त 2011 से लेकर नौ महीने की अवधी में भेंट किया।

पुरस्कार

कृष्णदास एन, रामकुमार डी, सुप्रिय के के, पिल्लै आर आर (2011) ने 2011 वर्ष के विप्रो एर्थियन पुरस्कार प्राप्त किया।आई आई एम के की कंप्यूटर सेंटर में ग्रीन आई टी की प्रस्तुति की परियोजना पर ही आई एन आर 3 लाख का यह पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

कृष्णदास एन और पिल्लै आर आर (2011) ने पुष्टि रखने की अनुसंधान योजना पर एमराल्ड 2011 उच्च तारीफ के भारतीय लिस अनुसंधान निधी पुरस्कार प्राप्त किए।

कृष्णदास एन (2011) रणनैतिक नेतृत्व, सुधार एवं पुष्टि, 21 वीं शती के प्रबंधन तरीका नामक शोध पत्र के लिए अन्तर्राष्ट्रीय पीएचडी छात्रा के लिए प्रतियोगिता पुरस्कार प्राप्त किए।

कृष्णदास एन और पिल्लै आर आर (2011) भारतीय विज्ञान संस्थान बैंग्लूर के 11 वाँ अनुसंधान प्रबंध के छात्रों तथा अन्य कंपनियों से मिलकर (सी ओ एस एम ए आर) भारत में हरिताभ आईटी प्रयोजन - पर्मपरागत मूल्यांकन - विषयक शोध पत्र के लिए प्रशस्ति पत्र एनं पुरस्कार प्राप्त किए।

शुक्ला एम (2011) शोध पत्र ताजा आपूर्ति श्रृखला प्रबंध पर विकसित आर्थिकता से युक्त डाक्टरल-छात्र पुरस्कार प्राप्त किया है ।

नारायणा एस, और पति आर.के (2011) शोध पत्र -भारतीय औषधीय निर्माण व्यवसाय में उलट विषयक शोध पत्र के लिए खूब सराहनीय मरकत/आई ए एम भारतीय प्रबंध अनुसंधान निधि पुरस्कार प्राप्त किया।

चाव्ला वी (2011) अगस्त 12-16 तक सान अंटोनियो, टेक्सास. यू एस ए में चलाए 71 वाँ वार्षिक शैक्षणिक प्रबंध संस्थान के सम्मेलन में आध्यात्मिकता, धार्मिकता, तथा विभागीयता के तौर पर खूब संभावना प्रदान करने वाले निबंध के लिए पुरस्कार।

टांटन ए (2012) फरवरी 20 से मार्च 30 तक न्यू ओरली ला. ए.में चलाई गया दक्षिण पश्चिमी शैक्षणिक प्रबंध संस्थान के वार्षिक सम्मोलन में संघाटक एवं लघु व्यवसाय के खोज- 2012 के लिए सबसे अच्छे सर्वेक्षण पुरस्कार प्राप्त हुआ।

कृष्णदास एन (2012) अप्रैल 2012 को स्विटसरलैंट में चलाई 42 वाँ संत गैलन सिंपोसियम में स्थिरता में जोखिम प्रबंध विषयक शोध पत्र के लिए सें. गालन विंगस ओफ एक्सलन्स पुरस्कार प्राप्त हुआ।

अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुतीकरण

चाव्ला वी. (2011) अगस्त 12-16 में सान- अन्टोनियों, टेक्सासत्त यू एस ए में भारतीय दृष्टिकोण 71 वाँ शैक्षणिक प्रबंध के वार्षिक सम्मेलन था काम करने वाले जगह के आध्यात्मिकता पर विदेशी विचार पर 71 वाँ शैक्षणिक प्रबंध के वार्षिक सम्मेलन प्रस्तुत किए।

चाव्ला वी और श्रीधर जी (2011) प्रवृत्ति में व्यक्ति के आध्यात्मिकता और बिकाऊ तथा रिश्तों से जुडनारः उन्नत श्रेणी के बिक्री वालों का एक पठन के बारे में छात्री 19-23 में रीमस, फ्रान्स के दूसरी बैईनुयल एकाडमी ओफ मार्कटिंग सयन्य (ए एम एस) एन्ड वेल्ड मारकटिंग कांग्रस कन्सोर्ष्यम चलाया गया है ।

चाटर्जी,डी,कृष्णन टी एन और टंटन ए (2011) अक्तूबर 13-15 सान अन्टोणियो, टेक्सास में चलाए 2011 के उत्तर अमरिका मामला अनुसंधान संगठन ने स्थाई सामाजिक प्रारंभः पलाष ।
आई होस्पिटल के दौरान सम्मेलन प्रस्तुत किया।

कृष्णदास एन (2012) अप्रैल ३०-मई 06 2012 स्विटसरलैंड में 42 वाँ संत.गलान सिंपोसियम में स्थिरता में जोखिम प्रबंध विषय प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीयसम्मेलनों की प्रस्तुतीकरण

कृष्णदास एन और पिल्लै आर आर (2011) दिसंबर 18-19 को भारतीय प्रबंध संस्थान, कोषिक्कोड, केरला में सूचना प्राद्योगिकी,व्यवस्धा एवं प्रबंध (आईटी एस एम) अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन ने ग्रीन आईटी प्रायोगिकता के मूल्यांकन के नमूने पर सम्मेलन चलाया।

कृष्णदास एन और पिल्लै आर आर (2011) दिसंबर 18-19 को भारतीय प्रबंध संस्थान, कोषिक्कोड, केरला में सूचना प्राद्योगिकी,व्यवस्था एवं प्रबंध (आईटी एस एम) अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन ने क्लौड कंपूटिंग के दाम मुनाफा के विश्लेषण के नमूने पर सम्मेलन चलाया।

कृष्णदास एन और पिल्लै आर आर (2011) दिसंबर 9-12 को भारतीय प्रबंध संस्थान, कोषिक्कोड, केरला में ग्यारहवाँ भौगोलिक सम्मेलन के दौरान आसान व्यवस्था एवं प्रबंध (आई आई एम ग्लोगिफ्ट 2011) ने आसान सूचना व्यवस्था पर हरित तकनीकी विषय में सम्मेलन किया।

कृष्णदास एन और पिल्लै आर आर (2011) अक्तूबर-21 को भारतीय विज्ञान संस्था,बैंगलूर में प्रबंध अनुसंधान में ग्यारहवाँ छात्रों के झुंड ने भारत में हरिताभ प्राद्योगिक प्रयुक्तिः साँस्कृतिक दृष्टिकोण के आधार पर सम्मेलन चलाए।

दुर्कारी आर, और स्वाईन ए.के (2011) दिसंबर 5-7 रूरखे में अनुकरण, उत्तमता, तथा कमप्यूटिंग में प्रगति के दौरान रैंकिंग एवं चुनाव संबंधी नाना रूप के नए संबंध के व्याख्यान में सम्मेलन चलाया।

पति आर.के और नन्दकुमार एम.के (2011) दिसंबर 18-20 आई आई एम बैंगलूर में दूसरे भारतीय शैक्षणिक प्रबंध (आई ए एम सम्मेलन) में सी ई ओ दो रूपों में ः भिन्न सैद्धांतिक दृष्टिकोण -विषय में सम्मेलन चलाया।

सुप्रिया.के.के और झरकारिया एस (2011) दिसंबर 9-12 भारतीय प्रबंध संस्थान कोषिकक्कोड, केरला में वैचारिक ढाँचा - आसान सीमा के संबंध में- विषय को लेकर आसान प्रबंध योजना में (आई आई एम के ग्लोगिफ्ट) ग्यारहवाँ भौगोलिक सम्मेलन को प्रस्तुत किया गया है।

विचाराधीन मामला

कृष्णदास एन (2011) लाईफस्पिरिंग अस्पताल ः भारतीय आरोग्य रक्षा के सामाजिक सफलता।मरकत (http: www.emerald)

पुस्तक समीक्षा

जयशंकर, आर (2012) उपभोग के नीति शास्त्रीयता का मिथक पर पुस्तक समीक्षा, टी एम डेविन्ने, पी ओगर और जी एम एक्कार्ट, उत्पाद्य एवं प्रबंध छाप।21(1): 68

जयशंकर, आर (2012) दी नो आसहोल रूलः नागरिकों के कामकाजी स्थानों का बनावट, जो ऐसा नहीं उसका अविशिष्ट प्रबंध अनुसंधान, 10(1) 58-60 के पत्रिका।

अन्तर्राष्ट्रीय विनिमय कार्यक्रम

हाल ही के कुछ वर्षों में प्रत्यक्ष विदेशी संस्थागत निवेश के लिए योग्य सबसे बहतर स्थानों में भारत उभर कर आया है, जिसे अन्तर्राष्ट्रीय कंपनियों के लिए विनिर्माण आधार तथा वैश्विक एवं बाह्य स्रोत गतिविधियों के लिए भी एक आधार माना जा सकता है। इसके संबंध में संकायसदस्यों और छात्रों के बीच के वैश्विक मौलिकता का पालन करना, वैश्विक विपणन केन्द्र पर भारतीय उत्पाद तथा सेवाओं के बढते मौकों से परिचित करना ताकि भारत और विश्व के बीच लाभान्वित तथा सशक्त विपणन और व्यवसायिक संबंध विकसित करने के मकसद से, आई आई एम के ने अन्तर्राष्ट्रीय विनिमय कार्यक्रम विदेश के प्रमुख संस्थान के साथ शुरू किया।

आई आई एम के ने विश्व के विभिन्न भागों में खासकर वैश्विक व्यापार संचालन पर प्रभाव डालने वाले मुख्य साँस्कृतिक स्थानों पर काम करने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय विनिमय कार्यक्रम खूब प्रोत्साहन देते हैं। विदेशी संस्था की शोधकर्ता , खासकर संस्था के भागीदार संस्थाओं ने अनुसंधान सुविधा को ढूँढ लिया है। साथ साथ आई आई एम के साथ मिलकर प्रबंध विकास कार्यक्रम,संकाय विकास कार्यक्रम अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन और भिन्न व्यावसायिक आपसी संगोष्ठियाँ आदि चलाने का सुविधा भी वे ढूँढ विया है।

आई आई एम के अपनी गति को तीव्र करते हुए चयनित महत्वपूर्ण संस्थाओं, विशेषकर उन देशों की संस्थाओं , जिनके साथ अभी तक सहबंध नहीं रखा है, के साथ भागीदारी स्थापित करके अपनी अन्तर्राष्ट्रीय गतिविधियों में भी तेजी लाने की योजना बना रखी है।

वर्ष 2011-12 में आई आई एम के के साथ निम्नलिखित संस्थाओं ने संयुक्त रूप से विन्यास करने का निश्चय किया है।

1) अबुदाबी विश्वविद्यालय (एडीयु) अबुदाबीः पूर्व एशिया में अपनी हाजिरी व्यक्त करने के लिए 9, जनवरी 2012 को प्रो. देबाषीष चटर्जी, निदेशक, आई आई एम के और डॉ. प्रो. टेरन्स मोटिक, कुल सचिव अबुदाबी विश्वविद्यालय द्वारा संझौता ज्ञापन स्थापित किया है। निम्न लिखित क्षेत्रों में समझौता ज्ञापन लागू हुआ है।

1) पीजीपी छात्रों के अडीयू विश्वविद्यालय में बदल संदर्शन
2) ईपीजीपी/ ईएमबीए छात्रों के ह्रस्वकालीन संदर्शन
3) आई आई एम के और ए डी यू के बीच संयुक्त अनुसंधान
4) आई आई एम के और ए डी यू के बीच संकाय सदस्यों का विनिमय
5) एडीयू में डाक्टरल छात्रों के लिए मौका।

यू ए ई में समझौता ज्ञापन से आई आई एम के के स्नातकोत्तर कार्यक्रम के छात्रों के लिए ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप के लिए मौका मिलता है। अबुदाबी में कामकरने वाले भारतीय प्रबंधकों को भी लाभ उठाने के मकसत से दो स्नातक कार्यक्रम चलाने के लिए द्विपक्षीय चर्चा जारी है। यह आई आई एम के के लिए तथा अबुदाबी विश्वविद्याल के लिए एक ऐतिहासिक पल होगा, जिससे पहली बार आई आई एम को पूर्व मध्य शिक्षा क्षेत्र में प्रवेश पा सकता है, तथा ख्यापक उच्च गुणवत्ता शैक्षिक कार्यक्रम जो विश्वव्यापक रूप से स्वीकार किया है, प्रदान करता है।

2) लीडस विश्वविद्यालय विसिनेस स्कूल यू.केः जनवरी 11, 2011 में आई आई एम कोषिक्कोड ने लीडस विश्वविद्यालय विसिनेस स्कूल यू. के. के. साथ सहयोगी समझौता के लिए हस्ताक्षर किया। आई आई एम के के चुने हुए छात्रों को लीडस

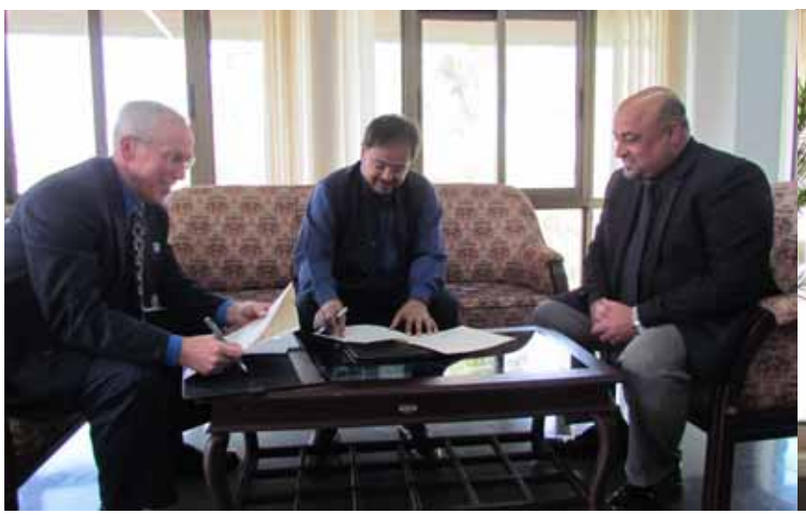

विश्वविद्यालय विसिनेस स्कूल यू. के में सेमस्टर तरीके से पढ सकते है। इस संयुक्त कार्य से मुख्य लाभ अनुसंधान के क्षेत्र में होगा। आई आई एम के और लीडस विश्वविद्यालय विसिनेस स्कूल के सहकरण ने उन कार्यों को ढूँढते हैं, जो आई आई एम के को किस प्रकार एक व्यावसाइक केन्द्र बना सकते है।प्रकृति के प्रति जागरूकता तथा विकसित विपणन में व्यावसायिक शाखा ही इस परियोजना का लक्ष्य है, जो यू के और यु एस ए के उतरनेवाले तथा विकसित विपणन का लक्ष्य है।

इस संयुक्त समक्षैते पर प्रो. देबाषिष चटर्जी, निदेशक, और प्रो. मार्क स्मिलिक एसोसिएट डीन (बाह्य संबंध) लीडस विश्वविद्यालय विसिनेस स्कूल यू.के ने हस्ताक्षर किया।

3) ई एस एस सी ए प्रबंध विद्यालय, ऐंगेर्स, फ्रांसः जुलै 7, 2011 को आ एस एस सी ए प्रबंध विद्यालय, ऐंगेर्स, फ्रांस और आई आई एम के के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये। इसका लक्ष्य संकाय सदस्यों का पदोन्नति तथा छात्रों के विनिमय और साझेदारी से अनुसंधान कार्य करना है।

4) आई ई एस ई जी प्रबंध विद्यालय, लिली फ्रांसः मार्च 3, 2012 को आई ई एस ई जी प्रबंध विद्यालय, लिली फ्रांस और आई आई एम के के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

किये। इसका लक्ष्य सूचना एवं एक दूसरे को आवश्यक वस्तुओं का विनिमय, छात्रों के तथा कर्मचारियों का विनिमय आदि का प्रोत्साहन , आई आई एम तथा आई ई एस ई जी के साथ संयुक्त अनुसंधान कार्यक्रम आदि हैं।

5) आई एस सी टी ई विश्वविद्यालय संस्था, लिसबन, पोर्टुगलः जुलै 7, 2011 को आई एस सी टी ई विश्वविद्यालय संस्था, लिसबन, पोर्टुगल और आई आई एम के के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया।
इसका लक्ष्य संकाय सदस्यों की पदोन्नति तथा छात्रों के विनिमय और साझेदारी से अनुसंधान कार्य करना है।

आई आई एम के ने निम्नलिखित संस्थाओं के साथ समझौता ज्ञापन स्थापित किया है।

1) लीडस विश्वविद्यालय विसिनेस स्कूल यू.केः
2) बीई एम बोरडेक्स प्रबंध स्कूल, फ्रांस
3) ईएससीपी, यूरोप फ्रांस
4) रोवेन बिसिनेस स्कूल फ्रांस
5) ई एस एस सी ए प्रबंध विद्यालय, ऐंगेर्स, फ्रांस
6) ईडीएच ई सी बिसिनेस स्कूल फ्रांस
7) आई ई एस ई जी प्रबंध विद्यालय, लिली फ्रांस
8) यूरोपियन बिसिनेस स्कूल, ओस्ट्रिच, विंकल, जर्मनी
9) लेप्सिग स्नातक प्रबंध स्कूल, जर्मनी
10) जोन कोप्पिंग अन्तर्राष्ट्रीय विसिनेस स्कूल स्वीडेन
11) कोप्पन हेगन बिसिनेस स्कूल डेनमार्क
12) क्यून्सलैंड तकनीकी विश्वविद्यालय, ओस्ट्रेलिया
13) प्रबंध केन्द्र, इन्सब्रक, ओस्त्रिया
14) नोरवीजियन अर्थशास्त्र स्कूल, नोरवे
15) विक्टोरिया विश्वविद्यालय, वेल्लिंटन, न्यूजियैंड
16) बिक्कोनी विश्वविद्यालय मिलानो, इटली
17) आई एस सी टी ई विश्वविद्यालय संस्था, लिसबन, पोर्टुगल
18) अबुदाबी विश्वविद्यालय (एडीयु) अबुदाबी

अन्य प्रमुख प्रवृत्तियाँ

छात्रों के विनिमय के दौरान संस्था से 35 छात्रों को अन्य 9 संस्थाओं में भेज दिया गया है, और आई आई एम के ने अन्य 5 संस्थाओं में से 14 छात्रों को स्वीकार भी किया है। निम्न लिखित रेखा चित्र से पता चलता है कि सालों से आई आई एम के के अन्तर्राष्ट्रीय विनिमय कार्यक्रम बढते आ रहा है। पिछले पाँच सालों में आई आई एम के के बढते अन्तर्राष्ट्रीय विनिमय कार्यक्रम की रेखाचित्र निम्न चित्रित है।

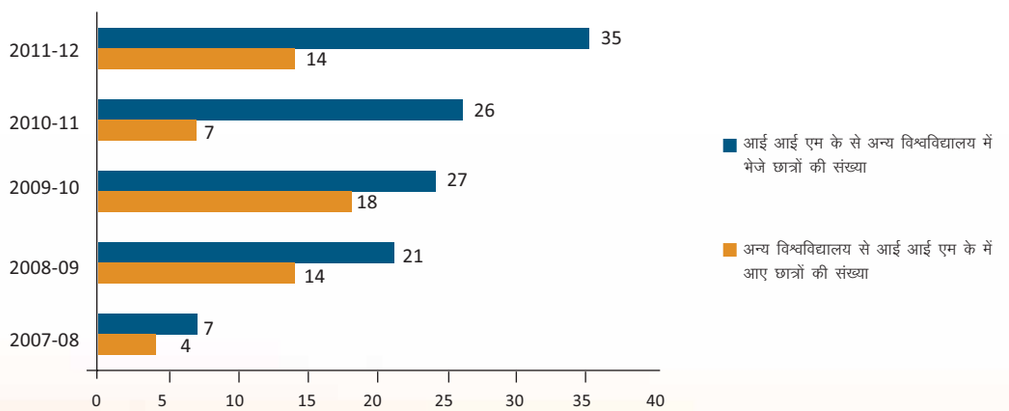

इसके साथ निम्न चित्रित रेखा चित्र से यह पता चलता है, कि पिछले पाँच सालों से आई आई एम के द्वारा अधीक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित है। यह बढावा दर अधीक प्रोत्साहन भी देते हैं। साथ में आगामी सालों में ज्यादा-सै-ज्यादा संस्थाओं के साथ अन्तर्राष्ट्रीय कार्यों को भी बढावा दे सकें।इस तरह के संयुक्त प्रवृत्ति से आई आई एम के तथा भागीदार संस्थाओं के संकाय सदस्य और छात्रों को लाभदायी होता है। आई आई एम के को अधीक विश्वास है, कि इस तरह के कार्यक्रम से भारत तथा अन्य देशों के बीच साँस्कृतिक सामाजिक तथा बिसिनेस संबंधी रिश्ता विकसित होने के साथ-साथ मजबूत भी होंगे।

अन्तर्राष्ट्रीय विनिमय के भगीदारी से समझौता ज्ञापन दिखाने वाले रेखा चित्र

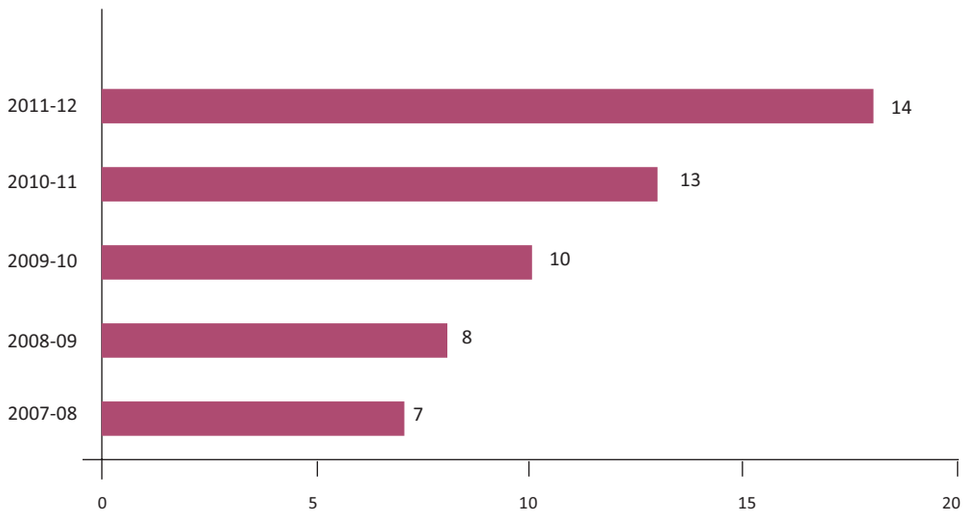

आन्तरिक साँस्कृतिक मौका

अन्तर्राष्ट्रीय भोजन द्वारा साँस्कृतिक क्षमता प्रस्तुत करने वाया एक आन्तरिक साँस्कृतिक मौका आई आई एम के चलाते आ रहे हैं, जो इस संस्था में आए हुए अन्य संस्था के छात्रों द्वारा आयोजित किया जाता है। इससे आई आई एम परिवार विदेशी साँस्कृति तथा भोजन से सुग्राही होते हैं। छात्रों तथा संकाय सदस्यों के बीच वैयक्तिक रिश्ता तथा नेटवर्क का विकास भी इससे संभव है। 2011-12 वर्ष में नवंबर 03, 2011 को ही आन्तरिक साँस्कृतिक मौका चलाया गया।

प्रवेश कार्यक्रम

आई आई एम के में चरण 5 के स्नातकोत्तर कार्यक्रम के पंजीकरण के समय ही अन्तर्राष्ट्रीय छात्र विनिमय का भी प्रवेश होता है। अन्तर्राष्ट्रीय विनिमय के अध्यक्ष द्वारा संस्था के बारे में लघुविवरण दिया जाता है।स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के अध्यक्ष द्वारा पाठ्यक्रम, निर्देश जैसे कार्यक्रमों के बारे में प्रवेश के समय पर परिचित कराते हैं। इसके बारे में कार्यक्रम पुस्तिका के बारे में भी छात्रों को अवगत कराते है। आई आई एम के परिसर के जीवन के बारे में छात्र-गण भी अपना अनुभव व्यक्त करते है। यह कार्यक्रम परम्परागत केरलीय मध्याह्न भोजन द्वारा ही परिचित कराता है।

भारत में बिसिनेस पर्यावरण (बी ई आई) और क्षेत्र संदर्श

भारत में विसिनेस के पर्यावरण से युक्त पाठ्यक्रम, विदेश के बिसिनेस पर्यावरण से परिचित होने तथा प्रबंधन में निर्णय का स्थान आदि के बारे में विकास होने के लिए भारत में बिसिनेस पर्यावरण (बी ई आई) पूर्ण सहायता देते हें। बी ई आई ने भारत में भिन्न प्रकार के बिसिनेस चलाने का अनुभव भी प्रदान करते हैं।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

1) भारत में बिसिनेस को प्रभावित करने वाले स्थूल पर्यावरण घटकों का परिचय प्रदान करना

2) भारतीय संदर्भ में विपणन-प्रबंध के बारे में चर्चा

3) भारतीय कंपनियों द्वारा विसिनेस रणनीति के दृष्टिकोण प्रदान करना।

इस पाठ्यक्रम के दौरान अन्य पाँच राज्यों में से 11 छात्रों ने निम्नलिखित संगठनों में संदर्शन किया है।

1) आई टी सी

2) संज्ञान तकनीकी समाधान

3) बैंगलूर के नारायना हृदयालय

4) टेसको

इन छात्रों ने मैसूर के कुटीर उद्योग पर भी संदर्शन किया है।

अन्तर्राष्ट्रीय संदर्शक

2011-12 में अनेक अतिथियों को आई आई एम के ने आतिथ्य किया है। इन कुलाध्यक्षों ने आई आई एम के के संकाय सदस्यों तथा छात्रों के बीच विचार-विमर्श किए है, जिसके फलस्वरूप आई आई एम के तथा अन्य संस्थाओं के बीच के सहयोग के भिन्न मौके को भी जाँच की गई। 2011-12 के प्रमुख संदर्शकों का नाम निम्न लिखित है।

अबुदाबी विश्वविद्यालय, अबुदाबी के प्रो.जेकब चाको, डीन, और प्रो. जेम्स ई,मेक्किन, प्रोवोस्ट

लीड्स विश्वविद्यालय बिसिनेस स्कूल, यू. के. के प्रो. पीटर मोईसर.डीन और मिं मार्क स्मेलिक, बाहरी संबंध के सहयोगी डीन

बिरमिंग हॉम विश्वविद्याय के निदेशक प्रों डेविड बिक्सन,

मस्च्युसेटं विश्वविद्याय के इसेमबर्ग प्रबंध स्कूल से प्रों. अलैन रोबिनसन सह-डीन, प्रो.ईश्वर अय्यैर, विपणन और विपणन के विभागाध्यक्ष रहे।

प्रवेश 2011

प्रवेश प्रक्रिया के विशिष्ट संकेतक नीचे दिए गये है।

साक्षात्कार के लिए बुलाये गए उम्मीदवारों की संख्या			साक्षात्कार में शामिल उम्मीदवारों की संख्या		
	2010-11	2011-12		2010-11	2011-12
सामान्य	1175	1362	सामान्य	992	1174
ओ बी सी	439	832	ओ बी सी	380	744
अनुसूचित जाति	314	416	अनुसूचित जाति	228	354
अनु॰ जनजाति	161	230	अनु॰ जनजाति	113	191
विकलांग	29	88	विकलांग	23	82
अनिवासी भारतीय	07	06	अनिवासी भारतीय	04	04
कुल	**2125**	**2934**	कुल	**1740**	**2594**

कुल दिए गये प्रस्ताव			कुल स्वीकृत प्रस्ताव		
	2010-11	2011-12		2010-11	2011-12
सामान्य	362	314	सामान्य	180	188
ओ बी सी	251	226	ओ बी सी	80	100
अनुसूचित जाति	143	126	अनुसूचित जाति	53	51
अनु॰ जनजाति	74	78	अनु॰ जनजाति	23	27
विकलांग	18	35	विकलांग	05	11
अनिवासी भारतीय	02	01	अनिवासी भारतीय	0	01
कुल	**850**	**780**	कुल	**341**	**378**

स्नातकोत्तर कार्यक्रम के लिए पंजीकृत विद्यार्थीयों							
	सामान्य	ओ बी सी	अनुसूचित जाति	अनु॰ जनजाति	विकलांग	अनिवासी भारतीय	कुल
2010-11	169	71	51	22	06	00	319**
2011-12	175	79	43	20	10	01	328*

** बैच 2009-11 का प्रथम वर्ष दोहराने वाला विध्यार्थी।

* ।बैच 2010-11

स्नातक अनुशसन 2011-2013

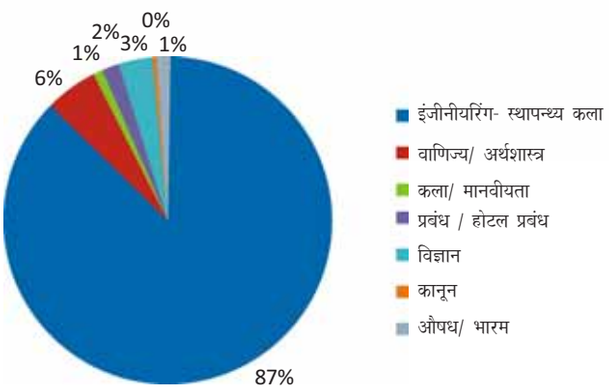

कार्य अनुभव 2011-13

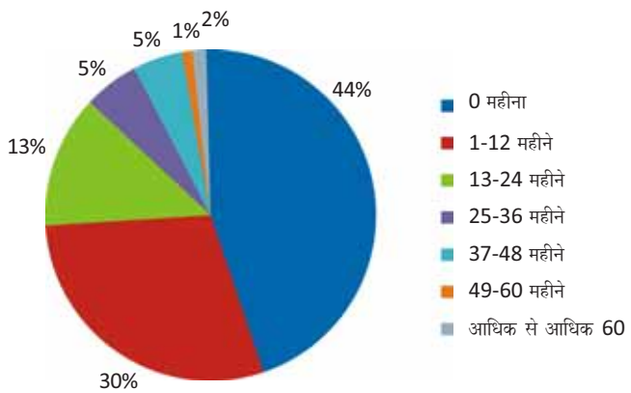

लिंग अनुपात 2011-13

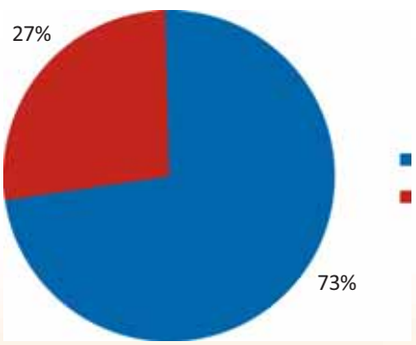

सामान्य प्रवेश परीक्षा 2010 (सीएटी 2010)

22 अगस्त 2010 को प्रमुख समाचार पत्रों में सीएटी 2010 के लिए विज्ञापन निकला था। 30 अगस्त 2010 को सीएटी 2010 के लिए आँनलाइन पंजीकरण शुरू किया गया। परीक्षा के लिए कुल 2,04,267 उम्मीदवार पंजीकृत हुए। 27 अक्तूबर 2010-24 नवंबर 2010 के दौरान परीक्षा संपन्न हुई। उक्त परीक्षा देश के 33 शहरों में आयोजित हुई। कुल 1,86,229 उम्मीदवार परीक्षा में उपस्थित हुए तथा 12 जनवरी 2011 को परिणाम धोषित किया गया।

प्रवेश 2011

पीपीजी 2011-13 बैंच के लिए उम्मीदवारों के चयन के लिए 26 फरवरी 2011-01 अप्रैल 2011 के दौरान कोषिक्कोड, मुंहई, कोलकाता, दिल्ली और बेंगलूर में साक्षात्कार आयोजित किया गया। 30 अगस्त 2010 को सीएटी 2010 के लिए आँनलाइन पंजीकरण शुरू किया गया। जीडी और साक्षात्कार के लिए आमंत्रित उम्मीदवारों का विवरण निम्नप्रकार हैः-

संवर्ग	उम्मीदवारों की संख्या
सामान्य	1657
अ.पि.वर्ग-एनसी	856
अ.जा.	530
अ.ज.जा.	278
शारीरिक रूप से आशक्त	96
कुल	**3417**

स्थानन

पीजीपी 15 वाँ बैच के लिए ग्रीष्माकालीन स्थानन

आई आई एम के संस्था ने 345 छात्रों से युक्त पद्रहवो पीजीपी बैच के ग्रीष्मकालीन स्थानन का सफलता पूर्वक पूर्ति करने की घोषणा की है। छात्रों की संख्या बढाने के बदले 100 प्रतिशत स्थानन कायम रखने की कोशिश गई है, जो 100 से अधिक मुकम्मिल कार्यक्षेत्र प्रदान करता है। नियमित रूप से भर्ती किए जाने वाले लोगों के अलावा जो आई आई एम छात्रों के क्षमता पर आस्था रखते है, इस वर्ष में 35 नए क्षेत्रों का निर्माण किया गया है।

भौगोलिक छाप के शक्तिकेन्द्र जैसे एच यु एल रिकिट बेंकिसर, नौमुरा,डेक्शे बैंक,सीआईटीआई, एचबीसी, डिलोइटी परामर्श, जेपी मोरेगन चेस, जोन्सन ऐंट जोन्सन, पेप्सी को ऐंट स्टांडैर्ड चैटेर्ड बैंक आदि कंपनियाँ आई आई एम के के साथ बहुत अधिक छात्रों को भर्ति करवाकर दृढ सहयोग कायम रखते आ रहा है। भारत के बहुत प्रसिद्ध एम एन सी जैसे आई टी सी,एशियन पेंट्स,रिलाईन्स व्यवसाय, ऐक्सिस, महिन्द्रा ऐंट कोग्निजेंट कंपनियाँ भी ग्रीष्मकालीन स्थानन में भागीदार हुए है, जहाँ विश्व के अन्य एम एन सी पर इन्टेर्णशिप के लिए छात्र चुने जाते हैं। कंपनियाण

भिन्न कार्यक्षेत्र में अनेक चुनौती देने वाले कार्यविवरण प्रदान करते है जिससे छात्र विपणन के याथार्थ्य को पहचान सकें। इसके साथ-साथ भविष्य में व्यवसाय के प्रमुख क्षेत्रों में सामना करने वाले मुद्दों पर प्रयोग में ला सकते हैं।

आई आई एम के ने ३० प्रतिशत खुद एक विपणन केन्द्र पुनस्थापित किया। खूब अवधी से युक्त अवसर प्रदान करने वाले एफ एम सी जी क्षेत्र के अन्तर्गत आनेवाले एचयुएल, आई टी सी, मेरीको,रेकिट बेनकिसर पेप्सिको,जोनसन, केल्लोग्स,हेन्स एंट पेरफिटी, हिन्दुस्थान ,कोको कोला बीवरेजस, डाबर एंट ब्रिटानिया जैसे अनेक कंपनियों से आकर्षित होने का चित्रण हम देख सकते हैं।

दूर संचार में मुख्य भूमिका निभाने वाले क्षेत्र जैसे भारती एयरटेल जैसे कंपनियाँ भी इसमें शामिल है। अन्य क्षेत्र के कंपनियाँ जैसे जीएसके फार्मा,मेडट्रोनिक्स,अप्पारल एंट एक्ससरीस, मथुरा फैशन एंट लाईफ स्टईल,टाईटान,वाईल्ड क्राफ्ट, होम डेकोर - एशियन पेंट्स, एक्सो नोबल एंट अन्य कंपनियाँ जैसे एवीटी, मक क्रोमिक, एंट पिडिलिट आदि कंपनियाँ भी विपणन क्षेत्र में चुनौती देने वाली भूमिकाएँ निभाती बै।

निक्षेप बैंक और अन्य वित्तीय संस्थाओं का कार्य यूरोपीय विपणी में मंदन होने पर भी पिछले साल में प्राप्त मौके की तुलना में बैंच के 25 प्रतिशत कार्यक्षेत्र बढा दिया। ह्यूक्शे बैंक, जे.पी मोर्गन, नौमुरा,मेक्यूरा केपिटल, अमेरिकन एक्सप्रस स्टान्डेर्ड चाटेर्ड बैंक, एचएसबीसी सिटी ग्रूप, गोल्डमान साष्स,इडेलविस जैसे कंपनियों की भागीदारी आर्थिक वृत्तिका में छात्रों को मौकों की अपर्याप्तता नहीं होगी।प्रबंध परिसंपत्ति पर प्रस्तुत भूमिका के अलावा निक्षेप बैंकिंग में साम्य विपणन, भारत के मुख्. बैंक जैसे आई सी आई सी, ऐक्सिस छात्रों को भिन्न प्रकार के विशेष क्षेत्र चुनने का मौका विज्ञापन बैंकिंग प्रादान करता है।

एल एवं टी ग्रूप, यू एस टी एवं प्रिसं जैसे कंपनियाँ छात्रों को निगमित वित्तीय, वेतन क्षमता, तथा वित्तीय क्षेत्र के अन्य बढते क्षेत्र में मुख्य भूमिका प्रदान करते हैं।

तत्कालीन समाज के रणनीति एवं बिसिनेस परामर्श जहाँ अधिक छात्रों को आवश्यक है, अधिक से अधिक छात्रों का इस क्षेत्र में प्रवेश हम देख सकते हैं। अन्य नए भर्तिप्राधिकारियों के अलावा भर्ती कर्ताओं जैसे डेलोटी परामर्शदादा, कोन्जिसेंट ।

बिसिनेस परामर्शदादा नोडविन,विप्रो परामर्शदादा, असेलिपेस, मिन्ड ट्री आदि के निष्ठवान भर्ती कर्ताओं के भागीदारी भी रहते हैं।

भारत के बहुत प्रसिद्ध कंपनियाँ भागीदार होने के साथ-साथ परिचालन एवं महा प्रबंधन की भूमिका निभाती है। टीएएस, महिन्द्रा एंड महीन्द्रा रिलाईनस इन्डस्ट्रीस, टी ए फ ई, एल एंट टी, जिन्डाल स्टील, जीएमआर जैसे कंपनियाँ आवभगत

आंतरिक संरचना एवं खेल प्रबंध से युक्त शीर्षस्तरीय आई पी एल डीम का निर्माण कार्यक्रम एवं भारत के सबसे अच्छे उत्पादन भमता बढाने की परियोजना, व्यावसायिक विकास और आई टी परामर्श की भूमिका का भी इनफोसिस, टीसीएस, एरिसेंट, जेनपेक्ट, और विप्रो जैसे कंपनियों के लिए भारी माँग है।

कुछ छात्र परम्परागत आचरण को तोडकर उभर आनेवाले क्षेत्र जैसे, मीडिया, खेलप्रबंध, गैर सरकारी उद्य़म, स्वास्थ्य सुरक्षा, आनलाईन वाणिज्य, विज्ञापन कंपनियाँ जैसे एस एम एस इन्डिया,(पूर्व में सोनी मनोरंजन टीवी), बेट्स १४१, मिलवार्ड ब्राउन, एच टी मीडिया, आउटस्मार्ट 360 और डॉ. हुसाईन सिटी, जैसे वैकल्पिक रूप से बढने वाले कंपनियों की ओर से छात्र आकर्षित होता है। उभर कर आगे बढने वाले भारत की आर्थिकता जैसे अचल संपत्ति, शैक्षिक सेवा और सामाजिक क्षेत्र जैसे एडुनिर्वाण और जनाग्रहा जैसे अनेक संस्थान इस प्रक्रिया में भाग लिया है, जिसे अपने इच्छानुसार इंटेनशिप, संगठन के रूप में छात्र चुने गए हैं।

2011 के ग्रीष्मकालीन स्थानन में 35 कंपनियाँ भागीदार हुए, जो पहली बार कैंपस में आए है, आई आई एम के के शैक्षणिक उत्कृष्टता एवं छात्रों की क्षमता से प्रभावित हुए है। भारत के सबसे प्रमुख, प्रशंसनीय एवं, विश्वसनीय कंपनी पहली बार जब कैंपस के ग्रीष्मकालीन स्थानन में भाग लिया, तो छात्रों की क्षमता एवं गुण से खूब प्रभावित हो गए एवं संस्था को भविष्य में खूब मौका देने का वादा किया, जो इस कंपनी के भर्ति के इतिहास का पहला अनुभव है। सबसे पहले विविध क्षेत्र से कैंपस में आए भर्ति प्राधिकार जैसे टीएएस, गोल्डमान साष,सीएलएसए, सोसाईटी जनरल, आमसोन,आवलोन परामर्श, माक्वरी कैपिटल, याहू, डाबर, आईपीजी ग्रूप, जेडीए, मेन्टर ग्राफिक, ओपीसी एसेट मेनेजमेंट डोन परामर्श, इट्टियम सिस्टम्स, यूएई-विनिमय,और हेर्बस कंपनियाँ, छात्रों की क्षमता को सराह दिया तथा,विदेशी क्षेत्र जैसे हाँगकोंग, लंदन, और दुबाई क्षेत्रों में वरिष्ठ अधिकारी की भीमिका भी प्रदान किया है।

संस्था के अलुमिनी नेटवर्क हर साल तेजी से मजबूत होता जा रहा है, जिसका स्थानन कार्यों में व्यावसायिक क्षेत्र के कुछ अच्छे - से अच्छे कंपनियों की सुनिश्चित भागीदारी लाने में सबसे बडा हाथ है। अन्य बहुत कंपनियों के अलुमिनी ने भर्ति प्राधिकारियों के साथ यात्रा करते हैं, ताकि कंपनी द्वारा चलाए जाने वाले स्थानन कार्य सुचारू रूप से चलाने की प्रक्रिया सुनिश्चित करता है।

ग्रीष्मकालीन स्थानन के लिए क्षेत्रवार ब्रेक- अप

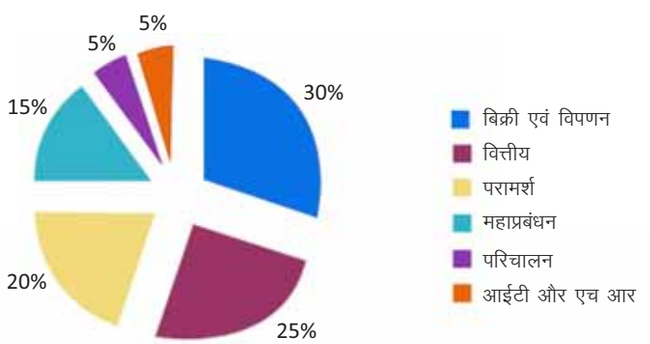

अंतिम स्थानन 2012: उत्थान की जाँच (पीजीपी-14 बैच)

2010-12 के अंतिम स्थानन आई आई एम के ने पूर्ति किया। 135 कंपनियाँ इस स्थानन कार्य में भाग लिया तथा एक बैंच के 317 छात्रों को वित्त, विपणन, परिचालन, परामर्श महाप्रबंध, आईटी,और एच आर क्षेत्र जैसे क्षेत्र में नए अवसर प्रदान किया।

14 वाँ बैच में प्रसिद्ध कंपनियाँ जैसे सुस्तिपूर्ण दबाव से भी आई आई एम के ने ड्यूषे बैंक,नोमौरा, गोल्डमान साष्स आई सी आई सी आई डेलोटी परामर्शदादा, एच यु एल, आई टी सी , कोनिसेंट,अर्विन मेरिटर,इन्जरसोल, रैंड जैसे कंपनियाँ की मदद से भारत के प्रमुख बी-स्कूलों का दर्जा प्राप्त किया है।

कुछ नए कंपनियाँ रोजगार देने से आई आई एम के में पहली बार भर्ती पाए जानेवाले छात्रों की संख्या बढ गयी। इन कंपनियों में से टीएएस, आमसोन, सिग्मा, मारुति सुसुकी, फ्लिपकार्ट, टेक्सास इन्सट्रुमेंट्स, डेल,रिसर्व बैंक ओफ इन्डिया और यू बी ग्रूप

जैसे कंपनियाँ शामिल है।इनमें से बहुत कंपनियाँ छात्रों के प्रस्तुत विषय के संबंध में जो काम का अनुभव है, उसके दौरान वरिष्ठ प्रबंधक की भूमिका तक उसे प्रदान करते हैं।

पी पी ओ फायदा

इस साल के रजत रेखा पर आए स्थानन कार्य पर छात्रों के प्रस्ताविक पी पी ओ फायदे पर महत्वपूर्ण बढावा हुआ है। पिछले साल के १८ पी पी ओ से ५१ पी पी ओ तक छात्रों को कार्यक्षेत्र में प्रदान किया।व्यवसायिक औन्नित्य में पहूँचे कालगेट पामोलिव, पी एंट जी , एच यू एल, आई टी सी, ड्यूषे बैंक,महीन्द्रा एंट महीन्द्रा, एयरटेल,जे पी मोरगन चेस ,सिटी बैंक, स्टान्डेर्ड चाटेर्ड एवं रिलाईन्स इनडस्ट्रीस जैसे कंपनियाँ पी पी ओ के रास्ते पसंद करते हैं।

कार्यक्षेत्रवार प्रस्ताव

वित्तीय

वित्तीय क्षेत्र वैश्विक मंदन के तडपने के कारण भी आई आई एम के ने अपने पोर्टफोलियो पर नए कंपनियों को जोड सका.नियमित भर्ती प्राधिकारियों जैसे ड्यूषे बैंक गोल्डमैन सेष , नौमुरा, सिटी बैंक, एच एस बी सी -जी आर आदि के साथ सोसाईटी जनरल जैसे बहुराष्ट्रीय वित्तीय संस्था भी आई आई एम के के छात्रों को भर्ती करवाते हैं।निक्षेप बैंकों ने वित्तीय विभाग छात्रों को उच्चतम वेतन का प्रस्ताव रखता है।

आर बी आई, आई सी आई सी आई बैंक, येस बैंक,इन्डस वैली पार्टनर , एस बी आई कैप्स, एस बी आई साधारण महा निगम फ्यूचर्स फस्ट, आई सी आर ए जैसे वित्तीय संस्थाओं के समान आई आई एम के के अच्छे - से अच्छे क्षमतायुक्त छात्रों को भारतीय बैंक भी भाडा लेते है।

क्षेत्र द्वारा दिए गए प्रस्ताव की संख्या कंपनी

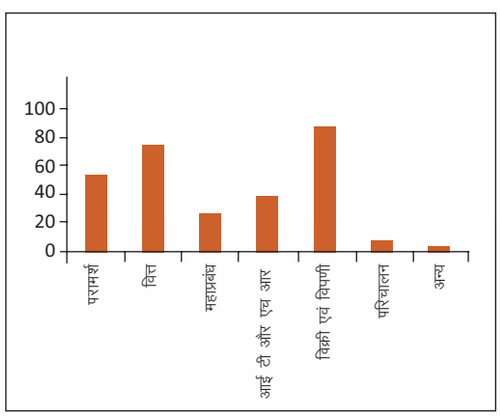

द्वारा दिए गए प्रस्ताव की संख्या

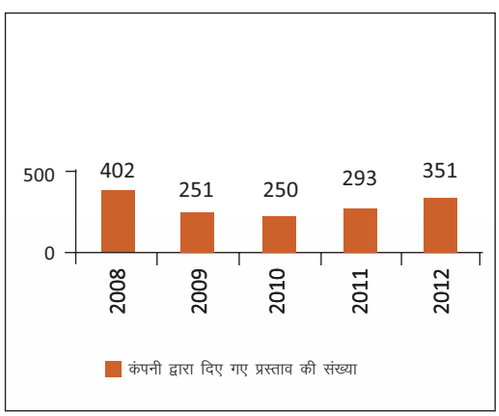

बैक के प्रबंध और निक्षेप

संयुक्त वित्तीय संस्थान, भण्डार तथा रिस्क ने छात्रों को विवध भूमिका प्रदान करते है।

विपणन

आई आई एम के को एक बार और एफएमसीजी और बीटुबी विपणन केन्द्र, विपणन को अनुकूल स्थान घोषित किया है । एक ओर एफ एम सी जी, एचयूएल आईटीसी और एचसीसीबी जैसे कंपनियों का नेतृत्व करते हैं तो 3 एम, ऐशियन पेंट्स, एयरटेल, आईडिया जैसे कंपनियों का नेतृत्व बी २बी तथा विपणन सेवा नेतृत्व क्षेत्र करते हैं।

विपणन सीमा में कब्जा करने वाले कंपनियाँ जैसे फिसर,वीडियोकोन, आरविन मेरिटर,जीएसके फार्मा,डेल, एफईआई कारगो आदि भी स्थानन प्रक्रिया में में भाग लिया है। इन्दसोल रैंड जैसे कंपनी पहली बार आई आई एम के के ४ छात्रों को प्रमुख भूमिका प्रदान किया है।

अन्य आई आई एम की तुलना में हमारी संस्था के ६ छात्रों को टीएएस कंपनी ने पहली बार स्थानन द्वारा भर्ती किया। टीएएस कंपनी के अलावा रिलाईन्स इन्डस्ट्रीस लि. रिलाईन्स एडीएजी, एल एवं टी, महीन्द्रा एंट महीन्द्रा ओलम इन्टरनाशषनल, थामस कुक एवं मनिपाल ग्रूप जैसे कंपनियाँ महाप्रबंधन में मुख्य भूमिका प्रदान करते हैं।

परामर्श के तौर पर मकिनसे,गालप परामर्श पीडब्ल्यूसी डेलोटी, केपीएमजी,कोनिसेंट बिसीनेस परामर्श, विप्रो पारमर्श सेवा,एचएसबीसी परामर्श जैसे कंपनियाँ भी स्थानन कार्य में भागीदार हुए।

आईटी/आई टी ई एस

केपजेमिनी, एचसीएल, एचपी, टीसीएस, विप्रो, मैन्डट्री एवं एरिसेंट जैसे आई टी कंपनियाँ अनेक छात्रों को भर्ती करते हैं। आईटी सेवाओं के साथ उनके द्वारा उत्पन्न कंपनियाँ जैसे फेसबुक,याहू, माईक्रोसोफ्ट जैसे कंपनियाँ भी आई आई एम के के छात्रों के क्षमता पर आकर्षित होते हैं।

ई-कोमर्स

इस वर्ष के दौरान ई-कोमर्स भारत के प्रमुख कार्यक्षेत्र के रूप में उभर आए, जो भारत
में फुटकर लाईन पर बढावा दिखाता है। पहली बार ऐमसोन, ईबे, फ्लिपकार्ट, येबी,कोम,
सिग्मा जैसे प्रमुख ई-कोमर्स की कंपनियाँ आई आई एम के के छात्रों को भर्ती किया है, जो छात्रों को प्रतीक्षा देने के साथ-साथ मंद आर्थिक स्थिति में आशावाद का किरण प्रकट होता है।

परिचालन

आई आई के के छात्र को भर्ती कराने वाले व्यानसायिक क्षेत्र के बडे-बडे कंपनियों में परिचालन क्षेत्र भी शामिल है। पी एंट जी, एयरटेल, एशियन पेंट्स, टाटा मोटोर्स और आमसोन जैसे कंपनियाँ छात्रों को सप्लैचेन मेनेजमेंट, प्रोक्यूरमेंट, लोजिस्टिक्स, तथा सरवीस डेलिवरी जैसे क्षेत्रों में भूमिका अदा करता है।

रणनीति एवं सहयोग

बहुत अधिक वरिष्ठ पार्श्विक रेखाचित्र मध्यमिक पूँजीगत कंपनियाँ एवं एसएमईएस प्रदान करते हैं। मुख्य रणनीति अधिकारी की भूमिका, सीईओ के कार्यकारी सहायक, और उससे मिले जुले नेतृत्व देने वाले पद जैसे भूमिका प्रदान करने वाले कंपनियाँ आई आई एम के के छात्रों को बढाने का अवसर देते हैं, जिससे छात्रों को अपने संगठन का उच्चतम अवस्था में ले जाते हैं।

निगमित बात

वृत्तिक रूप से चलाने वाले भर्ति प्रक्रिया खूब सराहनीय है। यह सही दिशा में आयोजित तथा समन्वित किया गया है। इसमें विलंब औप इन्तजार की जरूरत नहीं है। स्थानन प्राधिकारी टीम सहयोगी तथा समझदार है। कैंपस से हमें अच्छे मैके प्राप्त हुआ है। - मथुरा एफ और एल

संरंभ

अपने सपना साकार करने के दौरान बहुत छात्र खेलकूद, वैश्विक पर्यावरण, जैसे कार्यों को बिना उपयोगित किए स्थानों में जाँच-परखकर नए संरंभ शुरू करने का निर्णय कुछ छात्रों ने किया है। आई आई एम के छात्रों ने बडे-बडे कंपनियों में इस प्रकार के परीक्षण शुरु होने के लिए तैय्यार है।

निगमित बात

उत्कृष्ट गुण से युक्त छात्रों के साथ वहाँ के कार्यक्रम से हमें आई आई एम कोषिक्कोड से बहुत अच्छे अनुभव प्राप्त हुआ है। निश्चित समय के अन्तर्गत छात्रों को अपना निर्णय प्रस्तुत करने के लिए कोई उन्नत दबाव नहीं रहा है, यह देखकर हमें बहुत खुशी हुई। मुझे एक छात्र से बातें करने का मौका मिलने के साथ नेतृत्व टीम को अन्य छात्रो से भी बातचीत करने का मौका मिला है। अन्त में मैं इस बात पर आत्मविश्वास से कह रही बूँ कि यद्यपि हम एस बी ए कार्यक्रम भाडे पर लिया है, भिर भी अगली बार हमारे सदस्यों की संख्या बढाऐंगे- आईडिया सेल्लूलार

अलुमिनी नेटवर्क

संस्था की अलिमिनी साल में स्थानन कार्यक्रम में सबसे अच्छे कंपनियों को भागीदार बनाने का प्रमुख भूमिका निभाता है।कई अलुमिनी के उम्मीदवारों को प्रमुख कंपनियों में वरिष्ठ भूमिका का पद प्राप्त होने से वैय्यक्तिक रूप से खूद के कंपनी को लेकर आई आई एम कोषिक्कोड में कैंपस के स्थानन के भर्ति कार्यक्रम में खूब मदद करते हैं।

एस एम ई लाभ

आई आई एम के ने बढनी एस एम ई का भी उपयोग किया है, जिन्होंने अपनी विपणी को विस्तृत करने की कोशिश करते आ रहे हैं।जैसे एवीटी उपभोक्ता के उत्पाद्य, आरबिट्रोम और सनटेक जैसे भर्ति-प्राधिकार छात्रों को अपनी विपणन क्षेत्र तथा सहयोगी रणनीति क्षेत्र में भर्ति किया है।विपणन एवं परिचालन क्षेत्र में भी अन्तर्राष्ट्रीय तौर पर नए कंपनियों के प्रस्ताव मिला है। आई आई एम कोषिक्कोड संस्था के लिए कई बार नए भर्ति- प्राधिकार आए है। वैश्विक पर्यावरण, लैब उपभोक्ता सुधार 24 *4, विनिमय, वी 2 सोवल्यूशन प्राई. लि., स्लिंग इन्फोटेक,आरबिट्रोन आदि कंपनियाँ सेस्था में स्थानन कार्यक्रम में भाग लिया है।

निगमित बात

संस्था द्वारा कार्यक्रम आयोजित करने से और यहाँ के छात्रों की क्षमता और गुण से हम पूर्ण रूप से संतृप्त है। -टाटा मोटोर्स

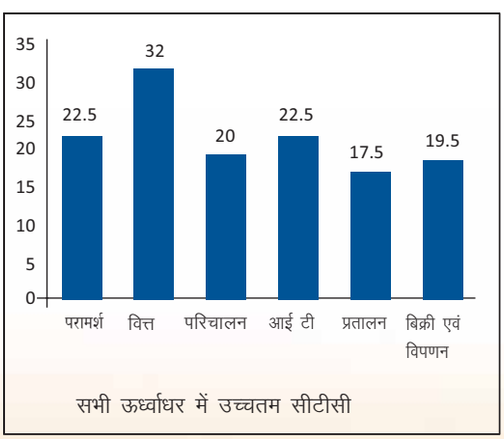

सभी ऊर्ध्वाधर में उच्चतम सीटीसी

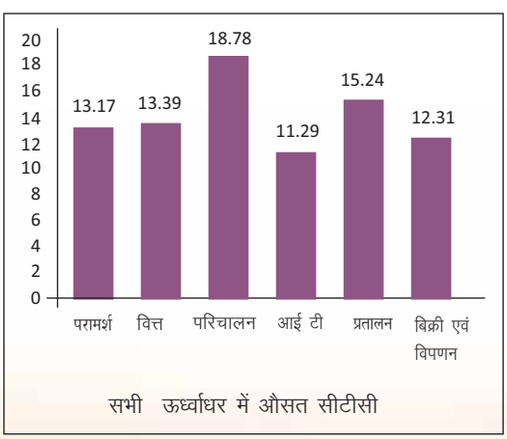

सभी ऊर्ध्वाधर में औसत सीटीसी

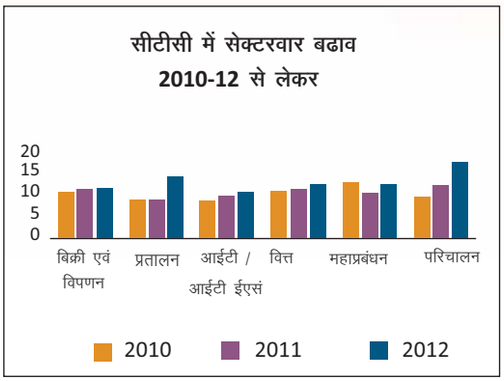

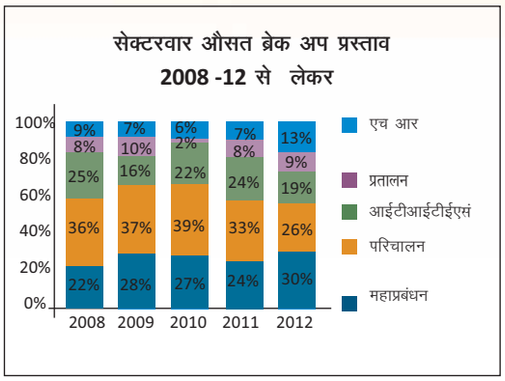

अंतिम स्थानन 2012 - प्रमुख आँकडे	
भाग लिए कंपनियों की कुल संख्या	135
छात्रों की कुल संख्या	317
किए गए प्रस्तावों की कुल संख्या	351
उच्चतन घरेलू वेतन	रु 32 लाख
पूर्व स्थानन प्रस्ताव /पूर्व स्थानन के भेंटवार्ता की कुल संख्या	51
स्वीकार किए पूर्व स्थानन प्रस्ताव की कुल संख्या	37
बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा प्रस्तावित औसत वेतन	रु 14.05 लाख
भारतीय कंपनियों द्वारा प्रस्तावित औसत वेतन	रु 11.14 लाख
महिला छात्रों के लिए औसत वेतन	रु 13.18 लाख
पुरुष छात्रों के लिए औसत वेतन	रु 12.48 लाख
अ.पि. वर्ग के छात्रों के लिए औसत वेतन	रु 12.12 लाख
अ.ज/अ.ज.जा. छात्रों के लिए औसत वेतन	रु 9.83 लाख
बहुराष्ट्रीय कंपनियों में सम्मिलित छात्रों की	53.6
भारतीय कंपनियों में सम्मिलित छात्रों की	46.4
खुद की कंपनी शुरू किए छात्रों की[२]	0

अलुमिनी

आई आई एम के और पूर्व छात्रों के बीच संबंध बनाऐ रखने के लिए अलुमिनी समिती मदद करता है। कार्यकारी अमुमिनी समिति के साथ समिति ने आई आई एम के को विश्वस्त्र के प्रबंध संस्था बनाने तथा अलुमिनी के साथ मजबूत संबंध रखने के लिए प्रेरणा देती है।

संस्था के प्रवेश/ चुनौती प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने वाले अलुमिनी छात्रों की चुनाव में व्यावसायिक दृष्टिकोण रखते हैं।छात्रों को व्यावसायिक दृष्टिकोण लाने के लिए भी अलुमिनी मदद करते हैं।

आई आई एम के के अलुमिनी पुनसंगठन -नोस्टाल्जिया, हर साल में जनवरी में होता है।इस साल में कैंपस में जनवरी 14-15 में हुआ है।

संगम-नए अलुमिनी छात्रों के मुलाकात राज्य के सात राज्यों में, दिल्ली, मुम्बाई, कोलकत्ता, चेन्नाई, बैंगलूर और हैदराबाद आदि राज्यों में मई 26 2012 को आयोजित किया है, जिससे पूरे आई आई एम के अलुमिनी के साथ भाईचारा कायम रख सकते हैं।

कोन्नेक्ट, आई आई एस के स्थानन समिति और अलुमिती के मुलाकात फरवरी - मार्च महीने में दिल्ली, मुम्बाई, बैंगलूर जैसे राज्यों में आयोजित किया गया है। पीजीपी -1 से पीजीपी -11, ईपीजीपी और आपी एम पी को भी मुलाकात के लिए न्योता दिया गया है। इस मुलाकात का मकसत यह है कि संस्था और अलुमिनी के बीच दृढ संबंध कायम रखना, जो स्थानन के लिए मदद मिलेगा।

छात्र गतिविधियाँ

1. वर्ष 2011-12 में आई आई एम के में एच आर सम्मेलन चलाया गया। व्यावसायि क क्षेत्र एवं सेवा क्षेत्र के महान नेताओं ने भी भाग ली ।

2. छात्रों के शानदार मारेथान कार्यकारी समिति ने कालिकट मिनी मारथान चलाया।

3. बैकवाटेर्स, (वार्षिक राष्ट्रीय प्रबंधन समारोह) होरिसोन (वार्षिक नेतृत्व गुप्त सभा) और इक्कोस, (वार्षिक साँस्कृतिक समारोह) चलाये।

4. डॉक्टर शशी तरूर, ग्रंथकार, यूएन शान्तिदूत,रफ्यूजियों के लिए तथा मानवाधिकारियों के सक्रियावादी, पूर्व विदेशकार्य मंत्री, जो अब भारत के संसद में सदस्य चुनाया गया है, मिं.सुब्रता राय, प्रबंध निदेशक एवं अध्यक्ष, सहारा इंडिया परिवार, मिं इ.नन्दकुमार कार्यकारी निदेशक, बी पी सी एल-कोच्ची रिफाईनरी लिमिटेट,और मि.रोय आडिंटन चार्लस, परामर्शदादा और प्रशिक्षक, अध्यक्ष एवं विश्वसनीय मंत्री और सहायक गण आदि आई आई एस के में संदर्शन किया तथा छात्रों से आपस में बातचीत किया।

5. आई आई एम के टीम में दूसरे साल के 3 छात्र भी रहे हैं, जिन्होंने पारिस के सोसाईटी जनरल द्वारा संगठित नागरिक अधिनियम के मौके पर प्रथम स्थान पाया है। इस प्रतियोगिता में विश्वभर से 800 से अधिक टीम भाग लिया है।पहली बार भारतीय उप-महाद्वीप से एक टीम इस प्रकार के प्रतियोगिता में भाग लेकर विजयी हो गया है।

6. सर रतन टाटा ट्रस्ट के सर रतन टाटा के नाम के छात्रवृत्ति हमारा संस्था के दूसरे साल के पाँच छात्रों ने प्राप्त किया है।

अनुसंधान एवं प्रकाशन

पत्रिका में लेख	22
आगामी पत्रलेखन	10
किताब अध्याय	10
किताब	2
प्रकाशित किताब	1
मामला अध्ययन	4
सम्मेलन कार्यवाही/प्रस्तुतीकरण	42

आगामी सम्मेलन पत्र	(16)
सत्र पद	(15)
आमंत्रित व्याख्यान/कार्शाला/संगोष्ठियाँ	(12)
आमंत्रित व्याख्यान/कार्शाला/संगोष्ठियाँ	(1)
कार्य पत्र	(27)
2011-12 में पूरा किया गया लघु अमुसंधान कार्य एवं परियोजनाऐं	(12)
2011-12 में की जा रही लघु अनुसंधान कार्य एवं परियोजनाऐं	(15)
अनुसंधान संगोष्ठियाँ	(12)
फेलोशिप/पुरस्कार/ सम्मान	
संपादकीय मंडल की सदस्यता	
समीक्षा/निर्देशी	
आगामी सम्मेलन /अभिसमय	

पत्रिका के लेख 22

1. आनंद, जी,कोडाली,आर और कुमार बी एस (2011) व्यवस्थापित आसान निर्माण पद्धति युक्त डिसाईन द्वारा व्यवस्थापित पद्धति के चुनाव के दौरान विश्लेषणात्मक नेट वर्क कार्यक्रम का विकास। प्रबंध अनुसंधान के अग्रिम के बारे में पत्रिका, 8 (1): 123-147

2. अब्ली, एन और बुई, टी (2012) ओनलाईन शोप्पिंग में प्रभावित सामाजिक सबूत में प्रयोजन : डिजिटल सूक्ष्म उत्पाद्य वस्तु पर इलक्ट्रोनिक शब्द मार्ग का प्रभाव । इलक्ट्रोनिक व्यापार के बारे में अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका, 16(2) 91-114

3. आनंद, जी, कोडाली, आर (2012) उत्पादन पद्धति को आगे बढाने की प्रणाली को चुनने के मुख्य विश्लेषणात्मक पद्धति का प्रयोग, प्रबंध में नमूना बनाने के बारे में पत्रिका, 7(1): 97-121.

4. आनंद जी, कोडाली, आर और धनेकुला, सी एस (2012) व्यवस्थापित आसान निर्माण पद्धति युक्त डिसाईन द्वारा व्यवस्थापित पद्धति के चुनाव के दौरान विश्लेषणात्मक नेट वर्क कार्यक्रम का विक 12(1): 35–66.

5. अनिता वी.एस और सेबास्ट्यन एम पी (2011) मोबाईल अड हाक नेटवर्क के, सेट के आधार पर प्रभावशाली, वितरण किए, इकट्ठे किए अनुकूलित अलगोरितम। आई ई टी विनिमय 5(13)1836-1853

6. बहनिपति, बी.के और देशमुख एस जी (2011) अर्धचालको के व्यवसाय में क्षेत्रीय सहयोग। आपूर्ति श्रृंखला संबंध के लिए निर्णायक ढाँचा। कंप्यूटर्स और व्यावसायिक अभ्यंता।

8. बहनिपति, बी.के और देशमुख एस जी (2011)अर्धचालको के व्यवसाय में आपूर्ति श्रृंखला में व्यावसायिक रूपांतरण के मुख्य मुद्दें तथा मौलिकता-समीक्षा एवं असलियत।व्यावसायिक असलियत एवं रूपान्तरण के अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका। 4(1) 23-33।

9. गाँधी पी वी, मूर्ति सेड,वी पी और पति आर के (2011) शब्दलहरों पर आधआरित क्रिस्टलाईसेषन से सिरोलियम के नानो -क्रिस्टलस के अनुकूलन पैरामीटर्स कार्यक्रम द्वारा टैगुशी रोबस्ट रूपरेखा प्रणाली काविकास। क्रिस्टल अनुसंधान तकनीकी, 1-20/डी ओ आई १०.१००२/क्राट. 201100329।

10. गुप्ता एम. ए, कुमार आर और उपाध्यायुला आर एस (2011) सफलता प्राप्ति-प्रभावशाली तत्वों पर विचार, प्रबंधन प्रक्रिया पर अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका।

11. जोसफ जे और शिवकुमारन बी (2011) भारतीय विपणन में उपभोग पदोन्नति। अन्तर्राष्ट्रीय उपभोग विपणन पर लेख 23 (2) 151-165

12. कृष्णन , टी.एन (2011) मनोवैज्ञानिक संबंध द्वारा भारतीय संगठन के कर्मचारी संबंध का जान पहचान। कर्मचारी संबंध (एमराल्ड ग्रूप पब्लिशिंग लिमिटट), 33(5) 551-569

13. कृष्णन , टी.एन (2011) पेशा प्रणाली में विभिन्नता। कर्मचारी प्रवृत्ती मूल्य की भूमिका। व्यावसायिक संबंध में भारतीय पत्रिका। 47(4) 685-699

14. कृष्णन, टी.एन और महेश्वरी एस के. (2011) पेशा प्रणाली के पुनरचिन्तन, दशा और दिशा। अन्तर्राष्ट्रीय पेशा विकास 16(7) 1362-0436

15. कुमार एम, सिंह एस (2011) नेता - सदस्य विनिमंय एवं पहचाने गए संगठन नीति-एक विश्वसनीय तहकीकात। व्यावसायिक संबंध में भारतीय पत्रिका। 47(2) 277-289

16. कुमार एम, और सिंह एस (2011) जाँच किए विनिमय गुण तथा कुल बिक्री के लक्ष्य के बारे में प्रवचन और संगठनायुक्त पहचान आई आई एम बी , प्रबंधन समीक्षा 24 5-15

17 मित्रा एस और तोर्पे एम डब्ल्यू (2011) दुबाई के आगमन-निगम के और लाजिस्टिक क्षेत्र के विकास । वैश्विक व्यापार एवं आर्थिक संग्रह 2(2) 342-353.

18. नायर एस आर. और ईप्पन एल एम (2011) तत्कालीन समय में गेहूँ का बढता दान, कारण, पाठ और नए दिशा, आर्थिक एवं राजनीतिक साप्ताहिकी, (36) 58-65

19. पूरकायस्ता एस, मनलोवा टी और एडलमेन एल (2012) विकसिक तथा उभरने वाले विपणी के संदर्भ में विभिन्नता एवं क्षमता। साहित्य की समीक्षा। प्रबंध समीक्षा पर अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका। 14(18-38)

20. राजू सी. और रघूत्तम ए एच (2011) निम्न औसत कुल जाँच (एटीआई) श्रृखला नमूना आयोग सी एच एस पी - 1. अध्ययन और विश्लेषण 1(4) 383-92.

21. सजीव जी.पी और सेबास्ट्यन एम पी (2011) वेब केश के लिए विभाजन रूपरेखा से युक्त उपन्यास उभरते प्रणाली 2(2) 101-108

22. भारत के युवाओं को शहरीकरण करना ।क्या वह लक्ष्य की ओर है भारतीय परिवेश में नियंत्रित बिंदुकेन्द्रित सवालों के मूल्य का अध्ययन।विपणन एवं न्यायशास्त्र के बारे में ऐशियायी पसफिक पत्रिका 24(3)।

आगामी लेखन पत्रिका

1. अब्दुल्ला, एम एस (2012). अतिव्याप्त न्यायस्तर से साथ अनेक न्यायस्तर का निर्माण निर्णय। आई आई एम बी प्रबंध समीक्षा सितंबर 2012।

2. आनन्द जी और बहनिपति बी के (2012) आपूर्ति श्रृखला में गहरा समतल संयोग का मापदण्ड। सैद्धान्तिक मूल्यामकन की रूपरेखा। उत्पादन निर्माण डी ओ ई 10.1080/09537287.2011.642164.

3. बहनिपति बी. के और देशमुख एस जी (2012) आपूर्ति नेट वर्क के अर्धचालक व्यवसाय में पार्श्विक संयोग के वैचारिक ढाँचा।प्रबंध एवं संरंभ विकास के बारे में अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका।

4. बहनिपति बी. के.और देशमुख एस जी. (2014) आपूर्ति नेटवर्क के अर्धचालक व्यवसाय में पारश्विक संयोग - प्रामाणिक दृष्टिकोण। सूचना प्रणाली एवं आपूर्ति श्रृखला प्रबंघ एवं सूचना प्रणाली के अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका।, 7(2)

5. डे. एस. और नायर एस आर (2012) अनियमित राज्य स्तर के उधार - दाम - भारतीय कार्यानुभव ऐशियाई व्यासायिक अध्ययन

6. हलीम, ए, और सेबास्ट्यन एम पी (2012) डेटा निर्माण में ऊर्जसंरक्षण के गतिविधी और असामान्य संसाधन नेटवर्क में विश्वसनीय डेटा विनिमय. ज्ञान और सूचना प्रणाली।

7. झरकारिया एस. (2012) लीन एवं अधिग्रहण में आपूर्ति श्रृखला मुद्दा - भारतीय व्योमयान व्यवसाय का मामला। व्योमयान प्रबंध में अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका।

8. कृष्णन टी. एन (2012) भारत में तकनीकी दूरस्थ शिक्षा माध्यम द्वारा कार्यकारी प्रबंद शिक्षा के जाँच-परख का अध्ययन। व्यावसायिक एवं वाणिज्य प्रशिक्षण। जुलै/ अगस्त

9. शुक्ला एन और झरकारिया एस (2013) नवीन आपूर्ति श्रृखला प्रबंध साहित्यिक समीक्षा। परिचालन एवं उत्पादन प्रबंध पर अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका, 33(2)

10. तंगमणी, जी (2012) भरोसेमंद लूब ओयल प्रणाली के साधारण प्रणाली के लिए जनरलाईस्ड स्टोकास्टिक पेट्री। कंप्यूटेषनल एवं प्रयुक्त गणित पर अमरिकी पत्रिका।, अगस्त

पुस्तक के अध्याय

1. अनिती वी.एस और सेबास्ट्यन एम पी (2012) मोबाईल एड हाक नेटवर्क में बहु उपयोगी डी-एस आधारित झुंड का निर्माण एवं प्रबंध। इस्माईल खलील और एडगार ईर विप्पिल (ईडीएस) -मोबाईल बहु माध्यमिक विनिमय एवं प्रयोगः नए तकनीकी आई जी आई भैगोल

2. बहिनिपति, बी के (2011) आपूर्ति श्रृखला संयोग के लिए बहुआयाम से युक्त संरचना। समतल संबंध में परिवर्तन. आर.पी मोहन्ती और एस जी देशमुख (ई डी एस) आपूर्ति श्रृखला प्रबंधन में पुस्तिका। प्रथम प्रकाशन, पृ. सं. 208-234 एक्सल बुक्स नई दिल्ली।

3. गुहतकुर्ता के बानर्जी एस और डान पी के (2012) रणनैतिक निर्णय पर बिजली घर के वक्र प्रणाली के तौर पर बिजली की ऊपर नीचे होने की स्थिति । प्रबंध के लिए चाउस एंड सांप्लक्सिटी सिद्धान्त -प्रकाशित अंक के रूप में। वक्र प्रणाली. आई जी आई ग्लोबल 701 ई यू एस ए।

4. गुहताकुर्ता के, भट्टाचार्या एस एन ,बानर्जी एस और भट्टाचार्या बी (2012) माल एवं वस्तु के वक्र प्रणाली के संबंध पर जाँच, उभर एवं विकसित विपणन के तौर पर। प्रबंध के लिए चाउस एंड सांप्लक्सिटी सिद्धान्त -प्रकाशित अंक के रूप में। वक्र प्रणाली. आई जी आई ग्लोबल 701 ई यू एस ए।

5. हालीम ए और सेबास्ट्यन एम पी (2011) अस्वाभाविक संसाधन नेटवर्क में सुरक्षित संदेश के सर्वशुभ संसाधन उपभोग। इस्माईल खलील एवं एडगर आर विद्धीय (ई डी एस) मोबाईल के बहुमाध्यामिक विनिमय एवं प्रयोग में सुधारः न्यू तकनीकी वैखिक आई जी आई ।

6. लिंगरास पी बालचंद्रा,पी बुट्स सी और अशरफ एस. (2011) खुरदरा सहायक क्षेत्र, विभाजन, पश्चगमन, क्लस्चरिंगएन्ड्रस। स्कोरो (वारसो विष्वविद्यालय, पेलंद)और बगन्यूसुराज (रेससो विश्वविद्यालय, पोलंड), क्रमबद्ध विशेष अंकः बुद्धिमान प्रणाली, यह व्याख्यान कंप्यूटर विज्ञान के सर्वश्रेष्ठ प्रो. सिसलाक पोलोक, स्प्रिंगर को समर्पित करता है।

7. पिल्लै एम और सेबेस्ट्यन एम पी (2011) विभिन्न मोबाईल एडहाक नेटवर्क में प्रयुक्त बढते ऊर्जा क्षमता।इसमयिल खलील और एगार आर विप्पिल (इडीएस) मोबाईल बहुमाध्यमिक विनिमय एवं प्रयोग, नए तकनीकी,आई जी आई वैश्विक।

8. सजीव जी पी और सेबेस्ट्यन एम पी (2011) वेब केश प्रणाली के मूल्यांकन के लिए अवैध व्यापार के विशेषताओं का विश्लेषण। उभरते संगठन के लिए वेब इन्जिनीयेड आवेदन पत्रय़ उभरने वाले ज्ञान आई जी आई वैश्विक।

9. सेढी डी (2012) इकट्टे हुए पागलपन लोगों के प्रति विदूर दृश्य। थामस हार्डी के पागलपन लोगों के प्रति विदूर दृश्य का गंभीर परियट मिला।, रामा ब्रदेर्स भारत प्राई. लि.

10. सुमित एम और तोर्पे एम (2012) दुबाई में यातयात एवं तर्कशास्त्र । उच्चतम हाजी आपूर्ति एवंवितरण प्रबंध मुद्दे एवं सिद्धान्तं आई जी आई वैश्विक ।

किताबें (1)

1. चाटर्जी डी. (2012) असमय नेतृत्वः भगवत गीता के 18 नेतृत्व सूत्र विल्ली 1 ईडी. 234 पी
2. चाटर्जी डी. (2012) निंगलिले अन्निये ज्वलिप्पिक्कुका- डीसी बुक्स।

प्रकाशित किताबें (1)

1. थामस जे . सेबास्ट्यन एम पी और अषरफ सूचना प्राद्योगिकी और व्यावसायिक सुधार
-चुनौति एवं भविष्य दिशा। नई दिल्ली , माकमिलियन।

मामला अध्यन (4)

1. दयानिधी डी और गोपिनाथ एस (2012) विब्रम -पाँच ऊँगलियाँ - नील सीगर रणनीति आई आई एम के /सी एस 28/एस टी आर/2012/01

2. रामचंद्रन एल एल पिल्लै आर आर,और सेबास्ट्यन एम पी (2012) बीपीसीएल कोच्ची रिफायिनरी में आई टी के प्रयोग।आई टी स्थानान्तरण द्वारा उत्कृष्ट परिचालन के नए रेखा चित्र।आई आई एम के /सी एस 27/आई टी/ 2012/01

3. थामस जे अरोरा ए पी और गुप्ता आर के (2011) बल्लारपूर व्यवसायिक लि.अस्तव्यस्त पर्यावरण में पंक्तिबद्ध विपणन रणनीति । मरकत उभरने वाले विपणन - मामला अध्ययन का संचय, सितंबर

4. वेलायुधन, एस के सुन्दरम एम आर और तुलसी राज आर डी (2011) अरविंद आँख रक्षा प्रणाली- आँचलिक आबादी को प्रदान करने वाले कूल आँक संरक्षण।

सम्मेलन कार्यवाही। प्रस्तुतीकरण (42)

1. आनंद, जी, कोडाली, आर और चिमकुर्ती वी एम (2011) आसान निर्माण तरीके के नमूने के लिए सी एन सी के लंब रूपी मशीन केन्द्र की चुनौती - मामला अध्ययन। आसान प्रबंध प्रणाली (आई आई एम के जी एल ओ जी आई टी) विषय पर ग्यारहवाँ वैश्विक सममेलन भारतीय प्रबंध संस्थान, कोषिक्कोड केरला, भारत, दिसंबर - 9-12

2. बालसुब्रहमण्यम एस- काइपा पी और अखियेष के बी 2011। रणनैतिक नवीनता पर आसान वित्तीय क्षेत्र का प्रभावः साहित्यक समीक्षा के प्रथम मूल्यांकन। आसान प्रबंध प्रणाली (आई आई एम के जी एल ओ जी आई टी) विषय पर ग्यारहवाँ वैश्विक सममेलन भारतीय प्रबंध संस्थान, कोषिक्कोड।

3. बलूनी के (2011) नीतिपरक संरचनाकार्य, अवरोध संरचना और ऐशिया में सागवान निक्षेप की सीमा रेखा आदि पर विश्लेषण। सागवान पौधो को लगाने का अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन वैश्विक रूप से उभरने वाले वन संसाधन, खाद्य एवं कृषि वैज्ञानिक संगठन, संयुक्त राष्ट्र, सानजोस कोस्टारिका, अक्तूबर 31- Nov. 2.

4. बलूनी के (2011) घटने वाले स्थानीय सागवान व्यवसाय भारत में एतिहासिक काठ विपणी के बारे में मामला अध्ययन। सागवान पौधो को लगाने का अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन वैश्विक रूप से उभरने वाले वन संसाधन, खाद्य एवं कृषि वैज्ञानिक संगठन, संयुक्त राष्ट्र, सानजोस कोस्टारिका, अक्तूबर 31- Nov. 2.

5. वसंत आर, चन्द्रा पी, और उपाध्यायुथा आर एस (2011) भारतीय आई टी क्षेत्र में क्षमता निर्माण एवं ज्ञान का बहावः क्लस्टर एवं नोन-क्लस्टर क्षेत्र के संतुलनात्मक विश्लेषण। अनेक विषयों के ढेर; जैसे तकनीकी, क्लस्टेर्स, और नेटवर्क आदि के ज्ञानात्मक सभा के VI वार्षिक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

6. भावे एम पी (2012) स्थाई भविष्य के लिए सुधार। का प्रोत्साहन। यु एस और भारत के बीच उर्ज की भागीदारी समिट 2012, टेरी और येल विश्वविद्यालय वाभिंग टन, डी सी, अप्रैल-24-25.

7. चन्द्रशेखर ए और आनंद जी (2011) गहरे चिन्तन के दौरान सोफ्ट वेयर विकास कार्यक्रम के पुनः अभियांत्रिक काम- मामला अध्ययन सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली एवं प्रबंध (आई टी एस एम-2011) विषय पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन कार्यक्रम। भारतीय प्रबंध संस्थान कोषिक्कोड, केरला, भारत, दिसंबर - 17-18.

8. चाटर्जी, डी, कृष्णन टी एन और टंडन, ए (2011) सामाजिक उद्यम को संभालनाः पलाश आई होस्पिटल। उत्तर अमारिका मामला अनुसधान संगठन (एन ए सी आर ए), एन ए सी आर ए सात अन्टोणिया, टेक्सास, यु एस, अक्तूबर 13-15.

9 . चावला वी और गुडा एस (2011) काम में वैयक्तिक आध्यात्मिकता और विक्रय विशेषताओं के संबंध से जुडाना।अग्रणी विक्रेताओं के बारे में अध्ययन। विपणन विज्ञान के शिक्षा संस्थान के दूसरे द्वैवार्षिक (ए एम एस) और विश्व विपणन में डाक्टरों के असोसिएशन।जुवै 19-23.

10. धुरकारी आर के और स्वआईन ए के (2011) वहु-लाक्षणिक लाभ- हानी, संदर्भाश्रित वहु - लाक्षणिक स्थान एवं चुनाव के लिए नए तरीके।नमूने की अग्रिमता, आशावाद, और कंप्यूटिंग पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन। आई आई टी रूरके दिसंवर 5-7.

11. गंगोपाध्याय के (2011) भारतीय शहर की कहानियाँ। आर्थिक - भौतिक शास्त्र, रूरकेला-१ नीयाशेल महविद्यालया, रूरकेला, सितंवर 17-18.

12. जॉर्ज वी, सेवास्ट्यन, एम पी (2011): सुरक्षित आँचालिक मदयात क्षेत्र का प्रयोगः चुनौतियाँ एवं मौका सूचना प्राद्योगिकी, प्रणाली एवं प्रवंध (आई टी एस एम 2011) पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आई आई एम कोपिक्कोड, दिसंवर - 17-18.

13. झरकारिया एस (2011) ई आर पी प्रयोग पर आन्तरिक संवध के दौरान खरावी तत्व। आई एस एम के आधार पर विश्लेषण। आग्रिम प्रवंध विज्ञान पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, कोलालंपूर, मलेशिया, नवंवर- 14-16.

14. झरकारिया एस. (2011) भारतीय उद्योगों में विशेष आईटी . एस सी एम । तहकीकात। सुधार एवं विनिमय तकनीकी पर सूचना एवं विनिमय तकनीकी (एन सी आई आई ई आई टी) में दूसरा र्राष्ट्रीय सम्मेलन। महामाया तकनीकी विश्वविद्यालय, नोयिडा, भरत, मई 14-15.

15. झरकारिया एस. (2011) मिलावट एवं प्रगति के आपूर्ति श्रृखला मुद्दे। भारतीय संदर्भ म।सुधार एवं प्रबंध विषय में र्राष्ट्रीय सम्मेलन। कुलालंपूर मलेशिय जुला 12-15.

16. जोसेफ जे (2011) क्या आप संगीत से प्रभावित है।उत्पाद्य चुनौति पर भंडार अन्तरीक्ष प्रभाव।ग्रेट लेक्स एन ए एस अन। अन्तर्राष्ट्रीय विपणन सम्मेलन 2011 दिस्वर 29-30.

17. जोश्वा आर और पिल्लै आर आर (2011) सूचना प्रणाली, उद्यम प्रणाली के प्रभाव के संचालकों का वर्गीकरण। सूचना प्राद्योगिकी प्रणाली एवं प्रबंध पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आई टी एस एम 2011) भारतीय प्रबंध संस्थान कोपिक्कोड, केरला, दिसंवर - 17-18

18. कार्तिक, डी, और उपध्यायुला, आर एस (2011) वृत्तिक सेवा क्षेत्र में शामिल हुए भिन्न क्षमता। सहक्रियात्मकता की भूमिका भारतीय शैक्षाणिक प्रबंध सम्मेलन, आई आई एम बी, बैंगलूर दिसंबर - 18-20

19. कोहिल आर (2011) भारत में कंपनियों के धन प्राप्ति पर मुनाफा प्रस्ताव का प्रभाव। भारतीय वित्तीय सम्मेलन, भारतीय प्रबंध संस्थान, बैंगलर दिसंबर

20. कृष्णदास एन आर पिल्लै आर आर (2011) ग्रीन आई टी प्रायोगिकता के मूल्यांकन के लिए नमूना। अन्तर्राष्ट्रीय सूचना प्राद्योगिकी, प्रणाली एवं प्रबंध पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आई टी एस एम 2011) भारतीय प्रबंध संस्थान, कोषिक्कोड केरला, दिसंबर 17-18

21. कृष्णदास एन और पिल्लै आर आर (2011) क्लौड कंप्यूटिंग विश्लेषण पर दाम-मुनाफा का नमूना सूचना प्राद्योगिकी, प्रणाली एवं प्रबंध पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आई टी एस एम 2011) भारतीय प्रबंध संस्थान, कोषिक्कोड केरला, दिसंबर 17-18

22. कृष्णदास एन और पिल्लै आर आर (2011) भारत मे ग्रीन आई टी प्रायोगिकताः साँस्कृतिक दृष्टिकोण। प्रबंध अनुसंधान पर छात्रों के ग्यारहवाँ सभा।

23. जोसेफ जे (2011) ग्रीन प्रबंध प्रणीला पर ग्यारहवाँ वैश्विक सम्मेलन (अई आई एम के-जी एल ओ जी आई एफ टी-2011) भारतीय प्रबंध संस्थान कोषिक्कोड, केरला, दिसंबर - 9-12

24. जोसेफ जे (2011)। ग्रिड कंप्यूटिंग वस्तुकला का नमूनाः ग्रीन कंप्यूटिंग पर मामला अध्ययन एक ए एस, फारम, 2011, लास वेगास, नेषादा, यू एस ए, अपैल - 4-7

25. कुमार एम और सिंह एस (2011) यंत्र संबधी सामाजिक विनिमय और संगठनात्मक जाँच जिसका उद्येश्य प्राप्ति के भविष्यवाणी के अनुसार हो। दूसरे, भारतीय शैक्षिक प्रबंध सम्मेलन, आई आई एम बी, बैंगलूर, दिसंबर- 18-20

26. लाढा के.के. और मिल्लर जी जे (2011) विरोधाभास युक्त विना धारणा के लोक सूचना। राजनीतिक निर्णय पर खेल सिद्धान्त का प्रयोग। लोक उद्यम संस्था, केन्द्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान, हाइदराबाद विश्वविद्यालय और श्री आर राऊ, गणित अग्रिम संस्था, संख्यिकी एवं कंप्यूटर विज्ञान, होटल मरिओट और सम्मेलन केन्द्र हाईदराबाद, दिसंबर - 12-13

27. लाढा के.के. और सेन पी. के (2011) सहकरण प्रशासन पर अरस्तु के राजनीतिः साधारण सामान के तौर पर मध्यपश्चिम राजनीतिक विज्ञान सहयोग सभा-चिकागो, यु एस ए, अपैल

28. लाढ़ा एल एस और मेनोन, बी (2011) व्यावसायिक वित्त द्वारा प्रतियोगिता लाभ के लिए सुधार प्रक्रिया। वैश्विक प्रतियोगिताओं के लिए रणनीतिक सुधार विषय पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन। आर वी आई एम, बैंग्लूर।

29. मजूँदार पी, मोहपत्रा, ए, आनंद जी और बहानिपती बी के (2011) गहरा वितरण प्राप्ति के लिए सीमा प्रयुक्ति - भारत में सच्चे औचार निर्माण की दृष्टि से : (Same as 23) दिसंबर 9-12

30) नायर एस आर (2011) कर राजस्व पर करादर भिन्ना के प्रभाव-भारतीय सीमा रेखा के भागीदार राज्यों के बीच की विक्री कर प्रतियोगिता के बारे में मामा अध्ययन अन्तर्राष्ट्रीय लोक वित्त संस्था के वार्षिक सम्मेलन, रोस वाणिज्य स्कूल, मिचिगन विश्वविद्यालय, एन आरबर यू एस ए आगस्त 8-11

31. पति आर के और नंदकुमार के (2011) सी ई ओ दो होनाः भिन्न सौद्धांतिक दृष्टिकोण दूसरा भारतीय शैक्षिक प्रबंध (आई एन एम सम्मेलन) आई आई एम बैंगलूर, दिसंबर 18-20

32. पायजी जे और मित्रा एस (2011) बदलने मानसिकताः सुधार माले के मूल्यांकन के गौर से आस्ट्रेलिया, न्यूजिलैंट प्रबंध शैक्षणिक संस्था (ए एन सेड ए एम) के 25वाँ सम्मेलन, कैंरी बरी विश्वविद्यालय, एन सेड, दिसंबर - 7-9, 2011

33) पिल्लै. के. आर. सी और सेबास्टियन, एम. पी (2011) संयुक्त भिन्न नेटवर्क पर दहलीज लोक प्रमाणपत्र की रूपरेखा के बारे में उपन्यास। सूचना एवं प्राद्योगिकी प्रणाली एवं प्रबंध पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, (अई टी एस एम 2011) आई आई एम कोपिक्कोड, दिसंबर 17-18.

34) पिल्लै आर. आर (2012) पौराणिक वौद्धिकता के आधार पर प्रकृति सिद्धान्तों के प्रबंधन निर्णय। ए आई एम एस, प्रबंध पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ए आई एम एस - 9) एफ एल ए एम पुने जनवरी 1-4

35. पिल्लै आर आर और सुप्रिया के.के (201२) प्रबंध शिक्षा के रूपांतरण के लिए वैचारिक सामीप्य प्रणाली। प्रबंध पर 9 वाँ ए आई एम एस अमेतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। (ए आई एम एस-9) एफ एल ए एम एस)पूने जनवरी 1-4

36. रमेश ए बहनिपति बी (2011) भारतीय परिधान व्यवसाय ः आपूर्ति श्रृखला पर समीक्षाः परिचालन और परिमाणात्मक प्रबंध नासिक, भारत,जून

37. रम्या के.एन और जोसेफ जे (2011)सक्रिय लोक हितैषी या सहयोग नुक्सान। सी एस आर के प्रोत्साहन द्वारा चलाए जाने वाले कंपनियों के बारे में तहकीकात। ग्रेट लेक्स एन ए एस एम ई अन्तराष्ट्रीय विपणन सम्मेलन, 2011, दिसंबर 29-30

38. सेट आर के (2012) गट्ठा के रूप तैयार करो। अपना औचार चुनो। ३४ वाँ आई एन एफ ओ आर एम एस विपणन विज्ञान सम्मेलन आई एन एफ ओ आर एम एस जून।

39 शुक्ला एम और झरकारिया एस (२०११) कृत्रिम सुरक्षा प्रणाली के सामीप्य पर ताजा उद्पादन अन्वेषण प्रबंध । 22 वाँ वार्षिक पी ओ एम सम्मेलन रेनो, नेवदा यू एस ए अप्रैल 29-मई- 02।

40 श्रीनिवास जे और आनंद जी (2011) अनुप्रयुक्त निर्माण प्रक्रिया में मेटा-डैटा पर विश्लेषणात्मक साहित्य।स्थिर निर्माण प्रक्रिया, मुद्दा, नए आयाम और प्रक्रिया(आई सी एस एम -2011) पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन।मेकानिकल अभियंता विभाग, बिर्ला तकनीकी और विज्ञान संस्था (बी आई टी एस) पिलानी कैंपस, पिलानी रीजस्थान, भारत, नवंबर 2011।

41. सुप्रिया के .के और झरकारिया एस (2011) आसान सूचना प्रणालीः वैचारिक संरचना कार्य। आसान प्रबंध प्रणाली पर (आई आई एम के जीएल ओ जी आई एफ टी 11) पर ग्यारहवाँ वैश्विक सम्मेलन, आई आई एम कोषिक्कोड दिसंबर 09-12।

42. तंकमणी जी (2011) उदार स्टोकिस्टिक पेट्री नेट के उपयोग के अनुसार लभ्य लूब ऑयल प्रणाली के विश्लेषण। गुण एवं विश्वास्यता पर 2011 आई ई ई ई के अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन बॉकोक, तायलैंड,सितंबर 14-17।

आगामी सम्मेलन पत्र (17)

अब्दुल्ला एम एस (2012) जब मूल्यांकन मामले के लिए बहु आयाम निर्णय निर्माण कार्यक्रम के क्लौड के आधार पर ई-कमेर्स वाहकों के आदरणीय रूप,। अग्रिम क्लौड कंप्यूटिंग में अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, बैंगलूर, जुलै 26-28, 2012.

2.,अब्दुल्ला एम एस (2012) एम सी एस जैसे अलगोरितम के लिए अलग सक्रिय सहभागी रूप में क्लौड एवं मल्टी कोर सेटिंग। क्लौड कंप्यूटिंग के अग्रिम के बारे में अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन। जुलै 26-28 2012

3. अब्ली एन (2012) विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। इलक्ट्रोणिक्स कमेर्स पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन। सिंगपूर प्रबंध विश्वविद्यालय सिंगपूर अगस्त 7-8

4. भावे एम पी. (2012) मुख्य स्थाई स्थान जैसे पुनरनिर्माण ऊर्जा। ई ए बी आई एस -आईएमडी -स्थायित्व के लिए रणनीतिक सुधार, लावसेन स्विटसरलैंड. जुलै 2-4

5. भावे एम पी. (2012) कला और आचरण के समान उद्यम । अवसर को प्रस्तुत करने वाले दो प्रमुख रुचिपूर्ण मूल्य निर्माण का गाँठ, षंपीटर 2010 आवबोर्ग सम्मेलन और साँस्कृतिक केंन्द्र आलबोर्ग विश्वविद्यालय डेनमार्क जून 21-24

6. दयानिधी डी और जोपिनाथ एस (2012) बिना प्रतियोगिता के विपणन केंद्र का निर्माण। वायिब्रम पाँच ऊँगलियों के बारे में मामला ।.भारतीय रणनीति फारम के वार्षिक सम्मेलन। एस एम एफ आई, भारतीय प्रबंध संस्थान, इन्दोर मई 2-5।

7. गोपिनाथ एस (2012) सामाजिक उद्यम मूल्य सुधार एवं टी आऱ आई सेड। सुधार एवं उद्यम पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन आई सी आई ई 2012 एस आई आई एम पोल्लाच्ची तमिलनाडु मई 10-11

8. गोपीनाथ एस (2012) जोखिम के आधार पर वस्तुनिष्ठ योजना के नमूना मानव आपूर्ति श्रृखला के बढनेवाले प्रभाव। शैक्षिक व्यावसायिक अनुसंधान फाल 2012 सम्मेलम अटलैंटिक सिटी न्यू जर्सी सितंबर 10-12.

9. कर्ना ए कार्तिक डी और उपाध्यायुला आर एस (2012) उभरने वाले एम एन सी एस के गोत्र वर्ग और संचित स्थाम घबराहट प्रदान करने वाले बहुसंचित स्थान के चुनाव । अन्तर्राष्ट्रय व्यावसायिक शैक्षणिक संस्था 2012 वार्षिक सम्मेलन जुलै ।

10 कुमार डी पुरानी के और सहदेव एस सुरुचिपूर्ण दृश्य सेवाओं का अनुमोदन पर्यावरण के मनोवैज्ञानिक सामीप्य। सतांप्टन के विपणन शैक्षिक संस्था के वार्षिक सम्मेलन यू के में आयोजित प्रस्तुत विषय पर निबंध प्रस्तुत करने का आमंत्रण मिला। जुलै 2-4.

११ पुरानी के ईटी.एल (2012) विकसित एवं विकास शील राज्यों में निर्मित देशी एवं विदेशी उद्पाद्य वस्तु को प्राथमिकता का चित्रण । तुलनात्मक अध्ययन अन्तर्राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान के वार्षिक सम्मेलन वाशिंटन डीसी जून 30-जुलै 3 तक आयोजित किया है।

12) पुरानी के और सहदेव एस (2012) जुलै 2-4 के बीच तकलीकी तत्परता को खोज़ में विकसित विकास एवं ई-सेवा कार्य पर निष्ठा। विपणन की शैक्षिक सभा, सौतांम्टण में चलाए वार्षिक सम्मेलन, यूके पर यह निबंध स्वीकार किए।

13) पुरकायस्ता एस (2013) भिन्न रणनीति एवं क्षेत्रीय प्रस्तुती. भारतीय निर्माण क्षेत्र से सबूत, वैश्विक व्यापार समीक्षा, जनवरी-मार्च

14) तंकमणी जी (2012) विश्लेषणात्मक विरासत प्रक्रिया प्रयोग से तकनीकी चुनाव संरचना- मामला अध्ययन। (विपणन एवं व्यापार रणनीति आई एन सी ओ एम बी एस - 2012) पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आई बी एस, हाईदराबाद, भारत, मार्च - 10-11

15) तंकमणी जी (2012) टी ओ सी वैचारिक प्रक्रिया प्रयुक्ति से नए उत्पादन विकास पद्धति पर प्रगति - (विपणन एवं व्यापार रणनीति आई एन सी ओ एम बी एस - 2012) पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आई बी एस, हाईदराबाद, भारत, मार्च - 10-11

16) उपाध्यायुला; आर एस कार्तिक और कर्ना ए (2012) मूल से संबंधित, या प्रतियोगिता से आकर्षिकत? उभरनेवाले एम एन सी स्थान के चुनाव की ओर रणनीतिक संचालक। रणनीति प्रबंध, सामाजिक विशेष सम्मेलन। सिंगपूर, पूने

17) उपाध्यायुया; आर एस कार्तिक और कर्ना ए (2012) मूल से संबंधित, या प्रतियोगिता से आकर्षिकत? उभरनेवाले एम एन सी स्थान के चुनाव की ओर रणनीतिक के संचालन। रणनीति प्रबंध, सामाजिक वार्षिक सम्मेलन। प्राग, अक्तूबर।

सत्र चेयर (15)

1) अम्बयी एन (2011) क्लौड कंप्यूटिंग उधमः सूचना प्राद्योकिकी, प्रणाली एवं प्रवेध (आई टी एस एम (2011) विषय में अन्तार्राष्ट्रीय सम्मेलन, आई आई एम कोषिक्कोड, दिसंबर।

2) अश्रफ एस (2011) वौद्धिक संगणा प्रणाली पर आई ई ई ई के तत्कालीन प्रगति, ट्रिवान्ड्रम, सितंबर

3) गंगोपाध्याय के (2011) आसान प्रणाली प्रबंध में ग्यारहवाँ वैश्विक सम्मेलन, (जी ऐल ओ जी आई एफ टी-11) आई आई एम कोषिक्कोड, दिसंबर।

4) जोसेफ जे (2011) सूचना प्राद्योगिकी, प्रणाली एवं प्रबंध (आई टी एस एम 2011) पर अन्तार्राष्ट्रीय सम्मेलन आई आई एम कोषिक्कोड, दिसंबर।

5) जोसेफ जे (2011) आसान प्रणाली प्रबंध में ग्यारहवाँ वैश्विक सम्मेलन, (जी ऐल ओ जी आई एफ टी-11) आई आई एम कोषिक्कोड, दिसंबर।

6) कृष्णन टी एन (2011) आसान मानव संसाधन। आसान प्रणाली प्रबंध में ग्यारहवाँ वैश्विक सम्मेलन, (जी ऐल ओ जी आई एफ टी-11) आई आई एम कोषिक्कोड, दिसंबर - 9-12.

7) लाढ़ा एल एस (2011) मानव संसाधन नीति पर सुधार कार्य। वैश्विक प्रतियोगिय के लिए रणनीतिक सुधार पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन। आर वी आई एम बैंगलूर।

8) मित्रा एस (2011) तकनीकी सत्र आसान प्रणाली प्रबंध में ग्यारहवाँ वैश्विक सम्मेलन, (जी ऐल ओ जी आई एफ टी-11) आई आई एम कोषिक्कोड, दिसंबर ।

9) नायर एस आर (2011) रणनीति एवं व्यवहार। लोक वित्तीय अन्तार्राष्ट्रीय संस्थान के वार्षिक सम्मेलन, मिचिगन विश्वविद्यालय, यू. एस ए आगस्त - 8-11.

10) पिल्लै आर आर (2012) प्रबंध (ए आई एम एस-9) पर 9 वाँ एयिंस अन्तार्राष्ट्रीय सम्मेलन, फलेइम, पूने, जनवरी 14.

11) तंकमणी, जी (2011) सत्र-1,आसान प्रणाली प्रबंध में ग्यारहवाँ वैश्विक सम्मेलन, (जी ऐल ओ जी आई एफ टी-11) आई आई एम कोपिक्कोड, दिसंबर।

12) थॉमस जे (2011) शिक्षकों के विभाग- प्रणाली एवं प्रबंध (आई टी एस एम 2011) पर अन्तार्राष्ट्रीय सम्मेलन आई आई एम कोपिक्कोड, दिसंबर।

13) थॉमस जे (2011) संसाधन संगाणक उद्यम। प्रणाली एवं प्रबंध (आई टी एस एम 2011) पर अन्तार्राष्ट्रीय सम्मेलन आई आई एम कोपिक्कोड, दिसंबर।

14) थॉमस जे (2011) आसान प्रणाली । आसान प्रणाली प्रबंध में ग्यारहवाँ वैश्विक सम्मेलन, (जी ऐल ओ जी आई एफ टी-11) आई आई एम कोपिक्कोड, दिसंबर।

15) उपाध्यायुला आर एस (2011) तकनीकी सत्र आसान प्रणाली प्रबंध में ग्यारहवाँ वैश्विक सम्मेलन, (जी ऐल ओ जी आई एफ टी-11) आई आई एम कोपिक्कोड, दिसंबर।

आमंत्रित बातचीत/कार्यशाला/संगोष्ठी (12)

1) भावे, एम.पी (2011) सुधार, बर्ताव नीति, संरंभ राजगिरी व्यापार अध्ययन केन्द्र, कोच्ची, भारत, नवंबर 17

2) भावे. एम.पी. (2012) सहयोगी शासन, प्रबंध के समकालिक, मुद्दे, एच एल एल, सहयोग, मुख्यालय तिरुवनन्तपुरम, मार्च 30.

3) भावे एम पी (2012) पुनर्निर्मित उर्जा। गती का मौका। केन्द्रीय विश्वविद्यालय कासरगोड, मार्च 27.

4) भावे एम.पी (2012) पुनर्निर्मित उर्जा और उसका भविष्य में प्रयोग। उर्जा के दाम नियंत्रण पर राष्ट्रीय कार्यशाला। केरल राज्य के बिजयी मंडल अभ्यता संघ। कोपिक्कोड, जनवरी 20, के मुख्य प्रभाषक रहे।

5) गंगोपाध्या के (2011) अर्थ्-भौतिक शास्त्र, कोलकत्ता VIः अर्थ-भौतिक शास्त्र के दैहिक जोखिम एवं नेटवर्क प्रणाली। साहा अनु-भौद्धिक संस्थान, कोलकत्ता और इकोले सेंट्रले पारिसर, अक्तूबर 21-25

6) गंगोपाध्या के (2011) भारत में फैले गरीबीः भिन्न दिशा मेंः भारतीय साँख्यिकीय संस्थान, अक्तूबर 25

7) गोपीनाथ, एस (2012) उच्चतम शिक्षा में उत्कृष्ट गुण बनांए रखने के दौरान पी जी सी के राष्ट्रीय सम्मेलन, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग फारूख फाँलेज, कालिकट, मार्च 08।

8) नायर एस आर (2011) केरल के कृषि-अर्थिक विज्ञान के बढावा की पुष्टि करने के लिए कृषि-विज्ञान के मूल्य से युवक श्रंखल प्रबंध। सहकरण, बैंकिंग एवं प्रबंध कौलेज, केरल के विश्वविद्यालय त्रिश्शूर, नवंबर - 16

9) नायर एस.आर (2011) भारत में खाद्य वस्तु के बढ़ने दामः केरल राज्य भी इसमें शामिल है, मार अलोशियस काँलेज, त्रिश्शूर, अक्तूबर - 12-13

10) थॉमस जे (2011) पुष्टि के आधार पर विपणन। भारतीय समाज के विज्ञापन के बारे में एक दिवसीय संगोष्ठि। (आई एस ए) मुंम्बाई, दिसंबर 15.

11) थॉमस जे (2012) खुदरा क्षेत्र के व्यावसायिक पता पर चुनौती। सोना और रचत व्यापारी संघ, कालिकट, फरवरी 5

12) श्रीकुमार एम.जी को आगस्त 29-30, का मानव अनुसंधान एवं बुनियादी विकास, फिलिपाईनस से आमंत्रित, ग्रीनस्टोन, डिजिटल पुस्तकालय सोफ्टवेयर, एवं सूचना प्रबंध के प्रयोग पर पुस्तकालय अभिलेख एवं संग्रहालय पर अन्तार्राष्ट्रीय सम्मेलन (1-सी एल ए एम एस) के दौरान दो दिन के कार्यशाला में आमंत्रित किया गया।

आगमी आमंत्रित बोलचाल/ कार्यशाला/संगोष्ठि (1)

1) गोपिनाथ एस (2012) पी एम आई केरलाः सम्मेलन 2012. परियोजना प्रबंध संस्था, कोची, जून 09

जारी किए पत्रिकाएँ (27)

1) बलूनी के गंगोपाध्याय के और मोहन कुमार बी (2011) (नागरिक पुष्टि एवं ग्रीन स्पेस के निजी बदलावः भारतीय नगरों के असलियत (एशीयायी अनुसंधान संस्था) राष्ट्रीय विश्वविद्यालय सिंगपूर, पत्रिका जारी है।)

2) बलूनी के इन्यू एम. नाथ टी.के. और सोपसा एम डी (2011) समाज के आधार पर भूमि-प्रयोग कार्यालय एवं बंग्लादेश और श्रीलंका के भूमि उपयोग में बदलाव समाजिक तैर पर (ए आर आई जारे करने वाले पत्रिका नं 166. अक्तूबर 2011.

3) बलूनी के और गंगोपाधाय, कुमार बी एम (नागरिक पुष्टि एवं ग्रीन स्पेस के निजी बदलावः भारतीय नगरों के असलित (एभियाई अनुसंधान संस्था) राष्ट्रीय विश्वविद्यालय सिंगपूर, पत्रिका नं 169, नवंबर 2011

4) बलूनी के, मेनोन वी और अशोकन एसएम (2012) पूर्व विकेन्द्रिकृत युग के जलसेचन पद्धति को उभारने की भूमिकाः आई आई एम के/ डब्ल्यू पी एस/ 98/ इसी ओ/2012/01.

5) बलूनी के गंगोपाध्याय के, तुराखिया, एस और कार्तिक आर जी (2011) उद्दिष्ट तंदुरुस्ती संरक्षण ते पुष्टि में चुनौतीः भारतीय तौर पर : *IIMK / WPS / 93 / ECO / 2011 / 13.*

6) बसंत आर चन्द्रा पी और उपाध्यायुला आर एस (2011) भारतीय आई टी क्षेत्र में क्षमता निर्माण एवं ज्ञान का इकट्ठे –वहाव एवं गैर रूप से इकट्ठे स्थानों के तुलनात्मक विश्लेषण -*IIMK/WPS/89/STR/2011/09*

7) बसंत आर चन्द्रा पी और उपाध्यायुला, आर एस (2011) भारतीय आई टी क्षेत्र में क्षमता निर्माण एवं ज्ञान का वहाव-इकट्ठे एवं गैर रूप से इकट्ठे स्थानों के तुलनात्मक विश्लेषण - जारी किए पत्रिका आई आई एम अहम्मतावाद - डब्ल्यू पी नं 2011-10-02

8) चावला वी गुड़ा एस (2011) अग्रगामी संबध के तौर पर कार्यस्थल के आध्यात्मिकता के आधार पर विशेष विक्री। आई आई एम के / डब्ल्यू पि एस / 84 / एम के टी जी / 2011 / 05

9) चावला वी, गुडा, एस, कृष्णन टी एन, उण्णिथान ए बी (2011) पेशे में व्यक्तिगत आध्यात्मिकता और संबधित विशेष विक्रि से जुडाव। आई आई एम के / डब्ल्यू पि एस / 84 / एम के टी जी / 2011 / 04.

10) दासगुप्त, एन और आनंद जी (2011) भारत में मदद करने वाले निर्माण का प्रयोग - मेटा-डेटा-विश्लेषण आई आई एम के / डब्ल्यू पि एस 91/ क्यू एम और ओ एम / 2011/ 11

11) डे, एस आर नायर एस आर (2011) भारत के राज्यों में आनियमित सरकार के सुरक्षा पर प्रभाव, विपणन, तत्पर दाम। आई आई एम के / डब्ल्यू पि एस */95/* ई सी ओ */2011/15.*

12) गंगोपाध्याय, के और वासू बी (2011) भारतीय शहर की कहानियाँ 1981-2010. आई आई एम के / डब्ल्यू पि एस*/ 94/*ई सी ओ */2011/14.*

13) गोपीनाथ - एस और नायर ए (2012) केरल के अन्तरं-संरचनात्मक व्यवस्था। भूमि प्राप्ति के लिए नए आसान प्रणाली. आई आई एम के / डब्ल्यू पि एस 101 / एफ आई एन / 2012 /04

14) कार्तिक डी. और आध्यायुला आर एस (2011) वृत्तिक सेवा क्षेत्र में विविधता के अपलब्धी का प्रयोग; सहक्रियावाद की भूमिका। प्यारी किए निबंध आई आई एम अहम्मदाबाद. डब्ल्यू पी नं 2011-01-01.

15) कुमार एम, और सिंह, एस (2011) शिक्षण और आवश्यक उपलब्धी पूर्ति एवं संगठन और कर्मचारी जुडे संबध आई आई एम के / डब्ल्यू पी एस / 92 /ओबी और एच आर /2011/12.

16) लाढ़ा के.के. और मिल्लर जी जे (2012) बिना धारणा के लोक-सूचना विरोधभास. आई आई एम के/ डब्ल्यू पी एस / 102/ ईसी ओ / 2012/05.

17) लाढ़ा के.के. (2011) सुधारवादी मददाता नियम द्वारा सभा कानून की पूर्णता

18) लाढ़ा एल.एस. और नायर ए एस (2011) लेखा- आयाम के आधार पर मूल्यांकन एवं जोखिम. आई आई एम के /डब्ल्यू पी एस/ 85/ एफ झाईसन / 2011 / 06.

20) नायर एस आर और ईपन एल एम (2011) भारत में खाध (द्य) वस्तु का बढ़ते दामः साधारण तत्व के आधार पर माल-पार विश्लेषण। आई आई एम के / डब्ल्यू पि एस/ 97/ई सी ओ *2011/17.*

21) नायर एस आर और ईपन एल एम (2011) भारत में खाधद्य वस्तु प्रबंध एवं दामः खाद्य वस्तु के बढते दाम के साथ तत्कालीन अनुभव से प्राप्त पाठ एवं नए दृष्टिकोण आई आई एम के / डब्ल्यू पी एस/ 87/ इ सी ओ / 2011 / 08

22) पति एस पी (2012) कर्मचारी बंधन के आयाम-विकास आई आई एम के / डब्ल्यू पी एस/ 99/ ओ बी एच आर 2012/02

23) पुरकायस्ता एस (2012) व्यावसायिक ग्रूप शाखा के लाभ और स्थूल आर्थिक परिसर में परस्पराश्रित लाभांश। भारत से सबूत आई आई एम के (डब्ल्यू पी एस /100/2012/03

24) सिंह वी (2011) व्यापार प्रबंध-कार्यक्रम के शैक्षिक एवं आर्थिक फल के तत्वों का भविष्यवाणी करना। आई आई एम के/डब्ल्यू पी एस /88/ इ सी ओ/2011/08.

25) सिंह वी (2011) व्यावसायिक शिक्षा में परिमाणात्मक एवं गैर परिमाणात्मक क्षमता की भूमिका। एम बी ए कार्यक्रम के परीक्षणात्मक दो रास्ते आई आई एम के /डब्ल्यू पी एस/*90/*ओ बी एच आर*/2011/10.*

26) श्रीधर जी, उण्णिथान, ए.बी अय्यंकार, सी, गुप्ता आर और कुमार डी (2011) मूल्य-ज्ञान सदाचार स्थान और ग्रणन किए जोखिम असर; भारतीय युवाओं के बीच के संगीत की चोरी के प्रति व्याख्या।

27) उण्णिथान ए.बी (2011) आसानी से प्रभावित होने वाले टेलिविशन विज्ञापन : विशेष विशालता एवं मूल्य आई आई एम के/ डब्ल्यू पी एस / 96 / एफ आई एन / 2011 / 17.

2011-12 वर्ष में पूर्ति किए गए लघु अनुदान, अनुसंधान परियोजना (12)

1) अधिकारी ए (2010) भिन्न विषय एवं उपभोग चुनाव निर्णय पर विषयाश्रित वस्तु पर लगाव एस जी आर पी / 2010/11

2) अधिकारी ए (2012) खाद्य कृषि उत्पाध वस्तु लि. पर क्षेत्रीय अनुसंधान बहुमाध्यात्मिक मामला। एस जी आर पी / 2010 / 37.

3) गंगोपाध्याय के (2011) भारत में 1990-2008 वर्ष में खाद्य की उभरते उपभोग का अध्ययन । एस जी आर पी/2 011/41.

4) कृष्णन टी एम (2010) भारत के लघु एवं मध्यतम उद्यमों के प्रतिभा प्रबंध की चुनैंती, । एस जी आर पी */2010/36.*

5) पिल्लै आर.आर (2011) आई टी युवक रूपान्तरण के मामला विकास, परिचालन उत्कृष्टता प्राप्ति के तौर पर एस जी आर पी /2011/38.

6) पुरकायरता, एस (2011) क्षेत्र विविधा पालन और चालू वित्तीय विपदा-ए, भारत के निर्माण क्षेत्र का अध्ययन। एस जी आर पी/*2011/39.*

7) सिंह. वी (2011) प्रवेश परीक्षा के अंक और व्यावसायिक प्रबंध कार्यक्रम के पालन के संबंध की जाँच। एस जी आर पी/*2011/40.*

8) सिंह वी (2011) दो निर्णय लेने के कर्तव्य द्वारा जांखिम से परिचय, व्यक्त एवं सामाजिक सहयोग। एस जी आर पी*/2011/43*.

9) सेबास्ट्यन एम पी (2011) भारत के लिए ई-ई गवरनेंस संरचना कार्य। एस जी आर पी/*2011/48.*

10) थॉमस एस (2010) मूल्याधिष्ठित निक्षेप योजना प्रणाली निदोषकों के लिए चुस्ती भरे निक्षेप सामग्री। एस जी आर पी*/2010/33.*

11) थॉमस एस (2010) भारत के भविष्य की विपणी में स्थान-लभ्यता के आधार पर उच्यत्म मूल्य एवं शर्त से युक्त अंदाजा के प्रयोग से चुस्ती भरा चंचलता। एस जी आर पी/*2010/34*.

12) उपाध्यायुला आर एस (2010) व्यावसायिक झंडों के तकनीकी विकास द्वारा तकनीकी क्षमता का निर्माणः भारत के आईची एवं जुरे हुए इलक्टोजिक्स का मामला। एस जी आर पी/*010/35*. अई अई एम के.

2011-12 (15) साल में जारी किए लघु अनुतान अनुसंधान परियोजना।

1) अधिकारी ए (2011) आईडियाफोर्ज पर क्षेत्रिया अनुसंधान बहु-माध्यामिक मामलाः मशीनी चार्जर एस जी आर पी / 2011/42.

2) अधिकारी ए (2011) भिन्न उत्पाध वस्तु के बार-बार की विक्री पर विषय परक वस्तुविशेषन का असर। एस जी आर पी */2011/49.*

3) दासः ए (2011) फोटो ब्योगिंग और फेसबुक के बारे में लघुभाषण। प्रबंधन दृष्टिकोण। एस जी आर पी*/2012/53.*

4) दयानिधि डी (2011) बेबी स्मारक अस्पताल। कार्यक्षम तंदुरुस्ती संरक्षण परियोजना । एस जी आर पी*/2011/50.*

5) गंगोपाध्याय के (2011) भारत में स्वाध वस्तु को उपभोग का परिमाणिक अध्ययन। एस जी आर पी*/2011/41*

6) पुरकायस्ताः एस (2011) भिन्न रणनीति एवं स्थिर प्रतिक्रिया। एस जी आर पी */2011/47.*

7) सेबास्ट्यन एम. पी (2011) भारत के लिए ईचावरनेंस संरचना कार्य । एस जी आर पी*/2011/48.*

8) सेढी डी (2012) कंप्यूटर से संवधित तंदुरुस्ती सेहन के मुद्दे; जो कोषिक्कोड एवं कोच्ची के सफेद पेशा कर्माचारियों के बीच देखता है। कार्ययोजना का विनिमय । एस जी आर पी

9) सेढी डी (2012) डाक्टर-मरीज के बीच के मुक विनिमयः केरल के तीन प्रमुख शहर में की गई विस्तृत अध्ययन। । एस जी आर पी*/2012/54.*

10) सेढ. आर. के (2012) विज्ञापन के द्वारा विस्तृत क्षमता का सोच विचार । एस जी आर पी*/2012/52.*

11) सिंह वी. (2011). प्रवेश परीक्षा के मामले और व्यावसायिक प्रबंध कार्यक्रम में शैक्षिक प्रस्तुतीकरण के परस्पर संबंधों की जाँच। । एस जी आर पी*/2011/40.*

12) सिंह वी. (2011). दो निर्णय लेने वाले तत्वों द्वारा सामाजिक सहयोग एवं लिंग समझ के व्यक्त जोखिम परिश्रम । एस जी आर पी*/2011/46.*

13. सिंह वी. (2011) जोखिम समझना, व्यक्तता, दो उपाधियों द्वारा स्पष्ट एवं सामाजिक सहकरण।एस जी आर पी/2011/43

14.सुदर्शन के (2011) अन्तर्राष्ट्रीय नियमित वित्तीय रिपोर्ट एस जी आर पी/2011/45

15. वेलायुधन एस के (2011) तीम पार्क वन्डरला पर मामला विकास एस जी आर पी/2011/44

अनुसंधान संगोष्ठी (12)

1. बानर्जी ए (2011) बैंकिंग सेवाओं में विपणन विश्लेषण, दिसंबर 8

2. भट्टाचार्या एस (2012) नियमित वैश्वीकरण पर्यावरण में सेहद एवं सुरक्षित प्रबंध पेशे का अभ्यास मई 2

3. घोष सी (2011) अधिक धन के मुद्दों पर शान्तता। अन्तर्राष्ट्रय प्राप्ति द्वारा सम्मेलन अक्तूबर 17

4. जेकब वी (2012) एम आई एस अनुसंधान- सदियों से लुढकने वाले पत्थर या नेतृत्व की सीमा जुलै 7

5. लहकर आर (2012) लाभान्वित सूक्ष्म वित्तीय संस्था एवं उधार लेने वालों के कल्याण। फरवरी - 23

6. मल्लोक टी आर (2011) भारतीय धार्मिक एवं आध्यात्मिक आचरणो से प्रबंधन में बौद्धिक प्रक्रिया। सी के प्रह्लाद संस्मरणात्मक शैक्षणिक कार्यक्रम , भवन में आयोजित तीसरा शिक्षण प्रभाषण, जनवरी 11

7. नायर एस आर (2011) भारत में खाद्य वस्तुओं पर बढते दाम। नए भीमाकार राक्षस को जाना पहचाना। दिसंबर 15

8. नन्दकुमार (2012) शुद्धीकरण के व्यावसायिक दृष्टिकोण एवं दाम. फरवरी 7

9. नारायणन वी के (2011) अनुसंधान एवं प्रबंध में प्रकाशन, एक यु एस दृष्टिकोण अगस्त 5

10. पद्मकुमार (२०११) नेतृत्व एवं जीवन सिद्धांत जुलै 12

11. रामलिंगं ए (2011) क्षेत्र के मुनाफा कर्मचारी स्तर के उचित रूप में है। जुलै 14

12. तरूर एस (2012) भारतीय विचारधारा का वैश्वीकरण । नेतृत्व श्रृखला सत्र । फरवरी 4

हिस्सेदार /पुरस्कार / आदर

चाटर्जी डी
प्राप्तक एवं नेताओं के लिए पुरस्कार, शैक्षणिक बंगाल कक्ष

बलूनी. के
पारदर्शी वरिष्ठ अनुसंधान हिस्सेदार, एशियायी अनुसंधान संस्था, सिंगपूर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, अप्रैल 2011

ऐक्य राष्ट्र के खाद्य एवं कृषक संगठन (एफ ए ओ) के नामावली में आमंत्रित किया गया।रोम अक्तूबर, 2011

गंगोपाध्यय के
भौद्धिक आर्थिकता, कोलकत्ता —आणविक भौद्धशास्त्र के साहा के संस्थान कोलकत्ता और इक्कोले सेंट्रले पारिस द्वारा आयोजित, जोखिम के तरीके एवं नेटवर्क प्रणाली पर भौद्धिक आर्थिकता। अक्तूबर 12-25, 2011.

सजी एस
ज्ञानात्मक आर्थिक भागीदारी की फेलोशइपः ब्रिटीश मंडल 2012-13, जून 2012

पिल्लै आर आर (प्रथम दो कृष्णदास एन के साथ और अन्तिम भाग के लिए कृष्णदास एन, कुमार आर, तथा सुप्रिया के. के)

सबसे अच्छे निबंध के लिए पुरस्कार, प्रबंध अनुसंधान में (सी ओ एस एम आर) ११वाँ छात्रों की झुंड, भारतीय वैज्ञानिक संस्था बैंगलूर।, अक्तूर 21 - 2011

मरकत 2011 भारतीय एल आई सी अनुसंघान पुरस्कार, उच्चतम अनुसंधान को कायम रखने के लिए प्रस्तावित है।

विप्रो एर्थियन पुरस्कार 2011, जो आई आई एम के के कंप्यूटर केन्द्र को ग्रीन आईटी के प्रयोग हेतु प्राप्त हुए है।

नायर एस आर
भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय भाई-चारा समाज नई दिल्ली द्वारा आयोजित उत्कृष्टता के प्रमाण पत्र के साथ राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार 2011.

प्रकाशन मंडल के सदस्य

अधिकारी ए
सहयोग प्रकाशक, आई आई एम कोषिक्कोड सामाजिक एवं प्रबंधन समीक्षा।

अशरफ एस.
मान्यता प्राप्त अनुप्रयुक्त तरीके के अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका

बलूनी के
प्रकाशक समाक्षा सदस्य,आई आई एम कोषिक्कोड सामाजिक एवं प्रबंधन समीक्षा।

देव एस
प्रबंध निदेशक, आई आई एम कोषिक्कोड सामाजिक एवं प्रबंधन समीक्षा।

गंगोपाध्याय के
सहयोग प्रकाशक, आई आई एम कोषिक्कोड सामाजिक एवं प्रबंधन समीक्षा।

गोपिनाथ एस
भौद्धिक उद्यम के अन्तर्राष्ट्रिय पत्रिका।

लाढा. के
संपादकीय समाक्षा मंडव सदस्य, आई आई एम के समाज और प्रबंध समीक्षा

नायर ए
सहयोग संपादक आई आई एम समाज और प्रबंध समीक्षा

नायर यू .के
संपादकीय समाक्षा मंडव सदस्य, आई आई एम के समाज और प्रबंध समीक्षा

पती आर के.
सहयोग संपादक आई आई एम समाज और प्रबंध समीक्षा

पवार बी. एस
सहयोग संपादक आई आई एम समाज और प्रबंध समीक्षा

पिल्लै आर आर
एआईम्स अन्तर्राष्ट्रीय प्रबंध पत्रिका

पुरकायस्ता, एस
सहयोग संपादक आई आई एम समाज और प्रबंध समीक्षा

रामन वी जी
सहयोग संपादक आई आई एम समाज और प्रबंध समीक्षा

सेबास्टियन एम पी
संपादकीय - अगली पीढी के सूचना और तकनीकी कोरिया
सदस्य, सम्पादकीय मंडल, कंप्यूटर विज्ञान की आईयूपी पत्रिका, भारत
सदस्य, सम्पादकीय मंडल विकासशील नेटवर्क और अनुप्रयोग , के बारे में पत्रिका, भारत
सहयोग संपादक आई आई एम समाज और प्रबंध समीक्षा

सेढ आर. के
प्रबंध संपादक, आई आई एम समाज और प्रबंध समीक्षा

उपाध्ययुला आर एस
संपादकीय औवं समीक्षक मंडल, सहक्रिया
के जे सोमानिया प्रबंध संस्थान की पत्रिका।

समीक्षा/ निर्णय लेने वाला

अम्ब्ली एन
इलक्ट्रोनिक व्यापार से संबंधित अन्चर्राष्ट्रीय पत्रिका
इलक्ट्रोनिक व्यापार अनुसंधान एलं अनुप्रयोग
उभरने वाले मरकत विपणन के मामला अध्ययन
विपणन में अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन

आनंद जी
अभियांत्रिक रूपरेखा पर पत्रिका
प्रबंध अनुसंधान समीक्षा

बहनिपति बी
परिचालन अनुसंधान के यूरोपीय पत्रिका
कंप्यूटर्स तथा व्यावसायिक अभियंत्र

बलूनी के

भू पत्रिका

पर्यावरण योजना एवं प्रबंध पत्रिका

अनुसंधान प्रस्ताव-सामूहिक विज्ञान विभाग ,वैज्ञानिक अनुसंधान के नेतरलैंड संगठन

अनुसंधान प्रस्ताव- दक्षिण ऐशियाई नेटवर्क की विकास एवं आर्थिक पर्यावरण

(एसएएनडीईई), नेपाल

वननीति एवं अर्थशास्त्र

भौगोलिक उष्ण कटीबंधीय के बारे में सिंगपूर पत्रिका

स्थान एवं राजव्यवस्था

गंगोपाध्याय के

नागरीय अध्यन

आई आई एम लकनाउ के लिए शोध प्रबंध

रूपान्तर

गोपीनाथ एस.

उत्पादन अनुसंधान के बारे में अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका

तकनीकी प्रबंध में पत्रिका

गतिशील प्रणाली की समीक्षा।

आई आई एम बी प्रबंध समीक्षा।

जोसेफ, जे

शोध समीक्षाः

भारत में किराने फुटकर में उपभोक्ताओं के संतुष्टि को प्रभावित करने वाले तत्वों के निर्णय करने वाला खोजपूर्ण अध्ययनः भारतीय तकनीकी समीक्षा, चेन्नै में अध्ययन।

पत्रिका समीक्षाः

वीकल्पा

आई आई एम बी प्रबंध समीक्षा।

उपभोक्ता अनुसंधान के सहयोग के दोनों पत्रिकाओं की समीक्षा-उत्तर अमरीका सम्मेलन।

कोहिल आर

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार समीक्षा

उभरने वाले मरकत विपणन के मामला अध्ययन

कृष्णन टी एन

उभरने वाले मरकत विपणन के मामला अध्ययन

पिल्लै आर आर

एआईम्स अन्तर्राष्ट्रीय प्रबंध पत्रिका

सूचना प्राद्योगिकी, प्रणाली और प्रबंध (आई टी एस एम) के बारे में अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन

थामस जे

प्रबंध समीक्ष, भारतीय प्रबंध संस्थान बैंग्लूर

भारतीय व्यावसायिक पत्रिका मरकत ग्रूप द्वारा प्रकाशित

आई आई एम के में सम्मेलन /धार्मिक सम्मेलन

1. चाटर्जी डी. (2012) प्रबंध से प्राप्त भारतीय आध्यात्मिक परम्परा से बौद्धीक परियोजना पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, जनवरी 12-13

2. चाटर्जी डी धाल, एस और कुमार एम (2012) एच आर समिट 2012, फरवरी-3-4

3. चाटर्जी डी, सेबेस्ट्यन एम पी और पिल्लै आर (2011) सूचना प्राद्योगिकी, प्रणाली एवं प्रबंध (आईटीएसएम) 2011) दिसंबर 17-18

4. नन्दकुमार एम के और झरकारिया एस और नायर ए एस (2011) आसान प्रणाली प्रबंध (जीएलओजीएफटी 11) पर ग्यारहवाँ वैश्विक सम्मेलन, दिसंबर-09-12

सूचना प्राद्योगिकी

संस्थान द्वारा आई आई एस के उपयोगकर्ता बंधुत्व को सर्वोत्कृष्ठ सूचना प्राद्योगिकी सुविधाओं तथा सेवाओं का प्रावधान करने में अपनी प्रतिबद्धता को निभाया जा रहा है। उपर्युक्त उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए, संगणना सुविधाओं तथा सेवाओं में वर्ष भर में निरंतर सुधार किया जाता है।

परिसर में वर्ष के दौरान पूरा किए नए भवनों को परिसर लैन (एलएएन) के साथ जोडा गया है, तथा अपेक्षित सूचना प्राद्योगिकी अन्तरसंरचना और सुविधाओं सहित सुसज्जित है।

प्रथम चरण में आवासीय गृह एडीएसएल तकनीकी का उपयोग करके कैंपस लैन से जोडा जाता है, जो इन आवासीय गृहों को जल्दी से संबध प्राप्त होता हैसाथ-साथ अब के वाई फाई के अलावा

इस साल में पीजीपी ग्रेड तैयार करना, छात्रों के हाजिरी कायम रखना एवं प्रबंधन प्रवेश के लिए ओन लाईन आवेदन पत्र समर्पण, छात्रों के मेस बिल, एफपीएम

इस साल में पीजीपी ग्रेड तैयार करना, छात्रों के हाजिरी कायम रखना एवं प्रबंधन प्रवेश के लिए ओन लाईन आवेदन पत्र समर्पण, छात्रों के मेस बिल, एफपीएम प्रवेश 2012 के ओन-लाईन आवेदन पत्र, संकाय सदस्यों के आयोजन, ओनलाईन अवकाश प्रबंध आदि के लिए सोफ्टवेयर्स भी परिचालित किए है।भिन्न शैक्षिक आयोजनों को मदद देने वाले पोर्टल भी इसके लिए प्रस्तुत किया है।

ओनलाईन द्वारा भिन्न शुल्क भी भरने की सुविधा किया गया है तथा नेट बैंकिग द्वार क्रेडिट/डेबिट कार्ड का प्रयोग भी किया गया है।

आई आई एम के के लिए ग्लोफिट और टीइडी एक्स के संरचनात्मक वेबसाईट भी विकसित किया गया है।आई आई एम के के शासकीय वेबसाईट हिन्दी में प्रस्तुत किया है जिसका नए रूप में तैयार किया है।वेबसाईट अभी द्विभाषी रूप में है।

इस साल में दृश्यसम्मेलन सुविधा से युक्त सभी आईटी सुविधा एवं सेवा की सुविधा भिन्न शैक्षिक आवश्यकताओं के लिए प्रयोग करते हैं।

पुस्तकालय और सूचन केन्द्र (एलआईसी)

पुस्तकालय ऐर सूचना केन्द्र (एलआईसी) आईआईएमके में (http://intranet.iimk.ac.in/libintra) पुस्तकालय और सूरना केन्द्र (एलआईसी) अपने पणधालियों को अपार शिक्षा की संभावनाएं प्रदान करता है। एलआईसी. आईआईएमके के ज्ञान के हब के रूप में परिकल्पित किया गया। है और यह विद्वत रूप से और सथा ही कारपोरेट सूचना के मूख्य केन्द्र के रूप में कार्य करता हे। अतः, पुस्तकालय और सूचना कैन्द्र संस्थान के मुख्य शिक्षण संसाधन केन्द्र के रूप में भूमिका निभाता है। पुस्तकालय और सूचना केन्द्र का उद्देश्य अत्याधुनिक सूचना बैक अप प्रधान करना और संबद्व विधाओं के सभी क्षेत्रों में विश्वस्तरीय संसाधनों और मुल्यवान सूचना सेवाओं के माध्यम से अनुदेशात्मक प्रक्रियाओं तथा शोध की सहायता करना है।

गतवर्षों के दौरान, पुस्तकालय और सूचना केन्द्र ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है ओर आईआईएमकके ने विश्वव्यापी पहचान बनाई है और अपनी बढ़ाई है। डब्ल्यू एच ओ भारत कार्यालय के लिए अंकीय पुस्तकायल विकास केन्द्र (सीडीडीएल) द्वारा विकसित ई लर्निग फ्लैटफॉर्म (http://www.medomfoguide.net) कयर बोर्ड के लिए इन्फोरमेशन पोर्टल (http://coirbpard.nic.in) दक्षिण एशिया के लिए ग्रीन स्टोन अवलम्ब नेटवर्क (http://greenstonesupport.iimk.ac.in)

कुछ ऐसे पुस्तकालय सूचना केन्द्र है जिनका उल्लेख किया जा सकता है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय (भारत सरकार) द्वारा प्रायोजित आईआईएमके का महत्वाकंक्षी अंकीय पुस्तकालय परियोजन (http://iimk.ac.in/gsdl/cgibin/library) ने युनिवर्सिटी आफ बैकाटो न्यूजिलैंड के विश्व विख्यात ग्रीन स्टान से उदाहरण संग्रहण का दर्जा हसील किया है। एक अन्य युगान्तकारी घटन स्मार्ट कार्ड आधारित पंहुच नियंत्रण प्रणाली तथा स्मार्ट जेट आधारित ईयसुरक्षा प्रणालिका शुभारंभ रही है। सेवाओं की स्रखंला मे नवीनतम लीडरशिप कमपास है (http://leadership.iimk.ac.in) जिसका लक्ष्य प्रबंध बधून्ता की ओर अग्रसर होना है। आईआईएमके में एलआईसी एक अंकीय आह्लाद है, दिन में 24 घंटे उपलब्ध होता है और पूरे परिसर में विद्यमान है। यह कटिंग एज प्रोद्योग्की सहित डीजीटल ओडियो, विडियो और प्रिन्ट मीडिया का पूर्ण मिश्रण है। यह एक प्रतिष्ठित ज्ञान केन्द्र है जो संकाय छात्र और शोध विद्वानों के लिए उपल्ब्ध है। इसमें समसामयिक अंकों पर लगभग 2555 सीडी रोम प्रकाशन के अतिरिक्त प्रिन्ट रूप में 29975 से अधिक पुस्तके, 297 से अधिक जर्नल, 30000 से अधिक ई-पुस्तकें 3500 शोध जर्नल की जिल्द खंड, 15000 से अधिक कारपोरेट सुचनाएं और भारत और विदेश से 15500 से अधिक ई-जर्नल उपलब्ध है।

एलआईसी में श्रब्य/दृश्य युनिट मे 254 से अधिक शैक्षणिक विडियों होस्टर की है जिनमें प्रबंध की विधाओं की व्यापक श्रृंखला सम्मिलित है। वीडियों अंकिय पुस्तकालय सम्पूर्ण परिसर में शैक्षणिक विडियो तैयार करता है। कंपनियों. अद्योगों और बाजारों पर राष्ट्रीय और राष्ट्रीय डाटा बेस सहित विद्वतापूर्ण सुचना संबधी अनेक पूर्णपाठ/ग्रंथसूची सीडी. रोम स्थानीय

क्षेत्र नेटवर्क (एलएएन) के माध्यम से उपभोक्ताओं को उपलब्ध हे। पुस्तकालय वेब पोर्टल संसाधनों का एकिकृत नेटवर्क है। इसके अतिरिक्त, अन्तरिक संसाधनों के लिए वेब अधिरित अंतरा पृष्ट के रूप में कार्य करते हुए, पोर्टल सीचनै को अनुकूल साधनों के लिए लिंस भी प्रदान करता है। आईआईएमके आईआईएम पुस्तकालय संकाय और साथ ही मानव संसाधन विकास मंत्रालय आईआईएमके आईआईएम पुस्तकालय संकाय और साथ ही मानव संसाधन विकास मंत्रालय आईएमडीईएसटी संकाय (http://paniit.iitd.ac.in/indest/) में सक्रिय सदस्य है। एलआईसी में उपलब्ध दस्तवेज के बराबर वार्षिक स्वरूप लगभग 5 करोड़ है। सीमावर्ती शोध और दिपक्षीय औद्योगिक आर्थिक संबंध को बढ़ाने की दृष्टि से, संकाय के शैक्षिक प्रकाशन और संस्थान के शोधकर्ताओं को उपलब्ध कराया जाता है और उन्हों संस्थानिक निधान डीस्पेस @ आईआईएमके (http:// dspace.iimk.ac.in) को सहज पहुंत तक बास्ट किया जाता है। इस शैक्षिक अभिलेखागार का दर्पण ई प्रिन्टस @ आईआईएमके (http://eprints.iimk.ac.in) के रूप में भी प्रकाशित किया जाता है। आईआईएमके यूरोपीय संघ और आशियान देशों में विशेष दस्तावेज केन्द्र भी विकसित कर रहा है।

अल लाईन सर्विस

1 ए वी आई/इनफार्म ग्लोबल (पूर्ण पृष्ठ जर्नल)
2 एसीएम डिजीटल लइबेरी (पूर्ण पृष्ठ जर्नल)
3 कारबार स्त्रोत (पूर्ण पृष्ठ जर्नल)
4 कर्मा. कोम
5 पूंजी
6 सी आई पी डी (चार्टर्ड कार्मिक और विकास संस्थान) सदस्यता
7 किरीसिल अनुसंधान
8 तिजिंस ज्ञान पोर्टल
9 डेलनेट सदस्यता
10 एमबरे. कामॅ
11 इमारल्ड अन्तः (पूर्ण पृष्ठ जर्नल)
12 एलसेवियर विज्ञान (प्रत्यक्ष विज्ञान) (पूर्ण पृष्ठ जर्नल)
13 वित्त टाईम्स आन लाईन (एफ टी कमॅ)
14 जी एम आइ डी
15 आईईईई आन लईन (पूर्ण पृष्ठ जर्नल)
16 इनडयास्टाट. कामॅ
17 इनसाईट
18 अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय सांखिकी ब्राउसर
19 आई एस आई विकासशील बाजार
20 जेसीसीसी
21 जऐसटीओआर
22 पुस्तकालय प्रेस संप्रदर्शन (समाचार पत्र आन लाइन)
23 बाजारीय आँकड़े
24 ओ ई सी डी मासिक अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार
25 ओ ई सी डी उध्योक विश्लेषण आँकड़े
26 आधुनिक परियोजनाएं
27 मानस लेख (पूर्ण पृष्ठ जर्नल)
28 सादा एसएस क्लेशन (पूर्ण पृष्ठ जर्नल)
29 स्प्रिंग्रल आन लाइन (पूर्ण पृष्ठ जर्नल)
30 टेलर और फ्रांसिस आन लाइन (पूर्ण पृष्ठ जर्नल)
31 यूएन कामरेड आँकड़े
32 वार्क. कामॅ
33 विलें/ब्लेकवेल जर्नल (पूर्ण पृष्ठ जर्नल

सी डी रोम आकड़े

1. एलफा (सी एम आई ई)
2. बिजनेस बीकान (सी एम आई ई)
3. कार्पेक्स (सी एम आई इ)
4. कम्पनी की वार्षिक रिपोर्ट के आँकड़े (15000 कम्पनी)
5. आर्थिक आसूचना सेवा (सी एम आई ई)
6. प्रथम स्त्रोत (सी एम आई इ)
7. आई ई सी ओ (सी एम आई इ)
8. भारतीय हार्वेस्ट (सी एम आई इ)
9. भारतीय व्यापार (सी एम आई इ)
10. उद्योग विश्लेषण सेवा (सी एम आई इ)
11. एम आर एम आर
12. प्रोवेज़ (सी एम आई इ)

संग्रह विकास सांख्यिकी : 2011-2012

क्रम	संग्रह किये दस्तावेज की प्रकृति	बढ़त मात्रा. (लाखों में)	संचयीमान (संचयीमान)	मात्रा लागत	कुल परिसंपति
1	पुस्तकें, सीडीज़्, सीबीटीज़्	1344	31319	28	417.3
2	ई - पुस्तकें	-	30,000	2.11	11.82
3	जर्णलें (छपी)	-	297	48.21	554.39
4	काम्पेक्ट डिस्क / वेब पर डाटा संचयबिब्लिओग्राफिक एवं फुल टेक्ट्सओनलाइन कोरपोरेट आँकडा संचयमूल्य संवर्धित सेवायें / सूचना द्वार	1	47—	35—	313.77—
5	योग्यकर्ताओं के माध्यम से इ-जर्णल	-	15500+	-	-
6	प्रकाशकों से प्रत्यक्ष रूप से पूर्ण - मूल पाठ इ-जर्णलें	-	2279	50.16	141.1
7	शैक्षणिक वीडियो	3	262	00.075	8.85
8	ज़िल्द बँधे जर्णल	-	3514	-	
	कुल:			163.56	1447.23

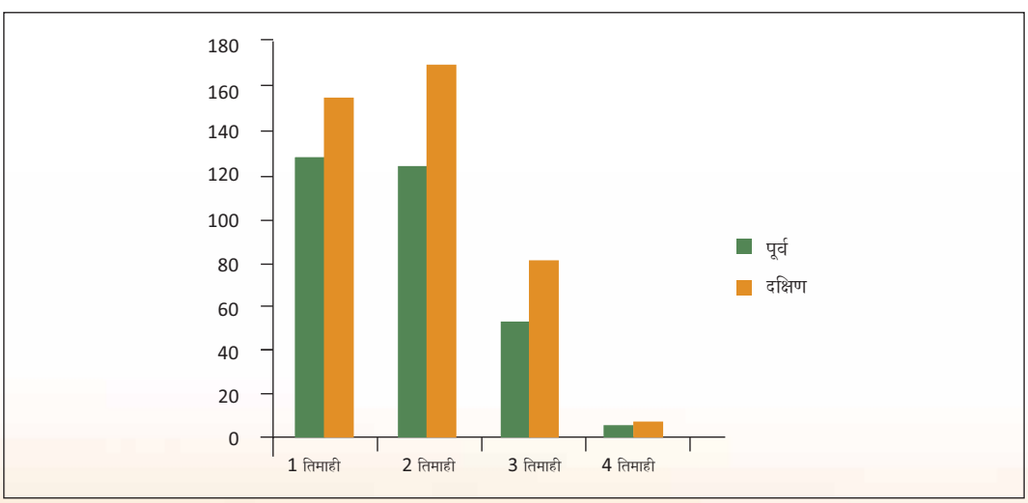

18 अगस्त 2012 में आई आई एम के के प्रो. देबाषिष चाटर्जी, निदेशक भारतीय प्रबंध संस्थान कोषिक्कोड केरल के माननीय मुख्य मंत्री तथा अन्य मंत्री मंडल को संग्रहालय की ओर ले जाते हैं।

भारतीय प्रबंध संस्थान कोषिक्कोड में भारतीय व्यावसायिक संग्रहालय

वर्ष 2010 के दौरान आई आई एम कोषिक्कोड ने भारतीय व्यावसायिक इतिहास संग्रहालय बनाने के लिए एक महत्वकाक्षी यात्रा शुरू की है, जिसके फलस्वरूप उक्त संग्रहालय में व्यवसाय से संबंधित ऐतिहासिक क्याकृतियाँ, वस्तुएँ, मूर्तियाँ नमूने, तस्बीरें, दस्तावेज चित्र आदि रखे जाएंगे। पुरातन एवं ऐतिहासिक शहर कोषिक्कोड (पहले कालिकट नाम से जाना जाता था) राज्य के दक्षिण भाग में स्थित है, जो 500 साल पहले वाख्यो-दा-गामा ने पदार्पण करने से इतिहास ही बदल गया था। वाणिज्य, व्यापार, व्यवसाय संघ तथा उद्योगों से तथा समृद्ध परम्परा से भारत के उपभूखंड में विस्तृत इतिहास में इस स्थान को श्रेष्ठ पद किया। अभी तक भारत में इस प्रकार का एक ऐतिहासिक व्यावसायिक संग्रहालय न अभिलेख प्राप्त हे। न निर्माण हुआ है। यह भारत के लिए राष्ट्रीय व्यावसायिक ऐतिहासिक संग्रहालय के लिए आवश्यक है।

आई आई एम के के इस विश्वोत्तर राष्ट्रीय संग्रहालय द्वारा इस दृष्टिकोण का निर्माण कर सकता है, कि, युवा उद्यमि लोगों को प्रोत्साहन एवं राज्य के व्यावसायिक उद्यम को आगे बढाने का मौका मिलता है।

भारतीय व्यावसायिक इतिहास के अमूल्य प्रदर्शन के, जिसके अन्तर्गत कला तत्वों की झुंड, वस्तुऐं, इकट्ठा करने वाले शिलालेख, चित्र, ऐतिहासिक प्रामाणित पत्रिकाऐं, लघु नमूने, दृश्य एवं श्रव्य माध्यम, डिजिटल वस्तुऐं, किताब आदि इकट्ठा करने की प्रक्रिया से यह मिशन प्रदर्शन एवं संरक्षण संभव होता हैं। भारत के उपभूखंड में कई सालों से होकर भारत के व्यावसायिक इतिहास के अमूल्य निधी को सही ढंग से प्रस्तुत करने वाली क्रमबद्ध तरीके से वाणिज्य विकास, व्यापार,व्यवसाय आदि की रूपरेखा प्राप्त होता है।

इस संग्रहालय से अनुयोज्य पावत्ति से भारतीय व्यावसायिक नेता/संस्था , भारत के व्यावसायिक सक्षम अन्वेषकों को प्रोत्साहन प्राप्त होता है, साथ-साथ भारत के उभरने वाले व्यावसायिक उद्यमों को भी प्रोत्साहन मिलते हैं।

हर तरह से प्रथम आने वाले भारत के व्यावसायिक संग्रहालय कई साल से होकर आई आई एम के के निर्माण क्षेत्र में आते हैं, जो उद्घाटन तैयार कर रखा है। संग्रहालय के प्रथम चरण पूर्ण होगया है।संग्रहालय के भिन्न विषय के आधार पर किए गए कार्य जैसे पुरातन, मध्य कोलोनियल, स्वतंत्रता पूर्व, स्वतंत्रता के बाद, व्यावसायिक क्षेत्र, लोक क्षेत्र, बैंकिंग क्षेत्र, तकनीकी क्षेत्र वैयक्तिक योगदान, आधुनिक भारत के निर्माता जैसे कार्य पूर्ण हो गए।

संस्था ने रु. 1.5 करोड, प्रथम चरण को पूर्ण करने के लिए उपयोगित किया गया है।मलबार चेंबर ओफ कमेर्स ने संग्रहालय के लिए मलबार पवलियन, सबसे बडे उरू, जो भारत और अन्य देशों के बीच व्यापार, वाणिज्य के लिए उपयोग करने वाले जहाज है, दान दिए हैं।संग्रहालय की विस्तृति 23000 स्क्वयर फूट है।

भारत के एक इजन से अधिक सहवर्ति कंपनियाँ संग्रहालय में अपने अलग खेमा तैयार किया है। टारा, गोदरेज, रिलाइन्स, एस बी आई, इनफोसिस एव एफ ए सी टी जैसे कंपनियाँ इस प्रकार प्रस्तुत है। बजाज, संहारा ग्रूप और आई सी आई सी जैसे कंपनियां जल्दी से इस संग्रहालय ने जोड़ा जाएगा।

रिसर्व बैंक ऑफ इंडिया (आर बी आई) भी संग्रहालय में सबसे अलग स्थान प्राप्त किय है। भारतीय अन्तरीक्ष अनुसंधान आयोग (आई एस आर ओ) भी अपना मंडप अलग रूप से तैयार किया है।

संग्रहालय के प्रसंग को (श्री ऊम्मन चांडी, केरल के आदरणीय मुख्य मन्त्रि) ने मंत्रि मंडल और निदेशक प्रो देपाशिष चटर्जी की प्रस्तुति में आगस्त 18 , 2011 को पर्दा फाश्त किया।

प्रो देबाशिष चटर्जी, आई आई एम के निदेशक ने राज्य के उन सहकरणों संस्थाओं, व्यावसायिक नेता तथा एसिहासिक ज्ञान को प्रस्तुत किए लोगों को आभारी प्रकट करने के लिए प्रस्तुत अवसर का उपयोग किया, जिन्होंने व्यवसाय से संबंधित ऐतिहासिक लेखनत्व, वस्तु, शियालेख, नमूने, चित्र, कानूनी कागजात विवरण औ अनुयोज्य पावत्ती की रसीद, कानूनी तौर पर खूबध्यान देकर संग्रहालय में सुरक्षित रूप में संरक्षित किया है। जो व्यक्ति संग्रहालय में किसी वस्तु का दान करना चाहता है या पूछ ताघ के लिए संयोजक, भारतीय व्यावसायिक संग्रहालय, भारतीय प्रबंध संस्थान, कोषिक्कोड आई आई एम के परिसर पी ओ कालिकट- 673 570 भारत (दुरभाष : 0495-2809140, मोबाइल : 9447654066, ई-मेल - mgsree@iimk.ac.in

परिसर विकास

अन्तरसंरचनात्मक आवश्यकता के साथ परिसर विकास कार्यक्रम के दौरान, संस्था की उच्चन्म प्राप्ति के अन्तर्गन आनेवाले अन्य तत्वों के साथ वर्षांत में 320 छात्रों को पी जी पी जैसे उत्कृष्ट कार्यक्रम में भागीदार बना दिया।

इस साल में कोंपस के चरण IV (सी.पी. डब्ल्यू डी द्वारा सौपे गए) के निर्माण, प्रबंध विकास कार्यक्रम भवनों (एम डी पी) के निर्माण पार्श्विक रूप से पूर्ण किया। साथ-साथ एम डी पी कॉम्प्लेक्स के परिचालन उसके आन्तरिक संरचना और अनुयोज्य कार्य इस साल में शुरू होंहे। भिन्न कार्यकारी प्रबंध कार्यक्रम में भाग लेने वाले भागीदारों के लिए एम डी पी भवन में शैक्षिक एवं आवसीय सुविधा प्राप्त होगए। इस भवन में 45 सीटों वाले उकक्षा, 70 सीटों वाले तीन कक्षा, सभागारनुमा 300 से अधिक सीटों वाची संगोष्ठी कक्षा और अन्य सुविधाओं जैसे कार्यालय स्थान, तन्दुरुस्ती केन्द्र, छोरे पुस्तकालय एक आयुर्वेदिक स्वास्थ्य वद्धक केन्द्र, रसोई से युक्त खाने की कक्षा आदि है।

इन प्रमुख मरमत प्रवृत्तियों के साथ परिसर के आन्तरिक संरचना, पेईरिंग एवं सहबंध मरमत कार्य भी चरण और दो शैक्षणिक एवं आवसीय भवनों में, इस साल में हुआ है।

चित्रमथ सेटिंग्सों में उत्कृष्ठ और अत्याधुनिक अवसंरचनात्मक सुविधाओं को प्रदान करने के अतिरिक्त, परिसर में एक पोषणीय और पर्यावरण-हितैषी जल संग्रहण प्रणाली भी है, जिसमें वर्षाजल संग्रहण के भंडारण के लिए लग भग 55,000 घनमीटर (यानी 5.5 करोड लिटर) की क्षमता वाला दलाशय है। हमें यह बताते हुए अत्थंत गर्व होता है कि हमारा संस्थान देश में ऐसे बहुत कम संस्थाओं को पूरा करके सफलता पूर्वक वर्ष जल संग्रहण को कार्यान्वित किया है। इसके अतिरिक्त, हमने पर्यावरण हितैषी-उपाय, अनेक अन्य उधान सिंचाई के लिए अपचरित अपाशिष्ट जल पुनर्चक्रण और भूमि कटाव नियंत्रण जैव डीग्रेडबल कॉयर जिओ टेकस्टाईल्स को प्रयोग करके परिसर के अंदर सड़क संरक्षण और अन्य तटबंध जैसे अनेक अन्य पर्यावरण-हितैषी उपाय अपनाएँ गए हैं।

संस्था में विजली की प्रतीक्षित अतिवर्धक आवश्यता को दृष्टि में रखते हुए संस्था में कायम रहने वाले विजली की बढती सुविधा को लाने की कोशिश की है।

इसके अलावा समय समय पर अनेक उत्कृष्ट निर्माण कार्यक्रम भी चलाया जाता है, जो संस्था के बढने वाले शैक्षणिक आवश्यकता के साथ संस्था में कायम रहने वाले मूल्ययुक्त सुविधा के रूप में जोडा जाता है, वब कैंपस विकास में प्रमुख भूमिका निभाती है।

वैयक्तिक

31.03.2012, 2012 तक संस्था के कुल संकाय सदस्यों की संख्या 77 है। 19 संकाय सदस्यों के अधिक पदों के निर्माण के लिए शासक मंडल द्वारा अनुमोदन भी प्राप्त किया।

इस साल में एक सहयोग संकाय सदस्य को संकाय सदस्य और एक सहायक संकाय सदस्य को सहयोग संकाय सदस्य के रूप में पदोन्नत किया।

इस साल के समीक्षा के अन्तर्गत एक पारदर्शी सहयोगी संकाय सदस्य, सहयोगी संकाय सदस्य के रूप में तथा दो पारदर्शी सहायक संकाय सदस्य सहायक संकाय सदस्य के रूप में पदोन्नति देकर नियुक्ति किया गया।इन सबके अलावा तीन सहयोगी संकाय सदस्य, पाँच सहायक संकाय सदस्य एक पारदर्शी संकाय सदस्य और छह पारदर्शी सहायक संकाय सदस्य को भी संस्था ने नियुक्त किया।

साल के दौरान एक पारदर्शी संकाय सदस्य, एक पारदर्शा सहयोग संकाय सदस्य और एक पारदर्शी सहायक संकाय सदस्य को उनके अवधी पूर्ति के दौरान संस्था से छुटकारा पा लिया।

डॉ संजय झरकारिया, सहयोगी संकाय सदस्य ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अनुमोदन से दौरान जनवरी 2012 के अवधी में फरवरी 12, 2012 से जून 06, 2012 तक के समय में दूसरी बार एशियायी तकनीकी संस्थान बैंककोक में प्रतिनियुक्ति पायी ।

वर्षांत में संस्था के संकाय सदस्यों के व्यक्तिगत रूपरेखा के अनुसार 59 सदस्य हैं।

मार्च 31, 2012 तक नियमित कर्मचारियों की अनुमोदित संख्या निम्न लिखित है।

अनुमोदित सदस्यों की संख्या - 85	नियमित सदस्यों की संख्या - 56

नए नियुक्ति

निम्न लिखित नए कर्मचारियों ने 2011-12 वर्ष में संस्था में नियुक्त हुआ।

क्रम सं.	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
1.	श्री. रामदासन	अशुलिपिक -डी (कनिष्ठ सहायक के रूप में बदल दिया)	11.04.2011
2.	श्रीमती आशा बाबू के.	सहायक	09.05.2011
3.	श्री. सुबैर	सहायक अभ्यंता	10.06.2011
4.	श्री. अब्दुरहिमान पी	कनिष्ठ सहायक	08.12.2011
5.	श्री. एम रंजित	सहायक	29.12.2011

प्रतिनियुक्ति

श्री. मुरुगन एम प्रशासनिक अधिकारी आई आई एम तिरुचिरपल्लि के प्रशासनिक अधिकारी एवं निदेश के सचिव एक साल के प्रतिनुयुक्ति के बाद 02.04.2012 दोपहर को आई आई एम में दुबारा भर्ति पा लिया।

पदोन्नती

निम्न लिखित कर्मचारियों को 2011-12 साल में पदोन्नति के साथ नियुक्ति मिली।

क्रम सं	नाम	पदोन्नति से	के रूप में	भर्ति की तिथि
1.	श्री विनोद कुमार के.	सहायक प्रशा. अधिकारी	प्रशा. अधिकारी	03.10.2011
2.	श्री जोषी कुरीकोस	कनिष्ठ पुस्तकालय और सूचना सहायक	कनिष्ठ पुस्तकालय एवं सूचना सहायक के रूप में उच्चकम ग्रोड वेतन के लिए अनुमति प्राप्त किया।	03.10.2011
3.	श्री बिजू आर.	कनिष्ठ पुस्तकालय और सूचना सहायक	कनिष्ठ पुस्तकालय एवं सूचना सहायक के रूप में उच्चकम ग्रोड वेतन के लिए अनुमति प्राप्त किया।	03.10.2011
4.	श्री प्रशीब कुमार के.के.	सहायक	सहायक प्रशा. अधिकारी	16.12.2011
5.	श्री षाजी सी.पी.	सहायक	सहायक प्रशा. अधिकारी	16.12.2011
6.	श्री वी मधुसूदन	सहायक	अधीक्षक	16.12.2011

असाधारण छुट्टी

डॉ गोपाल चौधरी, सहयोग संकाय सदस्य ने जून 29 2011 के बाद एक साल तक के अवधी में भारतीय आयोजन एवं प्रबंध संस्थान कोलकत्ता के संकाय सदस्य एवं डीन के रूप में नियुक्ति होने से असाधारण छुट्टी अनुमोदित किया गया।

वृत्तिका विकास

नियमित कर्मचारी के लिए कर्मचारी सक्षमता एवं विकास निधी (एस सी ई डी एफ) की अनुमति दिया गया।यह वेतन कायम रहने वाले मूल वेतन के लगभग पाँच गुना होगा, जो इस वित्त वर्ष में 2011-12 में कर्मचारियों को प्रोत्साहन एवं संगठनात्मक विकास की पुष्ठीसंभव होता है। साथ-साथ वृत्तिक रूप से कार्य क्षेत्र में प्रतिभागी होने की स्थिति 2012-13 में जारी हो जाए।

निम्नलिखित संकाय सदस्य एवं कर्मचारी सदस्यों को कार्यशाला/संगोष्ठी एवं सम्मेलन में भाग लेने के लिए चुने गए, तथा उनको अपने विभिन्न निबंधों को भिन्न सम्मेलम प्रस्तुत करने का मौका मिला।

राष्ट्रीय स्तर

डॉ. गापाल चौधरी ,सहयोगी संकाय सदस्य सीएआरआईएसएमए- आई आई एम कलकत्ता नामक कार्यशाला, सर्वशुभवाद तरीके एवं वित्तीय प्रयुक्ति पर अप्रैल 06-09, 2011 को आई आई एम कलकत्ता में आयोजित कार्यशाला में उपस्थित रहे।

डां जी. आनंद, सहायक संकाय सदस्य ने मई 07-08-2011 भारत के जयपूर पर अभियांत्रिकों की संस्थान द्वारा चलाए उत्पाद अभियाँत्रिकों की 26 वाँ राष्ट्रीय सम्मेलन और वि उत्पादन तकनीकी के नए आयाम पर राष्ट्रीय संगठन।

डाँ. मनोरंजन धाल, परिदर्शक सहयोग संकाय सदस्य ने मई 12, 2011 में गोआ, भारत के समय, प्रायोगिक व्यवहारिक विज्ञान के भारतीय समाज द्वारा आयोजित वृत्तिका विकास कार्यक्रम में उपस्थित हुआ।

डाँ. संजय झरकारिया, सहोयग संकाय सदस्य ने मई 14-15, 2011 में नोइडा, भारत में सी एस आई गाज़ियाबाद और महामाया तकनीकी विश्वविद्यालय, यू.पी में आयोजित, सूचना एवं विनिमय में सफलता और संरंभ के बारे में दूसरा राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

डाँ. सुदर्शन कुन्दालुरु, परिदर्शक, सहयोग संकाय सदस्य ने मई 18, 2011, मुंभाई, भारत में सी. आई आई और एन आई एस एम द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग स्तर-विषय में एक दिन के कार्यक्रम में हाजिर हुआ।

डा. विक्रम बइनिपती, परिदर्शी सहयोग संकाय सदस्य जून 28-30, 2011 नासिक भारत में संयुक्त प्रबंध संस्तान द्वारा आयोजित परिचालन एवं प्रबंध के परिसीमा पर चलाए गए दसवाँ अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन पर हाजिर हुआ। आपके भारत के दृश्यमान व्यवसायः आपूर्ता श्रंखला के आयोजनात्मक समीक्षा। प्रो. एम. पी. सेवास्सयन, प्रोफेसर , सितंबर 28-30, 2011 बैंगलूर भारत में एस ए पी लबोरटरीस द्वारा आयोजित एस ए पी व्यवसाय रूपरेखा कार्यशाला द्वारा में उपस्थित हुआ।

प्रो. सुभाषिष दे, सहायक संकाय सदस्य, अक्तुबर 14-15, 2011 कोलकत्ता, भारत में भारतीय प्रबंध संस्थान, कोलकत्ता तथा भारतीय प्रबंध संस्थान अहम्मदाबाद दोनों संयुक्त रूप से आयोजित "प्रबंध शिक्षा : आगे के रास्ता-वैश्वीकरण से लयकार" विषय पर चलाए दो. दिन के सम्मेलन में उपास्थित हो गए।

प्रो. कौशिक गंगोपाध्याय, सहायक संकाय सदस्य, अक्तूबर 21-25, कोलकत्ता, भारत में साहा आणविक भौतिक विज्ञान संस्था, कोलकत्ता द्वारा आयोजित आर्थिक-भौद्धिक विज्ञान कोलकत्ता VI व्यवस्थापित जोखिम तथा नेटवर्क गतिशील पर आर्थिक-भौतिक विज्ञान।

प्रो. जी वैंकट रामन, परिदर्शी संकाय सदस्य, नवंबर 08-09-2011 हाईदराबाद, भारत में आई सी एस राजनीतिक विज्ञान विभाग, केन्द्रीय परिदर्शी संकाय सदस्य, नवंबर 8-9-2011, हाईदराबाद, भारत में आई सी एस राजनीतिक विज्ञान विभाग, केन्द्रीय विश्वविद्यालय हाईदराबाद द्वारा आयोजित चैका-अध्ययन विषय में अखिल भारतीय सम्मेलन में हाजिर हुआ, तथा 'चैना के उभर आना' विषय को आपने प्रस्तुत किया।

प्रो.जी. आनंद, सहायक संकाय सदस्य, नवंबर 10-12, 2011 पिताजी, राजस्थान, भारत में आई सी एस. राजनीतिक विज्ञान विभाग, केन्द्रीय विश्वविद्यालय हाईदराबाद द्वारा आयोजित चैना-अध्ययन विषय में अखिल भारतीय सम्मेलन में हाजिर हुआ, तथा 'चैना के उभर आना' विषय को अपने प्रस्तुत किया।

प्रो जी आनंद, सहायक संकाय सदस्य, नवंबर 10-12-2011 पिलानी, राजस्थान, भारत में बिर्ला तकनीकी एवं वैज्ञानिक संस्था, (बी आई टी एस) पिलानी द्वारा आयोजित "धारणीय निर्माण कार्यक्रम मुद्दे, रीती एवं अभ्यास विषय पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन पर हाजिर हुआ। इस मौके पर अपने कम उत्पादक प्रक्रिया में साहित्य के मेरा-डैरा की विश्लेषण का प्रयोग विषय को प्रस्तुत किया।

प्रो राजेष एस उपाध्यायुला, सहायक संकाय सदस्य नंवंबर 18-20, 2011, दोना पौला गोआ, भारत में भेंड वैश्विक ज्ञान मेय www.fgks.in द्वारा अग्योमेरेशन तकनीकी संचय तथा नेटवर्क विषय में चलाए सम्मेलन में उपस्थित हुए।

प्रो सुदर्शन कुन्दालुरु सहयोग संकाय सदस्य, दिसंबर 05, 2011, नई दिल्ली, भारत में भारत के महा लेखाकार संख्या द्वारा वैश्विक, व्यापार शिक्षा का शिखर सम्मेलन में न्योता दिये गए प्रतिभागी रहे तथा आपने अपने शोध प्रवंध के विषय आई एफ आर एस को ही सम्मेलन में प्रस्तुत किया है।

प्रो वेंकिट रामन पारदर्शी सहायक संकाय सदस्य दिसंबर - 08-10, 2011, बैंगलूर, भारत में भारतीय प्रबंध संस्थान बैंगलूर द्वारा आयोजित बी आर आई सी राज्यों में उद्यमः अन्तर्राष्ट्रीय नमूने तथा मार्ग दिर्देश पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में हाजिर हुआ।

प्रो. लक्ष्मी एस लाढ़ा, पारदर्शी संकाय सदस्य दिसंबर 08-10, 2011, बैंगलूर, भारत में आर वी प्रबंध सस्था द्वारा आयोजित वैश्विक प्रतियोगिताओं के लिए सफल रणनीति विषय में चलाए गए सम्मेलन पर हाजिर होने के साथ व्यावहारिक वित्तीय द्वारा प्रतिभागी लाभ के लिए सुधार कार्य विषय को भी प्रस्तुत किया है।

दिसंबर 9-12, 2011 अलहबाद, भारत में आचरण एवं संबध विज्ञान, अलहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'निर्णय निर्माण' के विषय में चलाए गए अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन पर हमारी संस्था के परिदर्शी सहायक संकाय सदस्य प्रो. वर्षा सिंह, जिसकी अनुपस्थिति में उनके द्वारा तैयार किए-'पुरस्कार-दण्ड; / लोआ जुए में अतिसंवेदन कामः भिन्न मतभेद" विषय को प्रस्तुत किया गया।

प्रो. क्रिष्णा के लाढ़ा, संकाय सदस्य, दिसंबर 12-13, 2011 हाईदराबाद विश्व के लोक-उद्यम संस्थान राजस्थान केन्द्रीय विश्व

विद्यालय हाईदराबाद के सी आर, राऊ अग्रिम गणित साँखियकीय, एवं कंप्यूटर विज्ञान संस्था द्वारा आयोजित 'नीति तथा निर्णय पर खेल- सिद्धान्त का प्रयोग" विषय पर हुए सम्मेलन में उपस्थित हुआ। साथ-साथ अवधारणा युक्त योक-सूचना का विरोधाभास ।

प्रो. लक्ष्मी एस-लाढा, परिदर्शी संकाय, दिसंबर 12-13, 2011, हाईदराबाद विश्व के लोक-उद्यम संस्थान राजस्थान केन्द्रीय विश्व विद्यालय हाईदराबाद के सी आर, राऊ अग्रिम गणित साँखियकीय, एवं कंप्यूटर विज्ञान संस्था द्वारा आयोजित 'नीति तथा निर्णय पर खेल- सिद्धान्त का प्रयोग" विषय पर हुए सम्मेलन में उपस्थित हुआ।

प्रो. जी. वेंकट रामन, परिदर्शी सहायक संकाय सदस्य दिसंबर 12-14, 2011 त्रिश्शूर, के भारत में श्री केरला वर्मा कॉलेज, त्रिश्शूर द्वारा आयोजित "60 साथ के चीनी-भारत के बीच, आपसी रिश्ताः अन्तर्राष्ट्रीय संबध पर बहुआयाम विषय पर चलाए गए सम्मेलन में उपस्थित हुए।

प्रो. राजेष एस उपाध्यायुला, सहायक संकाय सदस्य दिसंबर 18-20, 2011 बैंग्लूर भारत में, भारतीय प्रबंध संस्था, बैंग्लूर द्वारा

आयोजित शैक्षिक प्रबंध सम्मेलन में भाग लिया, तथा "वृत्तिक सेवा क्षेत्र में भिन्न निहितार्थ का पालन सहक्रिया की भुमिका" विषय पर एक निबंध भी प्रस्तुत किया।

प्रो, सप्तर्षी पुरकायस्ता, दिसंबर 18-20, 2011, बैंगलूर भारत में भारतीय प्रबंध संस्थान बैंगलूर द्वारा आयोजित शैक्षिक प्रबंध सम्मेलन में भाग लिया, तथा 'भारत की व्यावसायिक ग्रूपों का प्रभाव' विषय पर निबंध भी प्रस्तुत किया।

प्रो. मनीष कुमार, परिदर्शी, सहायक संकाय सदस्य दिसंबर 18-20, 2011, बैंगलूर, भारत में भारतीय परबंध संस्थान, बैंगलूर द्वारा आयोजित 'भारतीय वित्त सम्मेलन (आई एफ सी-2011) में उपस्थित हुआ। आपने "विभिन्न विभाग के, उभरती विपणन की प्रासंगिकताः जोखिम संरचनात्मक घटने पर विश्लेषण' विषय पर निबंध प्रस्तुत किया।

प्रो.एस एस एस कुमार, सहयोगी संकाय सदस्य ने दिसंहर-21-23, 2011, बैंगलूर, भारत में आई आई एम बैंगलूर द्वारा आयोजित भारतीय वित्त सम्मेलन, 2011 (आई एफ सी) में भिन्न खन्ने पत्र के दौरान उभरते विपणन की प्रासंगिकताः जोखिम संरचनात्मक कार्यक्रम क्ष विश्लेषण।

प्रो. सुदर्शन कुन्दालुरु, सहयोग संकाय सदस्य, दिसंबर 21-23, 2011, बैंगलूर, भारत में, भारतीय परबंध संस्थान बैंगलूर तथा भारतीय प्रबंध संस्थान कोलकत्ता के सयोग द्वारा आयोजित 'भारतीय वित्त सम्मेलन- 2011 (आई एफ सी-2011) में भाग लिया, तथा "मंडल की विशेषताएं तथा सहकारी मूल्यः भारत से प्राप्त प्रमाण" विषयक निबंध प्रस्तुत किया।

प्रो रीना कोहली, पारदर्शी सहायक संकाय सदस्य दिसंबर 21-23, 2011, बैंगलूर, भारत में, भारतीय प्रबंध संस्थान, बैंगलूर में आयोजित 'भारतीय वित्त सम्मेलन- 2011 (आई एफ सी-2011) में भाग लिया तथा आपने भारतीय सीमाओं पर स्थित धन संपादक परस्ताव प्रदान किए कंपनियों का प्रभाव 'विषय पर निबंध भी प्रस्तुत किया।

प्रो जोशी जोसेफ, सहायक सेकाय सदस्य, दिसंबर 29-30, 2011, चेन्नाई, भारत में, भारत में विपण शिक्षा परदान करने के दौरान उत्तर अमरिका समाज द्वारा आयोजित "पाँचवाँ महा समुद्र एन ए एस एम आई विपणन सम्मेलन" में भाजीदार हुए तथा "क्या आप संगीत से बोलवाला रखते हो? उत्पाद्य चुनाव में इसका प्रभाव" विषय तथा 'परोपकार या सहयोग सी एस आर कंपनियों के पहल पर जाँच' विषय पर आपने उपयुक्त सम्मेलन में निबंध तैयार किया है।

प्रो. सुदर्शन कुन्दालुरु , सहयोग संकाय सदस्य, दिसंबर 29-30, 2011, गोरखपूर, भारत में आई आई टी गोरखपूर द्वारा आयोजित अन्तरसं रचनात्मक वित्तीय सीमा अविषय में अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उपस्थित हुए। अपने "भारतीय अन्तरसंरचनात्मक कंपनियों के वास्ते आई एफ आर एस से क्या मत्लब है? सत्ना क्षेत्र से सवूत" विषयक प्रबंध भी प्रस्तुत किया।

प्रो. आर राधाकृष्ण पिल्लै, संकाय सदस्य, जनवरी 1-4, 2012, फेडरेशन फौर लिवरल एवं प्रबंध शिक्षा (एफ एल ए एम ई) पूने, भारत में ए आई एम, एस अन्तार्राष्ट्र द्वारा आयोजित प्रबंध में वाँ ए आई एम एस अन्तार्राष्ट्रीय सम्मेलन" में उपस्थित हुए।

प्रो, अथानु अधिकारी, पारदर्शी सहायक संकाय सदस्य, जनवरी 12-14, 2012, आई आई एम एल नोइडा कैंपस, भारत में भारतीय प्रबंध संस्थान लगनाऊ द्वारा आयोजित विपणन सम्मेलन 2012, (मारकोन-2012) में उपस्थित हुए। आपने बिक्री लक्ष्य को बढ़ाने की दृष्टि से इच्छित नमूने के अनुकूल एवं असरदार विज्ञान' विषय में एक निबंध प्रसन्न किया।

प्रो. आनन्दक्कुट्टन बी उन्नियान, जनवरी 14, 2012, मुम्बाई, भारत में एस पी जेन प्रबंध एवं, अनुसंधान संस्था द्वारा आयोजित विपणन शिक्षण में सुधार विषय के संगोष्ठी में उपस्थित रहे ।

प्रो. ओमरुमार कृष्णन, सहयोग संकाय सदस्य, जनवरी 14, 2012, मुम्बाई, भारत में एस पी जेन प्रबंध एवं अनुसंधान संस्था द्वारा आयोजित विपणन शिक्षण में सुधार विषय के संगोष्ठि में उपस्थित रहे।

प्रो. कृष्णा के लाढ़ा, संकाय सदस्य, जनवरी 24-26, 2012, चेन्नाई, भारत में अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक विकास सहयोग (आई डी ई एस) द्वारा आयोजित 'प्रतिकूल समय में वैश्विक आर्थिका पूँजीवादी ट्राजंकरीस प्रगति विषय पर चलाए गए दसवाँ सालगिरह सम्मेलन में भाग लिया।

प्रो. लक्ष्मी एस लाढ़ा, परिदर्शी संकाय सदस्य, जनवरी 24-26, 2012, चेन्नाई, भारत में अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक विकास सहयोग (आई डी ई एस) द्वारा आयोजित 'प्रतिकूल समय में वैश्विक आर्थिका पूँजीवादी ट्राजंकरीस प्रगति विषय पर चलाए गए दसवाँ सालगिरह सम्मेलन में भाग लिया।

प्रो टी एन कृष्णन, सहायक संकाय सदस्य फरवरी 02-04, 2012 को सामाजिक शिक्षा संगठन द्वारा आयोजित पद्धति परिदृश्य से प्रशिक्षण पर कार्यशाला में भाग लिया।

ड़ॉ एम जी श्रीकुमार, पुस्तकाध्यक्ष, 12-09-2011, को तिरुवनन्तपुरम के क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्था (ए आई आर और डी डी) पर आयोजित डिजिटलाईसेषन आँ लाईब्रेरी और आरचीवल मैटेर्स विषयक कार्यशाला में टिजिटल अधिकार, प्रबंध डिजिटल पुस्तकालय एवं संस्थागत भण्डार विषय पर भाषण प्रस्तुत किया है।

डॉ. एम.जी. श्रीकुमार पुस्तकाध्यक्ष, 28-30, सितंबर 2011, क्राईस्ट विश्वविद्यालय बैंगलूर में आयोजित पत्रिका प्रकाशन के दौरान दूर-दूर तक ज्ञान फैया भाँटने की प्रक्रिया पर राष्ट्रीय सम्मेलन पर उद्घाटक प्रमुख रहे। आपने ज्ञानात्मक प्रकाशन के प्राकृतिक वदलाव विषय के बारे में भाषण भी दे दिया।

डॉ. एम.जी. श्रीकुमार पुस्तकाध्यक्ष, नवंबर - 3, 2011, होटल ताज, कोपिक्कोड में आयोजित सम्मेलन में डिजिटली लिटरजी और आई सी टी क्षमतायुक्त शिक्षण एवं स्कूल की पढ़ाई विषय पर भाषण देने के लिए सन्निहित रहे।

डॉ. एम.जी. श्रीकुमार पुस्तकाध्यक्ष, नवंबर - 15-17, 2011, विश्वभारती, शांति-निकेतन, पश्चिम बंगाल में आयोजित ज्ञान, पुस्तकालय एवं सूचना नेटवर्किंग के 14 वाँ राष्ट्रीय सम्मेलन में शौक्षिक एवं अनुसंधान संस्था में विश्वितापूर्ण ज्ञान प्रबंध के लिए संस्थागत भण्डार विषय में मुख्य प्रभाषक रहे।

डॉ. एम.जी. श्रीकुमार पुस्तकाध्यक्ष, दिसंबर - 7-9, 2011, आई आई एम अहम्मदावाद के भविष्य के पुस्तकालय रणनीति पर राष्ट्री सम्मेलन में 21 वाँ शती के सूचना प्रबंध रणनीति विषय के प्रभाषक रहे, तथा "डिजिटल पुस्तकालय सेवा" विषयक पत्रिका को भी आमंत्रित किया।

डॉ. एम.जी. श्रीकुमार पुस्तकाध्यक्ष, दिसंबर - 27, 2011 में कलपाक्कम चेलाई के इंदिरा गाँधी आणविक अनुसंधान केन्द्र (इ.ग.आ.अ.के.) पर चलाए गए सूचना प्राद्योगिकी आर ई ए डी आई टी 2011, पर राष्ट्रीय सम्मेलन में डिजिटल रमनीतिक के अभिलेख के संकाय सदस्यों के लिए पूर्व शैक्षिक सम्मेलन पर आमंत्रित किया गया।

डॉ. एम.जी. श्रीकुमार पुस्तकाध्यक्ष, दिसंबर - 28, 2011 में कल्पाक्कम चेन्नाई के इंदिरा गाँधी आणविक अनुसंधान केन्द्र (इ.ग.आ.अ.के) पर आयोजित "अग्रिम डिजिचल पुस्तकालय अन्तरसंरचना" विषयक अग्रिम सूचना प्राद्योगिकी (आर.ई.ए.डी.आई.टी. 2011) पर चलाए राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य प्रभापक रहे।

डॉ. एम.जी. श्रीकुमार पुस्तकाध्यक्ष, जनवरी - 21, 2012 में डॉ मज्ञलिंगम् इजिनीयरिंग एवं तकनीकी कॉलेज पोल्लाच्ची में के, डिजिटल युग में पुस्तकालय सेवा-सुधार पर राष्ट्रीय सम्मेलन में अग्रिम डिजिटल सेवाएँ विषय पर मुख्य प्रभावक रहे।

डॉ. एम.जी. श्रीकुमार पुस्तकाध्यक्ष, जनवरी - 30, 2011, हाईदराबाद के डॉ चेन्नाई रेड्डी संस्था, आन्द्रा प्रदेश में संकाय सदस्य के रूप 'लोक पुस्तकालय क्षमता विकास कार्यक्रम पुस्तकालय राष्ट्रीय शिक्षक मंडल, राष्ट्रीय ज्ञान आयोग और राजा राम मोहन रोय पुस्तकालय स्थापक (आर आर आर एल एफ)- द्वारा आयोजित किया गया है।

श्री. एन. रामचन्द्रन, कार्यकारी (प्रणाली विश्लेषक के रूप में तर्की हो गए है), कंप्यूटर केन्द्र, 15-03-12 से 16-03-12 तक कोयम्पत्तूर के पास मरुतमलै में स्थित भारतीयार विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दो दिन के ग्रिड और क्लौड कंप्यूटिंग - 2012 विषय के राष्ट्रीय कार्यशाला में उपस्थित रहे।

अन्य

डॉ कुलबूषण बलूनी, सहयोगी संकाय सदस्य, सितंबर 22, 2011, में भारत सरकार के पर्यावरण एवं तक मंत्रालय द्वारा आयोजित "प्रामाणिक मौसम संरक्षण

एवं वन रोपन कार्यक्रम' के विशेषज्ञों के अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन/संदर्श

प्रो, कृष्णा के लाढ़ा, संकाय सदस्य, मार्च 31- से अप्रैल 03, 2011 तक यू एस ए, के चिकागो, आई एल में आयोजित "मध्यपश्चिम विज्ञान संघ के वार्षिक सम्मेलन में उपस्थित रहे, तथा आपने "सहयोग शासन में अरस्तु के राजनीतिः सामान्य पीज़ीं के तौर पर" विषयक पत्र भी प्रस्तुत किया

प्रो. संजय झरकारिया सहयोगी संकाय सदस्य, जुलै 12-15, 2011, कुलालंपूर, मलेशिया में राष्ट्रीय नायपी विश्वविद्यालय, इलक्ट्रोणिक व्यावसायिक प्रबंध समाज कुलालंपूर द्वारा आयोजित सुधार एवं प्रबंध विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन पर उपस्थित रहे। वहाँ आपने (लीन एवं अधिग्रण पर) (आपूर्ति क्रंख्या मुद्दा) भारतीय संदर्भ की समीक्षा- विषक निबंध को प्रस्तुत किया।

प्रो. जोशी जोसफ, सहायक संकाय सदस्य, जुलै- 18-29, 2011, में राष्ट्रीय संगपूर विश्वविद्यालय में आयोजित ऐशियाई ग्रीष्माकालीन संख्या पर व्यावहारिक अर्थ शास्त्र' विषयक सम्मेलन में भाग लिए।

प्रो. सुदर्शन कुन्टलरू, पारदर्शी सहयोग संकाय सदस्य, जूलै 21-23, 2011, सिंगपूर में, सिंगपूर प्रबंध विश्व विद्यालय द्वारा आयोजित "वैश्विक व्यापार पर 12 वाँ अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन" में उपस्थित रहे। आपने सहयोगी शासन एवं क्षेत्रीय पालन करनाः भारत से प्रमाण" विषयक निबंध भी प्रस्तुत किया।

प्रो. अथानु अधिकारी, जुलै 22, 2011, रेयिम्स, फोस में आयोजित, प्रथम बार दो साल तक होने वाले संकाय सदस्यों के संगठन एवं विश्वविपणन सम्मेलन में आमंत्रित किया गया तथा आपको विपणन विज्ञान के शैक्षिक स्तर द्वारा नए शिक्षक के रूप में चलाए गए। साथ-साथ जुलै 19-23, 2011, रेयिम्स, क्लास में विपणन विज्ञान के शैक्षिक स्तर द्वारा आलोजित विश्व विपणन सम्मेलन में भी भाग लिया।

प्रो. स्थानु आर नायर सहायक संकाय सदस्य आगस्त 08-11, 2011, रोस स्कूल ऑफ विसिनेस मिचगन विश्वविद्यालय, आन आरबर, यू एस ए के आई आई पी एफ द्वारा आयोजित लोक वित्तीय अन्तर्राष्ट्रीय संस्था के 67 वाँ वार्षिक सम्मेलन में उपस्थित रहे, तथा, कर राजस्व पर भिन्न कर अनुपात का प्रभाव विषयक प्रवध भी वहां प्रस्तुत किया।

प्रो. नन्दकुमार, एम.के. सहायक संकाय सदस्य सितंबर 13-15, 2011, को ब्रिटीश अकादमी के प्रबंधन सम्मेलन, जो बरिंगहॉम के ऑस्टन विश्वविद्यालय में चलाया गया था, में उपस्थित रहे, तथा 'व्यावसायिक स्थर के रणनीति के, अनुभव के आधार पर तैयार होने की मानसिक स्थिति विषयक निबंध भी प्रस्तुत किया।

मि. वैभव चावला, एफ पी एम 01/7, एम विपणन क्षेत्र के छात्र, आगस्त, 12-16, 2011, में सान टेक्सास, यु. एस.ए. में आयोजित कामकाज स्थान पर आध्यात्िकता पर 71 वाँ वार्षिक सम्मेलन में उपस्थित रहे। आपने "प्रबंध में भारतीय खास विश्वास एवं विदेशी दृष्टिकारण के आधार पर काम के क्षेत्र में आध्यात्मिकता विषयक प्रबंध भी प्रस्तुत किया।

प्रो. जी तंकमणी पारीदर्शी सहायक संकाय सदस्य सितंबर 14-17, 2011, बैंकोक तायलैंट में चलाए गए आई आई आई ई एवं तमसार विश्वविद्यालय बैंकोक द्वारा आयोजित 2011, आई ई ई ई, गुण एवं क्षमता पर आई ई ई ई अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया। अपने जन्टरलाइस्ड स्टोकिस्ट पेट्रिक नेट के लूब ऑयल सिस्टम पर उपयोग के लभ्यता पर विश्लेषण विषय पर निबंध भी प्रस्तुत किया।

प्रो. टी एन. कृष्णन, सहायक संकाय सदस्य, अक्तूबर 13-15, 2011, लान अन्टोणियो टेक्सास यू एस ए में उत्तर अमरिका मामला अनुसंधान सहोग (एन ए सी आर ए) द्वारा आयोजित उत्तर अमरिका मामला अनुसंधान सहोयग, 2011, वार्षिक सम्मेलन वैश्विक व्यापार सम्मेलन में उपस्थित रहे। आपने बने रहने वाले सामाजिक उधमः पलाश आथी होस्पिटल विषयक निबंध-भी प्रस्तुत किया है।

प्रो. कुलभूषण बयूनी, सहयोगी संकाय सदस्य, अक्तूबर 31, से नवंबर 05, 2011, तक, सान जोस, कोस्टा रिका में केन्द्रीय आर्थिक-कृषि-विज्ञान संबधी अन्वेषण में एनसेनासा (सि ए टी आई ई), सान जोस कोस्टा रिका, ऐक्य राष्ट्र के खाना एवं कार्षिक संगछना (एफ ए ओ), रोम इटली, और अन्तर्राष्ट्रीय सागवान सूचना नेटवर्क (सागवान नेट) के संयुकत आयोजन द्वारा "संगावन वन निर्माण-उफरने वाले वैश्विक वन संसाधन विषयक अन्तर्राष्ट्रीय वननीति सम्मेलन में उपस्थित रहे। आपने खटने वाले सागवान व्यावसायः

भारत के लकड़ी विपणन के इतिहास पर मामला अध्ययन विषयक विवंध प्रस्तुत किया। साथ-साथ 'सागवान विपणी' आर मोला एच वी स्ट्रटन और जे से सोलेरा के मिलक साल अध्याय को भी लाटिन अमारिका के सागवान निक्षेप के बारे में इतिहास एवं यथार्थ्य नामक किताब छातने के लिए दान दिया।

प्रो. संजय झरकारिया, सहयोग संकाय सदस्य, नवंबर 04-06-2011, कुलालंपूर, मलेशिया में अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक विकास एवं अनुसंधान केन्द्र हॉगकोग द्वारा आयोजित 'अग्रिम प्रबंध विज्ञान (आई सी ए एम एस-2011) विषय में तीसरे अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाल लिया। आपने ई आर पी प्रयुक्ति में गंभीर खराबी के तत्व के आंतरिक संबधः आई एस एम के आधार पर विश्लेषण' विषयक निवंध को प्रस्तुत किया।

प्रो, देवब्रता चटर्जी, सहयोगी संकाय सदस्य, नवंबर 14-16, 2011, माट्रिड, स्पेन, में अन्तर्राष्ट्रीय तकनीकी आयोग, शिक्षा एवं विकास, माड्रिड द्वारा आयोजित "भिक्षा, अनुसंधान एवं सुधार 2011, विषय के अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया। आपने विश्वविद्यालय के अनुसंधान उत्पादन के नमूले

प्रो. मनोरंजन धाल, पारदर्शी, सहायक संकाय सदस्य, दिसंबर 03-06, 2011 में वैश्विक विज्ञान एवं तकनीकी फारम (जी एस टी एफ), कोलालंपूर द्वारा आयोजित मानव संसाधन प्रबंध एवं डिजिटल युग के लिए वृत्तिका विकास विषय पर चलाए गये अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन पर उपस्थित रहे। आपने संघ प्रबंध संबंधः भारत से सबूत', पर मानव संसाधन प्रवृत्ति का असर नामक निवंध भी प्रस्तुत किया।

डां एम जी श्रीकुमार, पुस्तकालयाध्यक्ष, आगस्त 29-30, 2011, सी एस बी होटल; मनिला, फिलिपाईन्स में मानव अनुसंधान एवं विकास केन्द्र द्वारा, ग्रीन स्टोन डिजिटल पुस्तकालय सोफ्टवेयर एवं सूचना परबंध का प्रयोग- पुस्तकालय पुरालेख एवं सग्रहालय, के संबध में अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विषयक दो दिन के कार्यशाला में आपको आमंत्रित किया गया।

डॉ. एम.जी. श्रीकुमार, आगस्त 31, 2011, को व्यावसायिक प्रशासन-ससिन स्नानक संस्था के चुललौनकॉन विश्वविद्यालय, बैंककोक, ताइलेंट में संदेर्शन किया। आई आई एम के एवं ससिन संस्था, एसियाली पेसफिक व्यावसायिक स्कूल के पुस्तकालय्याध्यक्ष ग्रूप (ए पी बी एस एल जी) के सदस्य है। डॉ श्रीकुमार वहाँ के विश्वविद्यालय प्रमुख मुख्य पुस्तकालययाध्यक्ष, ससिन के संकाय सदस्य के बीच दो परस्पर सहायक बी-स्कूल के बीच बातचीत हुई।

वृत्ति

वृत्तिका विकास कार्यक्रम (अन्तर्राष्ट्रीय) प्रो. के उण्णिकृष्णन नायर, संकाय सदस्य, जुलै- 24-30, यु एस ए में हाखार्ड व्यावसायिक स्कूल, युनैटड स्टेटस ऑफ अमरिका द्वारा आयोजित, प्रतिभागी केन्द्रिय शिक्षा (प्रथम चरम) पर वैश्विक सभा कार्यक्रम में भाग लिया।

प्रो. आर राधाकृष्ण पिल्लै, संकाय सदस्य, जुलै- 24-30, यु एस ए में हाखार्ड व्यावसायिक स्कूल, युनैटड स्टेटस ऑफ अमरिका द्वारा आयोजित, प्रतिभागी केन्द्रिय शिक्षा (प्रथम चरम) पर वैश्विक सभा कार्यक्रम में भाग लिया।

प्रो. केयूर पुरानी सहयोगी सकाय सदस्य, जुलै- 24-30, यु एस ए में हाखार्ड व्यावसायिक स्कूल, युनैटड स्टेटस ऑफ अमरिका द्वारा आयोजित, प्रतिभागी केन्द्रिय शिक्षा (प्रथम चरम) पर वैश्विक सभा कार्यक्रम में भाग लिया।

बाहरी व्याख्यान

प्रो. अथानु अधिकारी, पारदर्शी संकाय सदस्य को फ्रास के आई सी एन व्यावसायिक स्कूल में, मार्च 5, से 9 तक के बीच आयोजित किए अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसायिक संगोष्ठी पर भारतीय के भिन्न दिशा पर व्याख्यान देने लिए आमंत्रित किया गया है।

24, 2011. यू.एस.ए के कोपन होगन बिसिनय स्कूल में मुख्य राजनीति के मुख्य अभिनेग के रूप में उतरने वाले भारतीय व्याय पालिका विषय की प्रस्तुती के लिए प्रो. कृष्णा के यादा संकाय सदस्य को आमंत्रित किया गया।

मई 27, 2011, .यू.एस.ए के गोथन वर्ग विश्यविद्यालय के व्यवसादिक, आर्थिक एवं कानुन के स्कूल पर सामान्य ईश्वरीय काम-काज-संयुक्त शासन में आरस्नू की राजनीति विषय की प्रस्तुति के लिए, परो. कृष्णा के यादा संकाय सदस्य को आमंत्रिक किया गया।

वार्षिक वित्तीय विवरण एवं वित्तीय स्थिति

प्रधान महालेखाकार (लेखा परीक्षा), केरल द्वारा लेखा परीक्षित वित्तीय वर्ष 2011-12 के लिए संस्थान का वार्षिक वित्तीय विवरण इस प्रतिवेदन के साथ संलग्न किया जाता है। अन्य लेखा परीक्षा रिपोर्ट तथा उक्त रिपोर्ट में उठाये गये मुद्दों पर संस्थान का उत्तर भी साथ संलग्न किया जाता है। संस्थान के लेखों की आंतरिक लेखा परीक्षा मेसर्स वर्मा एण्ड वर्मा, चार्टरित लेखाकार द्वारा की गयी है। लेखा परीक्षित वार्षिक वित्तीय विवरण तथा एवं अन्य लेखा परीक्षा रिपोर्ट तथा उक्त रिपोर्ट में उठाये गये मुद्दों पर संस्थान का उत्तर का राज्यपाल मंडल द्वारा दिनांक 21 सितंबर 2011 को संपन्न बैठक में अनुमोदन प्राप्त है।

वार्षिक वित्तीय विवरण के प्रमुख विषय नीचे दिये जाते हैं:-

सहायता अनुदान

वित्तीय वर्ष 2010 के दौरान, संस्थान को भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय के माध्यमिक एवं उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा निम्नानुसार सहायता अनुदान प्राप्त हुआ है:-

योजना-सामान्य	रु 2,242.48 लाख
योजना-ओएससी	रु 294.00 लाख
कुल	रु **2,536.48** लाख

आन्तरिक राजस्व पीढी।

पहली बाल संस्था के इतिहास में मील के पत्थर के रूप में आन्तरिक राजस्व पीढी रु. 50.00 करोड़ हो गया। इस बढ़ावा का मुख्य कारण पी जी पी शुल्क (रु 31.97 करोड़), ई पी जी पी शुल्क (रु 10.33 करोड) और एम डी पी (रु 31.13 करोड) का संग्रहण है। ई पी जी पी शुल्क रु 10.00 करोड़ तक संग्रहण किया गया है तथा एम डी पी शुल्क 3.00 करोड तक संग्रहण किया है।

मूल्यह्रास निधि

वित्तीय वर्ष 2011-12 के दौरान, संस्थान ने भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय के माध्यमिक एवं उच्चतर शिक्षा विभाग की सकल अनुदान योजना के अंतर्गत सृजित समग्र निधि के लिए रु 14.51 लाख की राशि को अंतरित किया है। किये गये निवेश पर वर्ष के दौरान आर्जित ब्याज की राशि को अंतरित किया है। किये गये निवेश पर वर्ष के दौरान अर्जित ब्याज की राशि रु. 8.78 लाख है। मूल्यह्रास निधि का शेष 31-3-12 तक क. 115.35 करोड़ हो गयी ।

मूल्यह्रास निधि

वित्तीय वर्ष 2011-12 के दौरान सृजित मूल्यह्रास निधि में रु. 10.77 करोड़ की राशी को अंतरित किया है। संस्था की शुरुआत के वर्ष 2007-2008 के संचित मूल्यह्रास निधि 28.70 करोड़ रुपए अंतरित किया था। संस्था को ब्याज प्राप्त थी। 31-3-12 को अंतिम शेष 68.24 करोड़ है; जो 31-3-12 के संचित मूल्यह्रास के समान है।

भा.प्र.स. कोषिक्कोड कर्मचारी अंसादायी भविष्य निधि ट्रस्ट का लेखा

सदस्यों को ब्याज अनुमत्त करने के बाद वर्ष के दौरान आय एवं व्यय लेखे में रु 40, 172.61 की अन्य राशी का ध्वारा दर्शना है। इसका प्रमुख कारण यह है; कि सदस्यों को देय ब्याज की तुलना में वित्तीय वर्ष के दौरान उत्पन्न ब्याज-की दर बहुत ही कम थी, और म्यूचुअल निधि में किये गये निवेश का निब्यादन लगभग नीरस रहा जैसे भौगोलेक आत्मकता के परिदृश्य दुर्बल हो गया है।

समग्र निधि की राशी रु 487.93 लाख थी, जिसमें से रु. 457.75 लाख को विभिन्न ब्याज के अधीन रु. 28.62 लाख रहा, और अपने सदस्यों को वापसी योग्य ऋण स्वरूप रु. 1.56 लाख शामिय है। भविष्य निधि के निवेश पर समय-समय पर प्रचालित मार्गदर्शी सिद्धान्तों के अनुसार निधि का निवेश किया गया। 21.5.12 को संपन्न बठक में द्रस्ट द्वारा लेखों का अनुमोदन भी प्राप्त हुआ है।

संचालक मंडल

01 मार्च, 2012 को आईआईएम के संचालक मंडल के सदस्यों की सूचीः

1. **डा. ए.सी. मुथैय्या**
   अध्यक्ष
   संचालक मंडल, आईआईएम, कोषिक्कोडे
   पूर्व अध्यक्ष, एसपीआईसी, चेन्नई
2. **श्री टी.के.ए. नायर**
   भारत के प्रधान मंत्री के प्रधान सचिव
   प्रधान मंत्री कार्यालय, नई दिल्ली
3. **श्री के.सी. मोहन**
   भूतपूर्व अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक,
   मैकॉन (सेल), चेन्नाई
4. **श्री. आँकार एस. कंवर**
   अध्यक्ष, अपोलो टायर्स, गुड़गाँव
5. **श्री. ऐन. संकार**
   अध्यक्ष, संमार ग्रुप, चेन्नई
6. **श्री. अशोक ठाकुर**
   सचिव
   उच्चशिक्षा विभाग, मा. सं. वि. मंत्र, नई दिल्ली
7. **श्री. ए.एन झा**
   संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सयाहकार
   मा. सं. वि. मंत्र, नई दिल्ली

8. **डा. के.एम. अब्राहाम**
   प्रथम सचीव, केरल सरकार
   अध्यशिक्षा विभाग, तिरुवनन्तपुरम
9. **श्री. जेकब मात्यू**
   कार्यपालक संपादक एवं निदेशक
   मलयाल् मनोरमा
10. **डा. प्रीतम सिंह**
    महा निदेशक
    अन्ताराष्ट्रीय प्रबंध संस्थान, नई दिल्ली
11. **प्रो एस. एल राऊ**
    पूर्व अध्यक्ष, ए.ऐ.एम.ए, बांगलूर
12. **श्री. टी. टी. थोमस**
    पूर्व प्रबंध निदेशक
    फाक्ट लिमिटड, कोच्ची
13. **प्रो. एस एस मान्था**
    अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिवंद, नई दिल्ली
14. **प्रो. देबाशीष चटर्जी**
    निदेशक, आईआईएम कोषिक्कोडे
15. **प्रो. आर. राधाकृष्णा पिल्लै**
    प्रोफेसर, आईआईएम कोषिक्कोडे
16. **प्रो. के उन्नीकृष्णन नायर**
    प्रोफेसर, आईआईएम कोषिक्कोडे
17. **ले. कर्नल (सेवानिवृत) जुलियस जार्ज**
    मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, आईआईएम कोषिक्कोडे
    (बोर्ड के सचिव)

वर्ष 2011-12 के दौरान बोर्ड की चार अवसरों पर बैठक हुई। बैठक की तारीख, स्थान और उपस्थिति निम्नवत् थीः

1. 07 जुन, 2011 को चेन्नई में 55 वीं बैठक
2. 21 सितंबर, 2011 को चेन्नई में 56 वीं बैठक
3. 21 जनवरी, 2012 को कोच्ची में 57 वीं बैठक
4. 17 मार्च, 2012 को कोषिक्कोडे में 58 वीं बैठक

भारतीय प्रबंध संस्थान कोषिक्कोड सोसाईटी

01 सितंबर 2012 तक आईआईएणके सोसाईटी की सूची नीचे दी गई हैः-

1. **डा. ए.सी. मुथैय्या**
   (बि बि सि आई का पूर्व अध्यक्ष)
   संचालक मंडल, आईआईएम, कोषिक्कोडे
   अध्यक्ष
   एसपीआईसी, चेन्नई
2. **श्री टी.के.ए. नायर**
   भारत के प्रधान मंत्री के प्रधान सचिव
   प्रधान मंत्री कार्यालय, नई दिल्ली
3. **श्री के.सी. मोहन**
   भूतपूर्व अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक,
   मैकॉन (सेल), चेन्नाई
4. **श्री. आँकार एस. कंवर**
   अध्यक्ष, अपोलो टायर्स, गुरगाण
5. **श्री. एन शंकर**
   अध्यक्ष, समार ग्रूप, चेन्नै
6. **श्री अशोक ठाकूर**
   सचीव
   अद्यक्ष विभाग, मा. सं. वि. मंत्र, नई दिल्ली
7. **श्री. ए.एन झा**
   संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सयाहकार
   मा. सं. वि. मंत्र , नई दिल्ली
8. **डा. के.एम. अब्राहाम**
   मुख्य सचीव, केरल सरकार
   अध्यशिक्षा विभाग
   तिरुवनन्तपुरम
9. **श्री. जेकब मात्यू**
   कार्यपालक संपादक एवं निदेशक
   मलयाल मनोरमा
10. **डा. प्रीतम सिंह**
    महा निदेशक
    अन्ताराष्ट्रीय प्रबंध संस्थान
    नई दिल्ली

11. **प्रो एस. एल राऊ**
    पूर्व अध्यक्ष, ए.ऐ.एम.ए, बांगलूर
12. **श्री. टी. टी. थोमस**
    पूर्व प्रबंध निदेशक, फाक्ट लिमिटड, कोच्ची
13. **प्रो. एस एस मान्था**
    अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिबंद, नई दिल्ली
14. **प्रो. भासकर राममूर्ति**
    निदेशक, आई आई टी, मद्रास
15. **प्रो. पी. बलाराम**
    निदेशक, आई आई एस सी, बैंग्लूर
16. **प्रो. पंकज चन्द्र**
    निदेशक, आई आई एम, बैंग्लूर
17. **प्रो. प्रफुल अग्निहोत्रि**
    निदेशक, आई आई एम, तिरुचिरपल्ली
18. **प्रो. उदय बी देशाई**
    निदेशक, आई आई टी, हैद्राबाद
19. **प्रो. जान्सी जेईस**
    कुल पति
    केन्द्रीय विश्वविद्यालय केरला
20. **डॉ एम एन बन्दोपाद्यय**
    निदेशक, एन आई टी, कोपिक्काड
21. **श्रीमति शीला थॉमस**
    अध्यक्ष रब्बर बोर्ड केरला
22. **डॉ के.एस दासगुप्ता**
    निदेशक, आई आई एस एस टी, तिरुवनन्तपूरम
23. **प्रो. देबाशीष चटर्जी**
    निदेशक, आईआईएम कोपिक्कोडे
24. **प्रो. आर. राधाकृष्णा पिल्लै**
    प्रोफेसर, आईआईएम कोपिक्कोडे
25. **प्रो. के उन्नीकृष्णन नायर**
    प्रोफेसर, आईआईएम कोपिक्कोडे
26. **ले. कर्नल (सेवानिवृत) जुलियस जार्ज**
    मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, आईआईएम कोपिक्कोडे
    (बोर्ड के सचिव)

वर्ष के दौरान सोसाईटी ने दो बैठकें आयोजित की थी, जो नीचे दर्शाई गई है:-

1. 21 सितंबर, 2011 को कोपिक्कोडे में 24 वीं बैठक
2. 17 मार्च, 2012 को कोपिक्कोडे में 21 वीं बैठक

संकाय

(31मार्च 2012 के अनुसार)

प्राध्यापक

1. प्रो. देबाशीष चटर्जी
2. प्रो. के उन्नीकृष्णन नायर
3. प्रो. पी. रमेशन
4. प्रो. पी.आर. भट्ट
5. प्रो. सनल कुमार वेलायुथन
6. प्रो. बद्रीनारायण शंकर पवार
7. प्रो. आर. राधाकृष्णा पिल्लै
8. प्रो. सजी गोपिनाथ
9. प्रो. कृष्ण कुमार लाढ़ा
10. प्रो. एम.पी. सेवासटिन
11. प्रो. कुलभूषण बलूनी

सह-प्राध्यापक

12. प्रो. एस.एस.एस. कुमार
13. प्रो. अंजन कुमार स्वैन
14. प्रो. संजय झारखारिया
15. प्रो. गोपाल चौधरी
16. प्रो. केयुर पुरानी
17. प्रो. देबाशीष चटर्जी
18. प्रो. सी राजु
19. प्रो. आनंदक्कुट्टन बी. उन्नीथान
20. प्रो. सुदर्शन कुंतलुरु
21. प्रो. सुमित मित्रा
22. प्रो. ओमकुमार क्रि कृष्णन
23. प्रो. रुद्रा सेनशर्मा
24. प्रो. जी. श्रीधर
25. प्रो. रुपेश कुमार पती

सहायक - प्राध्यापक

26. प्रो. शांतनु आर. नायर
27. प्रो. जोफी थॉमस
28. प्रो. अभिलाष एस. नायर
29. प्रो. नंदकुमार एम. के.
30. प्रो. शुभाशीष दे
31. प्रो. टी.एन. कृष्णन
32. प्रो. राजेष एस उपाध्यायुला
33. प्रो. जोशी जोसफ
34. प्रो. जी आनन्द
35. प्रो. कौशिक गंगोपाध्याय
36. प्रो.एस अशरफ
37. प्रो. सोनी थॉमस
38. प्रो. लीना मेरी इपेन
39. प्रो.अनंदिता पॉल
40. प्रो. दीपक दयानिधि
41. प्रो. मोहम्मद शाहिद अब्दुल्ला

अतिथि संकाय

42. डा. लक्ष्मी एस. लाढ़ा
43. प्रो. महेष पी भावे

सह - प्रध्यापक

44. डा. के.के. रमेश

सहायक प्रध्यापक

45. प्रो. मनोरंजन दाल
46. प्रो. अदानु अधिकारि
47. प्रो. राहुल कुमार सेठ
48. प्रो. जी तगमनि
49. प्रो. पी.एन. रामकुमार
50. प्रो. सप्तर्षी पुरकायस्था
51. प्रो. जी. वेंकटरमन
52. प्रो. अनुपम दास
53. प्रो. रीना कोहली
54. प्रो. मनीष कुमार
55. प्रो. सुरम बालसुब्रह्मण्यम
56. प्रो. नवीन अंब्ली
57. प्रो. दीपा सेठी
58. प्रो. कौशिक गोथकुर्ता
59. प्रो. सूर्यप्रकाश पति

गैर-संकाय (31मार्च 2012 के अनुसार)

1.	ले.कर्नल (सेवानिवृत) जुलियस जॉज	मुख्य प्रशा. अधिकारी
2.	डा. एम.जी. श्रीकुमार	पुस्तकालयाध्यक्ष
3.	श्री अशोक पाठक	सिस्टम प्रबंधक
4.	श्री राजीव वर्मा	सिविल इंजीनियर
5.	श्री ए.के. शांतारामन	वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य प्रशा. अधिकारी
6.	श्री पवन कुमार सिंह	वरिष्ठ प्रशा. अधिकारी
7.	ले.कर्नल सेड्रीक तोमस (सेवानिवृत)	वरिष्ठ प्रशा. (ए.ए)
8.	श्री वी मधुसूदन पी.जी.	वरिष्ठ प्रशा. (जी.ए.)
9.	श्री टी.एस. रामकृष्णन	लेखा अधिकारी
10.	श्री वी.वी. स्वीन्द्रन	प्रभारी संभता
11.	श्री के. सदानन्दन	प्रशा. अधिकारी
10.	श्री पी.जी. मुरलीधरन	प्रशा. अधिकारी
13.	श्री वी मधुसूदन	सहायक प्रशा. अधिकारी
14.	श्री विनोद कुमार के.	प्रशा. अधिकारी
15.	श्री एन. रामचन्द्रान	निदेशक के सचिव
16.	श्री टी. मोहनन	सहायक प्रशा. अधिकारी
17.	श्री जी. जॉन	सहायक प्रशा. अधिकारी
18.	श्री जॉनगीवर्गीस	सहायक प्रशा. अधिकारी
19.	श्री के.एस. जयकृष्णन	सहायक प्रशा. अधिकारी
20.	श्रीमति टी. सुनिता	सहा. पुस्तकालयाध्यक्ष
21.	श्री अनिल कुमार पी	सहायक इंजीनियर
22.	श्रीमति लक्ष्मी विश्वनाथन	लेखा अधिकारी
23.	श्रीमति पी. श्रीजया	सहा. पुस्तकालयाध्यक्ष
24.	श्री के. टी. बोस	सहायक इंजीनियर

25.	श्री रजीश एम.पी.	सहायक इंजीनियर
26.	श्री षाजी सी.पी.	सहायक प्रशा. अधिकारी
27.	श्री प्रशीब कुमार के.के.	सहायक प्रशा. अधिकारी
28.	श्री वी मधुसूदन	अधीक्षक
29.	श्री पी केशवन नायर	सहायक
30.	श्री अनिल ए.एम.	सहायक प्रोग्रामर
31.	श्री रघुपति हरि	सहायक
32.	श्री मुहम्मद मुस्तफा एम.	तकनीकी सहायक
33.	श्री सुथीष कुमार के.एम.	तकनीकी सहायक
34.	श्री सोजन जांज	कार्यकारी सहायक
35.	डा. यमुना जांज	कार्यकारी सहायक
36.	श्री ए.पी. संजय	कनिष्ठ इंजीनियर
37.	श्री अगस्टिन जार्ज	सहायक
38.	श्रीमति आशा बाबु के.के.	सहायक
39.	श्री सुबैर वी	कनिष्ठ इंजीनियर
40.	श्री जोषी कुरीकोसे	कनिष्ठ पुस्तकालय और सूचना सहायक
41.	श्री बिजू आर.	कनिष्ठ पुस्तकालय और सूचना सहायक
42.	श्री रेजित एम	सहायक
43.	श्रीमति संध्या टी.वी.	कनिष्ठ सहायक
44.	श्रीमति जीना के	कनिष्ठ सहायक
45.	श्री सुधीर राजन	कनिष्ठ सहायक
46.	श्री अलेख पी.	कनिष्ठ सहायक
47.	श्रीमति सिम्मी के.जी	सहायक
48.	श्रीमति दिव्या शशि	कनिष्ठ सहायक
49.	श्री शेनषा सी.	भंडार सहायक
50.	श्रीमति सिन्दु जे	कनिष्ठ सहायक
51.	श्री रामदासन एम	कनिष्ठ सहायक
52.	श्री अब्दुरहिमान पी.पी.	कनिष्ठ सहायक
53.	श्री बाबुराजन पी	ड्राइवर सह कार्यालय कर्मचारी
54.	श्री विजयन के.	चालक सह कार्यालय स्टाफ
55.	श्री कुमारन के.पी.	कार्यालय सहायता कर्मचारिवृन्द
56.	श्री रमेश भहादुर के.सी.	भंद कौशल सहायक कर्मचारिवृन्द

वार्षिक लेखा विवरण
Annual Statements of Accounts
2011 - 2012

भारतीय प्रबंध संस्थान कोषिक्कोड
Indian Institute of Management Kozhikode

31 मार्च 2012 को समाप्त वर्ष के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान कोषिक्कोड के लेखाओं पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट:

हमने 31 मार्च 2012 के अनुसार भारतीय प्रबंध संस्थान (आई.आई.एम) कोषिक्कोड के संलगन तुलन पत्र और उसी तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखे/प्राप्ती और भुगतान लेखे की लेखापरीक्षा, आई.आई. कोषिक्कोड समिति के संस्था के ज्ञापन पत्र के नियम 18 के साथ पठित नियंत्रक-महालेखा परीक्षक के (कर्तव्य, शक्तियाँ एवं सेवा की शर्तें)अधिनियम 1971 की धारा 20 (1) के अधीन की है। लेखापरीक्षा 2015-2016 तक की अवधि के लिए सौंपी गयी है। ये वित्तीय विवरण संस्थान के प्रबंधन का दायित्व है। हमारा दायित्व अपनी लेखापरीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर मत प्रकट करना है।

2 इस पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट में केवल वर्गीकरण, सर्वोत्तम लेखाकरण कार्यप्रणालियों में अनुरूपता, लेखाकरण मानकों एवं प्रकटीकरण, प्रतिमानों आदि से संबद्धित लेखाकरण अभिक्रिया पर भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक (सी.ए.जी.) की टिप्पणियाँ शामिल है। कानून नियम या विनिमय (औचित्य और नियमितता) तथा दक्षता एवं निष्पादन पहलुओं आदी के अनुपालन के संबद्ध में वित्तीय व्यवहारों पर लेखापरीक्षा टिप्पणियाँ, यदि कोई है तो, निरीक्षण रिपोर्ट /सी ए जी के लेखा परीक्षा प्रतिवेतनों के द्वारा अलग से रिपोर्ट की जाती है।

3 हमने अपनी लेखापरीक्षा भारत के सामान्यतः स्वीकृत लेखापरीक्षा मानकों के अनुसार की है। इन मानकों के लिए यह अपेक्षित है कि इन वित्तीय विवरणों के महत्वपूर्ण मित्थाकथनों से मुक्त होने के बारे में समुचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए हम अपनी लेखापरीक्षा को योजनाबद्ध होकर निष्पादित करें। लेखापरीक्षा के अन्तर्गत वित्तीय विवरणों में दी गयी राशियों और प्रकटीकरणों समर्थन में प्रमाण की, नमूना आधार पर जांच शामिल हे। लेखापरीक्षा के अन्तर्गत, प्रयुक्त लेखाकरण सिद्धान्तों का निर्धारण तथा प्रावधान द्वारा किए गए महत्वपूर्ण प्राक्कलों के साथ-साथ वित्तीय विवरमों के समग्र प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन भी शामिल हे। हमारा विश्वास है कि हमारी लेखापरीक्षा हमारी राय को एक समुचित आधार प्रदान करती है।

4 हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर हम रिपोर्ट करते हैं कि:

I हमें सभी सूचनाएं एवं स्पष्टीकरण प्राप्त हुए है, जो की हमारी सर्वोत्तम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार हमारी लेखापरीक्षा के उद्देश्य के लिए आवश्यक थे।

II इस रिपोर्ट में विचार किए गए तुलन पत्र तथा आय और व्यय लेखे/प्राप्ती और भुगतान लेखे वित्त मन्त्रालय द्वारा निर्धारित प्रपत्र में तैयार किए गए है।

III हमारी राय में आई.आई.एम कोषिक्कोड समिति के संस्था के ज्ञापन पत्र के नियम 12 (XVII) के अधीन जैसे अपेक्षित है, उचित बहियों तथा अन्य सुसंगत अभिलेखों का भारतीय प्रबंध संस्थान कोषिक्कोड द्वारा अनुरक्षण किया गया है, जहाँ तक ऐसे बहियों की हमारी जाँच से प्रकट होता है।

IV हम आगे रिपोर्ट करते है कि

अ. तुलना पत्र

अ.1. प्रचलित देनदार और प्रावधान 13.56 लाख

प्रदायक और सेवा के लिए रु 2.59 करोड रु. फुटकर लेनदार

आपूर्तिकर्तओं तथा लेनदानरों के गैर-प्रावधान से व्यय का न्यूनतम रुप रु 7.85 लाख दर्शाया गया है। फलकः व्यय पर अतिरिक्त आय का रु 7.85 लाख रुपए का प्रस्थाव रखा गया है।

आ. आय और व्यय लेखा

आ. 1 आय रु 56.13 लाख

छात्र निधि से मेस का प्रबंध हो जाने के कारण मेस खाते से प्राप्त ब्याज मेस खाते से जोडने के बदले वह भी चालू परिसंपत्ति में सम्मिलि किया है, जिसके कारण अधिशेष रु 6.67 लाख रुपए का प्रस्थाव रखा है। फलतः अधिकतम व्यय से ज्यादा आय रु 6.67 लाख है।

इ. सहायता अनुदान

31 मार्च 2012 तक चालू वर्ष में सहायता अनुदान के रूप में रु 40.95 करोड रुपये प्राप्त किये है। (वर्षारंभ में समेकित तुलन रु 15.59 करोड़ से रु 25.36 करोड प्राप्त किए) संगठन ने रु 39.64 करोड रुपये अनुदान का उपयोग किया। और बाकी रु 1.31 करोड रुपए अप्रयुक्त अनुदान है।

ई. प्रबंध पत्र

लेखापरीक्षा रिपोर्ट में शामिल न किए गए न्यूनताओं को निदेशक, भारतीय प्रबंध संस्थान कोषिक्कोड के समक्ष में प्रबंध पत्र द्वारा ध्यान में लाये गये है, जिससे आवश्यक सुधार/सुझाव कर सकें।

v) पूर्ववर्ती पेराग्राफों की हमारी टिप्पणियों के अधीन, हम यह रिपोर्ट करते है कि इस प्रतिवेदन में विचार किए गए तुलन पत्र तथा लेखों पर टिप्पणियों के साथ पठित उक्त वित्तीय विवरण भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखाकरण सिद्धान्तों के अनुरूप यथार्थ कथा उचित स्वरूप प्रस्तुत करते हैं।

vi) हमारी राय में तथा हमारी सर्वोत्तम सूचना एव हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार उपर्युक्त महत्वपूर्ण मामलों और लेखाकरण नीतियों तथा लेखाओ पर टिप्पणियों के साथ पठित उक्त वित्तीय विवरण भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखाकरण सिद्धातों के अनुरूप यथार्थ तथा उचित स्वरूप प्रस्तुत करते है।

(अ). जहाँ तक 31 मार्च 2012 तक के अनुसार भारतीय प्रबंध संस्थान कोषिक्कोड के कार्यपालनों के तुलन पत्र का संबंध है।

(आ). जहाँ तक उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए अधिशेष के आय और व्यय लेखे का संबंध है।

भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक के लिए, तथा उनकी ओर से.

स्थान : चेन्नै
तारीख : 19 अक्तूबर 2012

लेखा परीक्षा महानिदेशक (केन्द्रीय)

अनुबंध 1

1. पर्यास आन्तरीक लेखापरीक्षा प्रणाली।
   इस संस्था के आन्तरीक संचालन आकार-प्रकार के हिसाब से अनुरूप है।

2. पर्यास आन्तरीक नियंत्रण प्रणाली।
   यद्यपि संस्था ने लेखा-गईड-पुस्तिका तैयार किया है, फिर भी मंडल से सवीकृति नहीं मिली तथा लागू नहीं की ।

3. परिसम्पत्ति के भौतिक सत्यापन प्रणाली।
   वर्षात की परिसम्पत्ति के भौतिक सत्यापन किया गया है। संस्था ने अचल संपत्रियों का हिसाब नियमित रूप से नवीनतम रखा है, जिसमें अचल संपत्तियों के किधर-किधर रखा है, उसकी सूचना दी है।

4. वस्तुसूचि की भौतिक सत्यापन प्रणाली
   आंतरिक लेखाकार द्वारा वस्तुसूची का स्वतंत्र भौतिक सत्यापन किया गया है।

5. नियमित रूप से सांविधिक देय राशी की भुगतान।
   संस्था के सांविधिक देय राशी की भुगतान नियमित रूप से है।

उपमहालेखाकार (केन्द्रीय आय)

भारतीय प्रबंध संस्थान के 31 मार्च 2012 को समाप्त वर्ष के लेखा पर भारतीय नियंत्रक और महालेखा परीक्षक के अलग लेखा परीक्षा रिपोर्ट के पैरा-वार उत्तर

पारा 1 से 9	परिचयात्मक	कोई टिप्पणी नहीं
पारा 4(1) से (3)		कोई टिप्पणी नहीं

पारा 4(4)

अ. तुलन पत्र

अ. 1 चालू देनदार और प्रावधान रु. 13.56 करोड

अ. 1.1 प्रदाय और विविध उधार आपूर्ति और सेवाओं के लिए रु. 2.59 करोड
नोट किया है।

आ. आय और व्यय लेखा

आ.1. आय रु. 56.13 लाख
नोट किया है।

आ. आय और व्यय लेखा

आ.1. आय रु. 56.13 लाख

मेस खाते को आलग से नियंत्रण के लिए रखा जाता है और इस खाते से प्राप्त ब्याज संस्था की आय मानी जाती है।

इ. सहायता अनुदान
तथ्यों तथा आंकडों की पुष्टि की जाती है।

ई. प्रबंधन का पत्र
लेखा परीक्षा द्वारा उद्धृत कमियों के लिए निवारक/सुधारात्मक कार्यवाही की गयी है।

पारा 4(5) से (6)	कोई टिप्पणी नहीं

अनुबंध 1

1. पर्यास आन्तरिक लेखापरीक्षा प्रणाली।
   कोई टिप्पणी नहीं

2. पर्यास आन्तरिक नियंत्रण प्रणाली।
   संस्था ने लेखा-गाईड-पुस्तिका तैयार किया है, और मंडल से स्वीकृति इस वर्ष प्रास हुई है जिसका उपयोग किया जा रहा है।

3. परिसम्पत्ति के भौतिक सत्यापन प्रणाली।
   कोई टिप्पणी नहीं

4. वस्तुसूचि की भौतिक सत्यापन प्रणाली
   कोई टिप्पणी नहीं

5. नियमित रूप से सांविधिक देय राशी की भुगतान।
   कोई टिप्पणी नहीं

उपमहालेखाकार (केन्द्रीय आय)

भारतीय प्रबन्ध संस्थान, कोषिक्कोड़

समेकित वार्षिक लेखा विवरण

2011-2012

Final for Approval 22 Dec 12

भारतीय प्रबन्ध संस्थान, कोषिक्कोड़

31 **मार्च 2012 का तुलन पत्र**

(रुपये लाखों में)

विवरण	अनुसूची	31-मार्च-2012 में	31-मार्च-2011 में
पूँजीगत निधिलेखा			
समग्र/ पूँजी निधि लेखा	1	14,831.82	14,619.08
आरक्षिति और अधिशेष	2	11,540.20	11,035.06
चिह्नित/विधिनिधि	3	7,160.19	2,811.47
चालू देयतायें और व्यवस्था	4	1,356.36	779.73
कुल		**34,888.57**	**29,245.34**
आस्तियां			
नियत आस्थियां	5	13,501.49	11,192.13
चिह्नित/विधिनिधि से निवेश	6	7,162.23	3,089.86
समग्र निधि से निवेश	7	11,350.00	10,400.00
प्रचलित आस्थियां, कर्ज, अग्रिम आदि.	8	2,874.85	4,563.35
कुल		**34,888.57**	**29,245.34**
महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियाँ	15		
आकस्मिक दायित्व और लेखा पर टिप्पणी	16		

स्थान : कोषिक्कोड
तिथि : 07-06-2012

ए.के. शान्तारमन
वि.स.ए.मु.ले.अ

ले. केनल. (सेवानिवृत्त) जूलियस जोर्ज
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

प्राचार्य. देबाशिश चटर्जी
निदेशक

भारतीय प्रबन्ध संस्थान, कोषिक्कोड़

31-03-2012 को समाप्त वर्ष की समेकित आय और व्यय लेखा

(रुपये लाखें में)

विवरण	अनुसूची	2011-2012	2010 -2011
आय			
शुल्क	9	5,025.31	3,785.93
योजनेतर अनुदान		294.00	294.00
निवेश से प्राप्त ब्याज	10	0.00	0.00
प्रास किया गया ब्याज	11	251.47	149.81
अन्य आय	12	42.34	20.43
कुल -अ		**5,613.12**	**4,250.17**
व्यय			
संस्थापन व्यय	13	1,054.28	837.72
अन्य प्रशासनिक व्यय	14	1,962.37	1,438.49
मूल्यह्रास	5	1,077.09	823.24
प्रायोजित परियोजना के अन्तर्गत आने वाले मूल्यह्रास आस्थियां	5	0.20	0.45
कुल -आ		**4,093.94**	**3,099.90**
व्यय के ऊपर शेष अतिरिक्त आय (अ-आ)		1,519.18	1,150.27
मूल्यह्रास (नियत आस्थी) से पूंजीगत निधि की ओर स्थानान्तरण		1,077.09	823.24
मूल्यह्रास (नियद आस्थी-परियोजना) से पूँजीगतनिधि की ओर स्थानान्तरण		0.20	0.45
मूल्यह्रास निधि का स्थानान्तरण		(1,077.29)	(823.69)
सी पी एफ सामान्य आरिक्षत निधि की ओर स्थानान्तरण		0.40	0.60
कर्मचारी कल्याण निधि की ओर स्थानान्तरण		(68.70)	(36.20)
अधिशेष (कमी), जिसका अन्तरण समग्र निधि में किया है		**1,450.88**	**1,114.67**
महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियाँ	15		
आकस्मिक देयतायें और लेखा पर टिप्पणी	16		

स्थान : कोषिक्कोड
तिथि : 07-06-2012

ए.के. शान्तारमन
वितीय सलाहकार एवं मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

ले. केनल. (सेवानिवृत्त) जूलियस जोर्ज
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

प्राचार्य. देबाशिश चटर्जी
निदेशक

भारतीय प्रबन्ध संस्थान, कोषिक्कोड़

31-03-2012 को समाप्त वर्ष की समेकित तुलन पत्र अनुसूची

(रुपये लाखें में)

विवरण	2011-2012	2010-2011
अनुसूची 1 - पूँजी निधि		
अ 1 पूँजी निधि (स्थाई आस्थियाँ)		
अ. गैर मूल्यह्रास आस्थियाँ		
वर्षारंभ से शेष	**796.14**	**791.04**
जोड़: भूमी के लिए चालू वर्ष में भुगतान	1,550.80	5.10
वर्षान्त में शेष (आ)	**2,346.94**	**796.14**
(आ) मूल्यह्रास	**आस्थियाँ**	
वर्षारंभ से शेष	**10,395.29**	**9,269.98**
जोड़: पूँजी व्यय, चालू वर्ष में	1,837.35	1,948.55
न्यूनः चालू वर्ष में बटटे-खाते में डाला गया मूल्यह्रास	(1,077.09)	(823.24)
न्यूनः वाहनों की लगत वर्ष के दौरान बंद निपटारा	(6.08)	0.00
जोडः वाहनों पर संचित मूल्यह्रास	4.58	0.00
वर्षान्त में शेष (आ)	**11,154.05**	**10,395.29**
वर्षान्त में कुल (अ + आ) अ 1	**13,500.99**	**11,191.43**
अ 2 पूँजी निधि (स्थाई आस्थियाँ-परियोजनायें)		
वर्षारंभ से शेष	**0.70**	**1.15**
जोड़: पूँजी व्यय, चालू वर्ष में	0.00	0.00
न्यूनः चालू वर्ष में बटटे-खाते में डाला गया मूल्यह्रास	(0.20)	(0.45)
वर्षान्त में शेष (आ 2)	**0.50**	**0.70**
वर्षांत में कुल (अ1+अ 2) (1)	**13,501.49**	**11,192.13**

स्थान : कोषिक्कोड
तिथि : 07-06-2012

ए.के. शान्तारमन
वि.स.ए.मु.ले.अ

भारतीय प्रबन्ध संस्थान, कोषिक्कोड़

31-03-2012 को समाप्त वर्ष की समेकित तुलन पत्र अनुसूची

(रुपये लाखें में)

विवरण	2011-2012	2010-2011
II पूँजी निधि (सहायता अनुदान)		
अ. भारत सरकार- परियोजना सामान्य		
वर्षारंभ से शेष	**3,037.62**	**1,441.27**
जोड़: भारत सरकार से प्राप्त सहायता अनुदान	1,406.16	2,420.00
जोड़: समग्र निधि से आन्तरित रकम	(1,050.00)	1,050.00
न्यूनः पूँजी निधि को आन्तरित रकम (अचल परिसंपत्तियाँ)	(2,547.93)	(1,873.65)
जोड़: राशि वाहन के निपटान पर रिहा	2.20	-
वर्षान्त में शेष (अ)	**848.05**	**3,037.62**
आ. भारत सरकार - आम योजना		
वर्षारंभ में शेष		-
जोड़: भारतीय सरकार से प्राप्त सहायता अनुदान	836.32	80.00
न्यूनः पूँजी निधि को आन्तरित रकम (अचल परिसंपत्तियाँ)	(836.32)	(80.00)
वर्षान्त में शेष (आ)	-	-
इ. भारत सरकार - परियोजना - ओ.एस.सी (आवर्ती और गैर आवर्ती)		
वर्शारंभ में शेष		
जोड़: भारतीय सरकार से प्राप्त सहायता अनुदान	294.00	294.00
न्यूनः प्रास गैर आवर्ती व्यय के अनुदान पूँजी निधि को आन्तरित (अचल संपत्तियाँ)	-	-
न्यूनः आय-व्यय लेखे को आन्तरित प्रपत्र आवर्ती व्यय को अनुदान	(294.00)	(294.00)
वर्षांत में शेष (इ)	-	-

स्थान : कोषिक्कोड
तिथि : 07-06-2012

ए.के. शान्तारमन
वि.स.ए.मु.ले.अ

भारतीय प्रबन्ध संस्थान, कोषिक्कोड़

31-03-2012 को समाप्त वर्ष की समेकित तुलन पत्र अनुसूची

(रुपये लाखें में)

विवरण	2011-2012	2010-2011
ई. केरल सरकार		
वर्षारंभ से शेष	**3.90**	**2.90**
जोड़: प्राप्त सहायता अनुदान	-	1.00
न्यूनः भूमि के लिए भुगतान	(3.90)	-
वर्षान्त में शेष (ई)	**0.00**	**3.90**
उ. सी. पी. एफ सदस्यों का लेखा		
वर्षारंभ से शेष	**385.43**	**300.01**
जोड़: चालू वर्ष के अभिदान	98.03	77.92
जोडः चालू वर्ष में ब्याज	32.58	24.25
जोडः पूर्व नियोजकों से अंतरित रकम	0.01	5.31
न्युनः चालू वर्ष के आहरण	(33.77)	(20.63)
न्यूनः इस वर्ष जो रकम सदस्य खातों से समपहरण किया गया है	0.00	(1.43)
वर्षान्त में शेष (उ)	**482.28**	**385.43**
वर्षान्त में कुल शेष (अ+आ+इ+ई) II	**1,330.33**	**3,426.95**
कुल (I +II)	**14,831.82**	**14,619.08**

स्थान : कोषिक्कोड
तिथि : 07-06-2012

ए.के. शान्तारमन
वि.स.ए.मु.ले.अ

भारतीय प्रबन्ध संस्थान, कोषिक्कोड़

31-03-2012 को समाप्त वर्ष की समेकित तुलन पत्र अनुसूची

(रुपये लाखें में)

विवरण	2011-2012	2010-2011
अनुसूची 2 - आरक्षित निधि और अधिशेष		
अ. समग्र निधि		
वर्षारंभ में शेष	**11,029.02**	**10,110.12**
जोड़: चालू वर्ष में वसूल किए ऋण की राशी	3.36	1.93
जोड़: आय और व्यय लेखा से अंतरीत रकम	1,450.88	1,114.67
जोड़: समग्र निधि निवेश से ब्याज	877.60	852.14
जोड़: वसूली योग्य खातों पर प्रभारित ब्याज	0.68	0.65
न्युन: सामान्य परियोजना के दौरान आन्तरित रकम	1,050.00	(1,050.00)
न्युन: मूल्यहास निधि के दौरान आन्तरित रकम	(2,870.12)	0.00
न्युन: समग्र निधि से प्रदत्त वसूली योग्य ऋण	(6.86)	(0.49)
वर्षान्त में शेष (अ)	**11,534.56**	**11,029.02**
आ. सी.पी एफ सामान्य आरक्षित लेखा		
वर्षारंभ में शेष	1.80	2.40
न्युन: आय और व्यय लेखा से अंतरीत रकम	(0.40)	(0.60)
वर्षान्त में शेष (आ)	**1.40**	**1.80**
इ. सी.पी. एफ समाहरण लेखा		
वर्षारंभ में शेष	4.24	2.81
जोड़: चालू वर्ष में समाहरण रकम		1.43
वर्षान्त में शेष (इ)	**4.24**	**4.24**
कुल (अ + आ + इ)	**11,540.20**	**11,035.06**

स्थान : कोषिक्कोड
तिथि : 07-06-2012

ए.के. शान्तारमन
वि.स.ए.मु.ले.अ

भारतीय प्रबन्ध संस्थान, कोषिक्कोड़

31-03-2012 को समाप्त वर्ष की समेकित तुलन पत्र अनुसूची

(रुपये लाखें में)

अनुसूची 3 - उद्दिष्ट और विधि निधि

विवरण	उर्धिष्ट निधि						
	पेन्शन निधि	उपदान निधि	मूल्यह्रास निधि	कर्मचारियों की कल्याण निधि	अई.डी.एल अनुसंधान अनुदान	31-03-2012 तक	31-03-2011 तक
(अ) निधि में आरंभिक शेष	**197.47**	**95.03**	**2,445.81**	**56.92**	**16.23**	**2,811.46**	**1,793.62**
i. प्रास अनुसूची/अंशदान	-	-	-	-	-	**-**	906.02
ii. निवेश से आय/बचत बैंक खाता	16.64	-	430.45	-	-	**447.09**	122.32
iii. शुल्क/प्रास अंशदान	-	-	3,947.42	69.64	-	**4,017.06**	-
iv. पूर्व काल आय/अग्रिम से प्रास रकम	-	-	-	-	-	**-**	
कुल (अ)	**214.11**	**95.03**	**6,823.68**	**126.56**	**16.23**	**7,275.61**	**2,821.96**
(इ) उपयोग/निधि के वस्तुनिष्ठ व्यय							
i. पूँजीगत व्यय - स्थिर आस्तियाँ							
	-	-	-	-	-	-	**-**
कुल	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**
ii. राजस्व खर्च							
- वेतन, मजदूरी और भत्ता आदि	-	-	-	-	-	-	**-**
- अन्य प्रशासनिक व्यय	-	-	-	20.19	-	20.19	**9.88**
- सदस्यों को भुगतान	-	-	-	-	-	-	**0.61**
कुल	**-**	**-**	**-**	**20.19**	**-**	**20.19**	**10.49**
iii . प्रेषित/प्रत्यर्पित शेष	-	-	-	-	-	-	**-**
कुल	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**
iv . अन्य नामे/पेशगी	-	95.03	-	0.20	-	-	**-**
कुल	**-**	**95.03**	**-**	**0.20**	**-**	**95.23**	**-**
कुल (इ)	**-**	**95.03**	**-**	**20.39**	**-**	**115.42**	**10.49**
वर्षान्त में शेष (अ - आ)	**214.11**	**-**	**6,823.68**	**106.17**	**16.23**	**7,160.19**	**2,811.47**

स्थान : कोषिक्कोड
तिथि : 07-06-2012

ए.के. शान्तारमन
वि.स.ए.मु.ले.अ

भारतीय प्रबन्ध संस्थान, कोषिक्कोड़

31-03-2012 को समाप्त वर्ष की समेकित तुलन पत्र अनुसूची

(रुपये लाखें में)

विवरण	31-मार्च-2012 में	31-मार्च-2011 में
अनुसूची 4 - चालू देयतायों तथा प्रावधान		
अ - चालू देयतायें		
1. विविध ऋणदाता:		
(अ) आपूर्ति और सेवा के लिए	259.73	172.08
2. अग्रिम, जमा आदि		
(अ) विद्यार्थियों की अवधान-राशी	130.14	76.09
(आ) प्रतिधारण राशी	59.32	37.81
(इ) बयाना निक्षेप जमा	61.37	20.22
(ई) परामर्श परियोजना लेखा	4.18	8.86
3. सांविधिक देयतायें	-	-
4. अन्य चालू देयतायें	64.09	38.64
5. प्राप्तअग्रिम आय	17.55	0.76
कुल - अ	**596.38**	**354.46**
आ - प्रावधान		
1. संचित छुट्टी भुनाना	185.22	134.70
2. पूँजीगीत व्यय के लिए प्रावधान	166.00	71.18
3. राजस्व खर्च के लिए प्रावधान	408.76	219.39
कुल - आ	**759.98**	**425.27**
कुल (अ + आ)	**1,356.36**	**779.73**

स्थान : कोषिक्कोड
तिथि : 07-06-2012

ए.के. शान्तारमन
वि.स.ए.मु.ले.अ

भारतीय प्रबन्ध संस्थान, कोषिक्कोड़

31-03-2012 को समाप्त वर्ष की समेकित तुलन पत्र अनुसूची

(रुपये लाखें में)

अनुसूची 5 स्थाई आस्थियाँ

विवरण	कुल संवर्ग				मूल्यहस					शुद्ध संवर्ग	
	लागत/ मूल्यांकन 01-04-11	इस वर्ष में जोड	इस वर्ष में कटौतियां	लगता/ मूल्यांकन 31.03.2012	डबलियु. डी.वी की रीति में दर	01-04-2011 के अनुसार	इस वर्ष में जोड	इस वर्ष की कटौतियां	31-03-2012 के अनुसार कुल	31-03-2012 के अनुसार	31-03-2011 के अनुसार
अ - बिना मूल्यह्रास											
1. भूमी											
a) पूर्ण स्वामित्व	796.14	1,550.80	-	**2,346.94**	-	-	-	-	-	**2,346.94**	**796.14**
कुल - अ	**796.14**	**1,550.80**	**-**	**2,346.94**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**2,346.94**	**796.14**
आ - मूल्यह्रास की परिसंपत्तियां											
1. इमारत											
अ. पूर्ण स्वामित्व भूमि पर (शैक्षिक)	6,889.29	161.75		**7,051.04**	10%	2,189.87	485.71	4.08	2,679.66	**4,371.38**	**4,699.42**
आ. पूर्ण स्वामित्व भूमि पर (आवसीय)	1,530.48	101.06		**1,631.54**	5%	193.08	71.87	0.97	265.92	**1,365.62**	**1,337.40**
इ. रोड, परिसीमा, नाली	873.88	-		**873.88**	10%	414.40	45.95		460.35	**413.53**	**459.48**
2. संयंत्र मशीनरी और उपस्कर											
अ. विद्युत स्थापनायें	789.55	328.54		**1,118.09**	15%	337.78	96.66	17.64	452.08	**666.01**	**451.78**
आ. जल वितरण	214.13	41.14		**255.27**	15%	136.75	17.78		154.53	**100.74**	**77.38**
3. वाहन	47.28	18.19	(3.61)	61.86	15%	23.27	6.16	(3.33)	26.10	35.76	24.01
4. फर्नीचर और जुडनार	1,018.13	40.95		1,059.08	10%	423.41	62.25	0.22	485.88	573.20	594.72
5. कार्यालय उपस्कर	250.96	9.71	(2.47)	258.20	15%	147.00	16.27	(1.26)	162.01	96.19	103.96
6. कंप्यूटर/पेरिफरलस	750.12	137.73		887.85	60%	683.05	95.84		778.89	108.96	67.07
7. पुस्तकालय की किताबें											
- पुस्तक	705.72	113.63		**819.35**	60%	617.04	106.17		723.21	**96.14**	**88.68**
- पत्रिका	525.85	50.57	-	**576.42**	100%	520.27	49.50		569.77	**6.65**	**5.58**
8. अन्य स्थाई आस्थी	0.38	-	-	**0.38**	15%	0.22	0.02		0.24	**0.14**	**0.16**
कुल - अ (1)	**13,595.77**	**1,003.27**	**(6.08)**	**14,592.96**		**5,686.14**	**1,054.18**	**18.32**	**6,758.64**	**7,834.32**	**7,909.64**
आ. 2 - पूँजी, निर्माण प्रगति										**3,319.74**	**2,485.65**
कुल - आ (आ 1+ आ 2)										**11,154.06**	**10,395.29**
इ - परियोजना मूल्यह्रास योग्य आस्तियाँ											
1. फर्नीचर और जुडनार	0.79	-	-	0.79	10%	0.37	0.04	-	0.41	0.38	0.42
2. कप्यूटर/पेरिफरलस	62.00	-	-	62.00	60%	61.73	0.16	-	61.89	0.11	0.28
3. पुस्तकालय की किताबें	2.73	-	-	**2.73**	100%	2.73		-	2.73	-	-
कुल - इ	**65.52**	**-**	**-**	**65.52**		**64.83**	**0.20**	**-**	**65.03**	**0.49**	**0.70**
सर्वयोग (अ + आ + इ)	**14,457.43**	**2,554.07**	**(6.08)**	**17,005.42**	**-**	**5,750.97**	**1,054.38**	**18.32**	**6,823.67**	**13,501.49**	**11,192.13**

स्थान : कोषिक्कोड
तिथि : 07-06-2012

ए.के. शान्तारमन
वि.स.ए.मु.ले.अ

भारतीय प्रबन्ध संस्थान, कोषिक्कोड़

31-03-2012 को समाप्त वर्ष की समेकित तुलन पत्र अनुसूची

(रुपये लाखें में)

विवरण	31-मार्च-2012 में	31-मार्च-2011 में
अनुसूची 6 - निर्दिष्ठ/स्थाई निधि से निवेश		
1. पेंशन निधि निवेश	195.00	170.00
2. भारतीय जीवन बीमा निगम के साथ समूह उपदान निधि -	95.03	
3. सी.पी एफ निवेश	417.23	324.83
4. मूल्यह्रास निधि निवेश	6,550.00	2,500.00
कुल	**7,162.23**	**3,089.86**
अनुसूची 7 - निवेश अन्य समग्र निधि		
1. भारत सरकार बंधपत्र में	3,300.00	3,900.00
2. बैंक के साथ आवधिक निक्षेप	8,050.00	6,500.00
कुल	**11,350.00**	**10,400.00**
अनुसूची 8 - चालू आस्ति, ऋण, अग्रिम आदि		
अ. चालू आस्ति		
1. हाथ में शेष माल	30.66	28.99
2. हाथ रोकड (चैक, ड्राफ्ट और अग्रदान)		
3. बैंक शेषः अ. अनुसूचित बैंक मेः		
आ. बचत खाता में	139.05	565.05
इ. आवधिक निक्षेप में	690.00	1,450.00
कुल (अ)	**859.71**	**2,044.04**
आ. ऋण, अग्रिम और अन्य आस्ति		
1. पेशगी और अन्य वसूली योग्य रकम नकद/माल/मूल्य		
अ. पूँजी लेखाः प्रवृत्तीकरण/ठेकेदार पेशगी	883.18	1,595.39
आ. पूर्व भुगतान	72.50	81.56
इ. कर्मचारियों के लिए अग्रिम	15.59	20.86
ई. निक्षेप	18.73	18.66
2. निवेश और निधि पर प्राप्त व्याज	395.98	782.82
3. अन्य प्राप्तियां	629.16	20.02
कुल (आ)	**2,015.14**	**2,519.31**
कुल (अ + आ)	**2,874.85**	**4,563.35**

स्थान : कोषिक्कोड
तिथि : 07-06-2012

ए.के. शान्तारमन
वि.स.ए.मु.ले.अ

भारतीय प्रबन्ध संस्थान, कोषिक्कोड़

31-03-2012 को समाप्त वर्ष की समेकित आय और व्यय अनुसूची

(रुपये लाखें में)

विवरण	2011-2012	2010-2011
अनुसूची 9 - शुल्क		
अ. पी जी पी शिक्षा	3,196.94	2,751.31
कुल (अ)	**3,196.94**	**2,751.31**
आ. शिक्षा शुल्क को छोडकर अन्य		
1. एम डी पी कार्यक्रम शुल्क	312.90	142.30
2. एफ डी पी कार्यक्रम शुल्क	14.21	17.27
3. संगोष्ठी सम्मेलन से आय	11.41	4.33
4. आई डी एल कार्यक्रम शुल्क	1,032.50	560.49
5. एफ पी एम आवेदन शुल्क	1.17	0.69
6. नियोजन शुल्क	47.13	26.39
7. कैट से आय	409.05	283.15
कुल (आ)	**1,828.37**	**1,034.62**
कुल (अ + आ)	**5,025.31**	**3,785.93**

स्थान : कोषिक्कोड
तिथि : 07-06-2012

ए.के. शान्तारमन
वि.स.ए.मु.ले.अ

भारतीय प्रबन्ध संस्थान, कोषिक्कोड़

31-03-2012 को समाप्त वर्ष की समेकित आय और व्यय अनुसूची

(रुपये लाखें में)

विवरण	2011-2012	2010-2011
अनुसूची 10 निवेश से आय		
ब्याजः (अ) बंधपत्र/निधि		
समग्र निधि	297.57	340.52
पेंशन निधि निवेश	16.64	6.56
भारतीय जीवन भीमा निगम के साथ उपदान निधि निवेश	-	7.67
कुल (अ)	**314.21**	**354.75**
(आ) बैंक निवेश पर		
समग्र निधि	580.03	511.62
मूल्यह्रास निधि	430.45	108.09
कुल (आ)	**1,010.48**	**619.71**
सर्वयोग (अ + आ)	**1,324.69**	**974.46**
उद्दिष्ठ/अक्षय निधि को अंतरित	**1,324.69**	**974.46**
आय और व्यय लेखे को शेष	**-**	**-**

स्थान : कोषिक्कोड
तिथि : 07-06-2012

ए.के. शान्तारमन
वि.स.ए.मु.ले.अ

भारतीय प्रबन्ध संस्थान, कोषिक्कोड़

31-03-2012 को समाप्त वर्ष की समेकित आय और व्यय लेखा अनुसूची

(रुपये लाखें में)

विवरण	2011-2012	2010-2011
अनुसूची 11 - अर्जित व्याज		
1. आवधिक निक्षेप में		
अ. अनुसूचित बैंक में	228.25	126.90
2. बचत खाते में		
आ. अनुसूचित बैंक में	22.03	22.38
3. ऋणों पर		
इ. अन्यः अग्रिम आदि पर व्याज	1.19	0.53
कुल	**251.47**	**149.81**
अनुसूची 12 - अन्य आय		
1. अनुज्ञप्ति रकम/अतिथिगृह खर्चे	23.75	12.54
2. आवेदन पत्र-ठेकेदारों	-	0.55
3. विविध आय	10.53	4.70
4. पूर्व काल आय	8.06	2.64
कुल	**42.34**	**20.43**

स्थान : कोषिक्कोड
तिथि : 07-06-2012

ए.के. शान्तारमन
वि.स.ए.मु.ले.अ

भारतीय प्रबन्ध संस्थान, कोषिक्कोड़

31-03-2012 को समाप्त वर्ष की समेकित आय और व्यय लेखा अनुसूची

(रुपये लाखें में)

विवरण	2011-2012	2010-2011
अनुसूची 13 - संस्थापन व्यय		
वेतन और मज़दूरी	766.95	590.15
भत्ता और बोनस	59.49	47.51
भविष्य निधि के लिए अंशदान	42.02	33.77
कर्मचारी कल्याण व्यय	87.39	81.33
कर्मचारियों के सेवा निवृत्ति और सेवांत हितलाभ के व्यय	93.31	80.98
प्रशिक्षणार्थि को वृत्तिका	4.94	3.83
शिक्षु को वृत्तिका	0.18	0.15
कुल	**1,054.28**	**837.72**
अनुसूची 14 - अन्य प्रशासनिक व्यय		
बिजली और जल प्रभार	117.29	104.72
आस्थियाँ पर बीमा	3.01	5.29
मरम्मत और अनुक्षण व्यय	541.95	343.40
किराया, कर और दर	2.38	0.70
वाहन परिरक्षण और रखरखाव व्यय	9.64	7.35
डाक, दूरभाष तथा पत्रव्यवहार व्यय	27.36	20.30
मुद्रण और लेखन-सामग्री	39.19	35.61
यात्रा और सवारी व्यय	137.68	111.93

स्थान : कोषिक्कोड
तिथि : 31-05-2012

ए.के. शान्तारमन
वि.स.ए.मु.ले.अ

भारतीय प्रबन्ध संस्थान, कोषिक्कोड़

31-03-2012 को समाप्त वर्ष की समेकित आय और व्यय लेखा अनुसूची

(रुपये लाखें में)

विवरण	2011-2012	2010-2011
शासक मंडल बैंठक के व्यय	7.64	4.23
सदस्यता और अभिदान व्यय	14.83	4.19
कानूनी और वृत्तिक व्यय	2.37	2.23
लेखापरीक्षक को मेहनताना	2.90	0.95
आतिथ्य व्यय	9.15	5.88
विज्ञापन और प्रचार व्यय	57.86	71.32
सूचना प्रोघ्योगिकी और संचार गतिविधि व्यय	72.30	50.75
भर्ती व्यय	4.23	8.52
प्रत्यक्ष पी जी पी व्यय	372.07	329.61
प्रत्यक्ष एम डी पी व्यय	221.78	112.57
प्रत्यक्ष एफ डी पी व्यय	5.25	6.39
प्रत्यक्ष आई डी एल / एच ई सी एल व्यय	170.13	116.30
एफ पी एम व्यय	49.35	40.45
अनुसंधान व्यय	2.52	1.64
सम्मेलन, संगोष्ठी/कार्यशाला व्यय	30.16	13.40
अंतराष्ट्रीय आपसी मिलन और अनुबंधन व्यय	0.68	0.16
अन्य प्रशासनिक व्यय	47.82	40.32
पूर्व काल व्यय	12.83	0.28
कुल	**1,962.37**	**1,438.49**

स्थान : कोषिक्कोड
तिथि : 07-06-2012

ए.के. शान्तारमन
वि.स.ए.मु.ले.अ

भारतीय प्रबन्ध संस्थान, कोषिक्कोड़

31-03-2012 को समाप्त वर्ष की समेकित लेखा अनुसूची

लेखांकित रिवाज़

अनुसूची 15 – महत्वपूर्ण लेखा नीती

ऐतिहासिक मूल्य रिवाज़ के आधार पर वित्तीय विवरण तैयार किया गया हैं यदि लेखांकन के प्रोदभवन व्यवस्था निर्दिष्ट नहीं है।

2. राजस्व मान्यताः
   - 2.1 2005-2006 से संस्थान भारत की ब्लोंक अनुदान योजना में संविनित है। इसके अनुसार गैर योजना अनुदान पूर्वयोजित राजस्व के आधार पर जारी किए जाते हैं। इसलिए संस्थान 2005-2006 से गैर योजना अनुदान को आय समझता है।
   - 2.2 सर्वाधिक निवेश पर ब्याज तथा प्रवृत्तीकरण पेशगी प्रोदभवन व्यवस्था पर है। लेकिन बचत खाते का ब्याज प्रासी के आधार पर ही लिया जाता है।
   - 2.3 नियोजन शुल्क वसूली आधार पर माना जाता है।
   - 2.4 परामर्श आय परामर्श परियोजनाओं की समाप्ति पर मान्य होती है।

3. निवेश
   - 3.1 दीर्घकाल धन निवेश के रूप में वर्गीकरण किया निवेश मूल्य पर आदारित है। अस्थायी निवेश के अलावा घटने की व्यवस्था ऐसे निवेश की तत्कालीन लागत पर आधारित है।
   - 3.2 चालू धन निवेश के रूप में वर्गीकरण किया गया निवेश मूल्य पर आधारित है। ऐसे निवेश के मूल्य पर अल्पपतन की व्यवस्था प्रत्येक निवेश के वैयक्तिक रूप में, न कि संपूर्ण रूप में आधारित है।

4. स्थायी परिसंपतियाँ
   - 4.1 संस्था की स्थायी परिसंपत्तियाँ भारत सरकार तथा केरल सरकार से प्रास योजना अनुदान से आर्जित की जाती है। परिसंपत्तियों के अर्जन के लिए उपयोग की गयी पूँजी निधि (स्थिर परिसंपत्तियाँ) के अन्तर्गत दिखायी जाती है जो तुलन पत्र के संबन्धित अनुसूचि 1 में शामिल है।
   - 4.2 स्थायी परिसंपत्तियाँ जो उद्दिष्ट प्रायोजित परियोजना से आर्जित है, उन्हें संवध परियोजना खाते में दिखायी है। इसे स्थायी परिसंपत्तियों में लगाकर पूँजी निधि में शामिल करके तदनुरूप तुलन पत्र की अनुसूची में लगाया है।
   - 4.3 स्थायी परिसंपत्ति अभिग्रहण के मूल्य पर निर्धारित की गयी है, जिसमें अभिग्रहण संवधी आवक भाडाशुल्क एवं कर आनुपांगिक तथा प्रत्यक्ष व्यय शामिल है।
   - 4.4 निर्माणाधीन परियोजना से संबधित सभी व्यय विवध उपशीर्षक में पूँजीकृत किए जाते हैं और विशिष्ट परिसंपत्ति को इस व्यय का यथानुपात सांवितरण परियोजना की पूर्ति के बाद किया जाएगा। आर्थिक अनुदान के अलावा प्रास स्थायी परिसंपत्तियाँ जो समग्र निधि के लिए नहीं है, परिसंपत्तियों के मूल्य पर आरक्षित पूँजी में दिखाई जाती है।

स्थान : कोषिक्कोड तिथि : 07-06-2012	ए.के. शान्तारमन वि.स.ए.मु.ले.अ	ले. केनल. (सेवानिवृत्त) जूलियस जोर्ज मुख्य प्रशासनिक अधिकारी	प्राचार्य. देबाशिश चटर्जी निदेशक

भारतीय प्रबन्ध संस्थान, कोषिक्कोड़

31-03-2012 को समाप्त वर्ष की समेकित लेखा अनुसूची

5. मूल्यह्रासः

5.1 आय कर अधिनियम में 1961 में निर्दिष्ट दर में मूल्य को कम करने की रीति के अनुसार मूल्यह्रास प्रदत्त है जो स्थिर परिसंपत्तियों के अभिग्रहण के लिए विदेशी मुद्रा प्रचलन की देयता के रूपांतर के कारण मूल्य व्यवस्थापन पर उठे हुए मूल्यह्रास को छोड़कर दिया गया है।

5.2 वर्ष के दौरान स्थिर परिसंपत्तियों को जोड/कटौतियों के संबध में आर्जित और 180 दिनों से अधिक उपयोग किए गए आस्तियों के लिए पूरे वर्ष का मूल्यह्रास प्रभारित किया जाता है और आर्जित तथा 180 दिनों तक उपयोग किए गए आस्तियों के लिए मूल्यह्रास का 50% प्रभारित किया जाता है।

5.3 कुल आवर्ती व्यय के निश्चय करने के लिए यधपि मूल्यह्रास आय और व्यय खाते में दिखाया जाता है, पर समवर्ती रकम, (स्थाई परिसंपत्तियों) से और (स्थाई परिसंपत्ती-परियोजना) से कम कर दी जाती है, ताकि सरकारी अनुदान में समायोजिच व्यय पर आय की कमी में मूल्यह्रास का प्रावधान शामिल न रहे।

6 सरकारी अनुदान/आर्थिक सहायतायें

6.1 संस्थान की आर्थिक संरचना व्यवस्था के लिए भारत सरकार और केरल सरकार से आर्थिक सहायता प्राप्त होती है। केरल सरकार ने निशुल्क भूमि का प्रावधान किया है।

6.2 मिली हुई परियोजना अनुदान की सारी राशी का लेखा पूँजी निधि में (सहायता अनुदान निधि) शामिल है। वहाँ से पूँजी व्यय का शेयर पूँजी निधि (स्थिर आस्ति) को अंतरित किया जाता है और कोई बचत है तो अगले वर्ष के उपयोग या समायोजन के लिए अग्रसित किया जाता है।

6.3 संस्थान के निर्माण के पूँजी मूल्य का उपयोग सरकारी अनुदान पूँजी निधि माना जाता है। निर्दिष्ट स्थाई परिसंपत्ति के संबध में मिला हुआ अनुदान संबधित परिसंपत्ति के मूल्य से घटाकर दिखाया जाता है।

6.4 सरकारी अनुदान वसूल होने पर ही दिखाया जाता है। यह इस शर्त पर है कि अनुदान के लिए मंजूरी आदेश तुलन पत्र की तारीख या उसके पहले प्राप्त होते है।

7. समग्र निधि

7.1 2005-2006 से संस्थान, भारत सरकार की ब्लांक अनुदान योजना में शामिल है और आय-व्यय खाते से खुल अधिशेष/खाटा समग्र निधि को पहले प्राप्त होते हैं।

7.2 समग्र निधि निवेश, कर्ज एवं अग्रिम से प्राप्त व्यज, आय-व्यय खाते में दिखाने के बदले सीधा समग्र निधि खातें में जमा किया जाते हैं। यह परिवर्तन ब्लोंक अनुदान योजना की आवश्यकता से हुआ है।

8. हर वर्ष प्राभारित मुल्यह्रास की रकम से मूल्यह्रास निधि रूपीकृत है, ताकि पुरानी आस्तियों को निकालने पर पर्याप्त निधि की उपलब्धता सुनिश्चित कर सकें।

9. विदेशी मुद्रा का लेखा, लेन-देन की तारीख के विनिमय दर पर आधारित है।

स्थान : कोषिक्कोड तिथि : 07-06-2012	ए.के. शान्तारमन वि.स.ए.मु.ले.अ	ले. केनल. (सेवानिवृत्त) जूलियस जोर्ज मुख्य प्रशासनिक अधिकारी	प्राचार्य. देबाशिश चटर्जी निदेशक

10. पट्टा, किराया, पट्टे की शर्तों के आधार पर खर्च में दिखाया जाता है।

11. सेवानिवृत्ति लाभः
    11.1 कर्मचारीयों की संचित छुट्टी के भुगतान के लाभ की गणना ऐसा किया जाता है कि, प्रत्येक वर्षात में कर्मचारी उस लाभ को मिलने के हकदार है।
    11.2 पेंशन योजना में सम्मिलित कर्मचारियों के संबध में उनके पूर्व नियोक्ता से उनके पेंशन देयता को कार्ययुक्त करने के लिए मिली रकम अलग पेंशन निधि लेखे में ली जाती है और उपयुक्त रूप में नवेश की जाती है।
    11.3 संस्थान की सेवा के लिए योग्य पेंशन भगतान का प्रावधान भारत सरकार के पेंशन/नियमन नियम के अनुसार किया जाता है।
    11.4 वर्ष के दौरान किए गए पेंशन भुगतान राजस्वखर्च का भाग है।

स्थान : कोषिक्कोड
तिथि : 07-06-2012

ए.के. शान्तारमन
वि.स.ए.मु.ले.अ

ले. केनल. (सेवानिवृत्त) जूलियस जोर्ज
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

प्राचार्य. देबाशिश चटर्जी
निदेशक

भारतीय प्रबन्ध संस्थान, कोषिक्कोड़

31 मार्च 2012 को समाप्त वर्ष की समेकित लेखा अनुसूची

अनुसूची 16 – आकस्मिक देयतायें और लेखाओं की टिप्पणियाँ :

1. आकस्मिक देयतायें

संस्थान के खिलाफ दावे जिन्हें ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है	–	Rs. 229.71 लाख	(गतवर्ष Rs.229.76 लाख)
संस्थान की ओर से दी गयी बैंक प्रत्याभूति	–	Rs . शून्य	(गतवर्ष Rs.शून्य)
संस्थान की ओर से बैंक द्वारा जारी जमा पत्र	–	Rs. शून्य	(गतवर्ष Rs.शून्य)
बैंक से बट्टागत बिल	–	Rs शून्य	(गतवर्ष Rs.शून्य)
विवादित माँग के संबध में			
आय कर	–	Rs शून्य	(गतवर्ष Rs.शून्य)
बिक्रीकर	–	Rs शून्य	(गतवर्ष Rs.शून्य)
सेवा कर	–	Rs. 227.31 लाख	(गतवर्ष Rs. 227.31 लाख)
नगर पालिका कर	–	Rs. शून्य	(गतवर्ष Rs.शून्य)
बिना निष्पाद के आदेश के लिए दलों से दावे के संबध में, संस्थान द्वारा विवाद के लिए लंवित	–	Rs. 2.40 लाख	(गतवर्ष Rs. 2.45 लाख)

2. पूँजी प्रतिवद्धता

पूँजी खाते में निष्पादन हेतु बाकी संविदाओं का आकलन जिसका प्रावधान नहीं किया गया है (शुद्ध पेशगी)	–	Rs. शून्य	(गतवर्ष Rs. 409.52 लाख)

स्थान : कोषिक्कोड
तिथि : 07-06-2012

ए.के. शान्तारमन
वि.स.ए.मु.ले.अ

ले. केनल. (सेवानिवृत्त) जूलियस जोर्ज
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

प्राचार्य. देबाशिश चटर्जी
निदेशक

3. चालू परिसंपत्तियाँ, ऋण एवं पेशगी
व्यवस्थापकों के मत में, चालू परिसंपत्तियाँ, ऋण एवं पेशगी व्यापार के साधारण प्रक्रम में बसूली का मूल्य है, जो क्रम से क्रम तुलन पत्र में दिखाई संपूर्ण रकम के बराबर है।

4. विदेशी मुद्रा प्रचलन का लेन-देन

	चालू वर्ष	गतवर्ष
सी.आई.एक के आधार पर गणन किया आयात मूल्य पूँजी माल/उपस्कर	शून्य	शून्य
पूँजी खाते में निष्पादन हेतु विदेशी मुद्रा में व्ययः		
(अ) संकाय की यात्रा और संगोष्ठी शुल्क	यु.एस.डी 16417.40 जी.बी.पी 440 यूरो 15000 एस.जी.डी 4040.32	यु.एस.डी 10935 जी.बी.पी 440 यूरो 555 सी.एच.एफ. 13500 एस.जी.डी 920.20
(आ) विदेशी मुद्रा से आर्थिक संस्थाओं/बैंकों को विप्रोषण और व्याज का भुगतान	शून्य	शून्य
(इ) अन्य व्यय		
संस्थीय सदस्यता	यु.एस.डी 500 जी.बी.पी 16007.77 ए.यु.डी. 3400	यु.एस.डी. 650 जी.बी.पी. 4789 ए.यु.डी. 3740
किताब और जर्नल की खरीदी के लिए	यु.एस.डी 96886.73 जी.बी.पी 1616.90	यु.एस.डी. 22572.94 जी.बी.पी. 1607.05
सोफ्चवेयर की खरीदी के लिए	यु.एस.डी 4790 जी.बी.पी 3250	यु.एस.डी. 21418.08 जी.बी.पी. 3140.80 यूरो 3502.50
कानूनी और व्यावसायिक व्यय	शून्य	शून्य
विविध व्यय	यु.एस.डी 1000	शून्य
आयः एन . आर. आई. छात्रों से शूल्क	शून्य	शून्य

स्थान : कोषिक्कोड
तिथि : 07-06-2012

ए.के. शान्तारमन
वि.स.ए.मु.ले.अ

ले. केनल. (सेवानिवृत्त) जूलियस जोर्ज
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

प्राचार्य. देबाशिश चटर्जी
निदेशक

भारतीय प्रबन्ध संस्थान, कोषिक्कोड़

31 मार्च 2012 को समाप्त वर्ष की समेकित लेखा अनुसूची

5. कराधन
   संस्थान को आय कर अधिनियम 1961 की धारा 10(23 सी) (111 ए बी) के अधीन आय कर भुगतान से थूट प्राप्त हुई है और इसलिए लेखों में आय कर का प्रावधान नहीं किया गया है।

6. खातों की परिकलन की अन्तिम तारीख तक कैट ग्रूप ने चालू वर्ष के लिए कैट आय के संस्था का शेयर सूचित नहीं किया है। इसलिए कैट व्यय के लिए लेखा-किताबों में रु, 200.00 लाख का प्रावधान किया गया है।

7. वित्तीय वर्ष 2010-2011 एवं 2011-2012 के लिए वैधानिक लेखा परीक्षण शुल्क 2.00 लाख रुपये प्रदान किया है (हर साल के लिए 1.00 लाख रुपये से) लेखापरीक्षकों द्वारा लेखापरीक्षण शुल्क की रकम सूचित नहीं की गयी है।

8. केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा किये गए कैम्पस निर्माण के चौथे चरण के संबंध में वास्तुकार शुल्क 89.66 लाख रुपये लगया गया है और कैम्पस निर्माण के पाँचवें चरण का निर्माण शुरु हुआ है।

9. लेखांकन नामदंड 15 के अनुसार चालू वर्ष में जीवन बीमा निगम की ओर से लेखा बहियाँ में उपादान देयता व्यक्त नहीं किया है।

10. जहाँ जरूरत है, गत वर्ष की इकाई तदनुरूप पुनरव्यवस्थित/ पुनरवर्गीकृत है।

11. अनुसूचि 1-16 तक 31-03-2012 के तुलन पत्र और आय-व्यय खाते का अभिन्न भाग है।

स्थान : कोषिक्कोड	ए.के. शान्तारमन	ले. केनल. (सेवानिवृत्त) जूलियस जोर्ज	प्राचार्य. देबाशिश चटर्जी
तिथि : 07-06-2012	वि.स.ए.मु.ले.अ	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी	निदेशक

भारतीय प्रबन्ध संस्थान, कोषिक्कोड़

31 मार्च 2012 को समाप्त वर्ष की समेकित प्राप्तियाँ और भुगतान

(Rupees in lakhs)

प्राप्तियाँ			भुगतान		
विवरण	2011-2012	2010-2011	विवरण	2011-2012	2010-2011
I. आरंभिक शेष			**I. व्यय**		
अ) हाथ का रोकड़			अ) संस्थापन व्यय	963.90	822.96
आ) बैंक में	565.05	230.93	आ) प्रशासनिक व्यय	1,741.33	1,208.74
II. प्राप्त अनुदान			**II. विविध परियोजनाओं को भुगतान**	-	10.49
अ) भारत सरकार से: योजना	2,147.64	2,794.00			
आ) भारत सरकार से: गैर योजना			**III. निवेश एवं निक्षेप**		
इ) केरल सरकार से	-	1.00	अ) उपदान निधि से	-	33.71
ई) प्रयोजिना परियोजना के लिए			आ) समग्र निधि से	950.00	1,750.00
			इ) पेंशन निधि से	25.00	140.50
III. प्राप्त ब्याज			ई) मुल्यह्रास निधि निक्षेप से	4,050.00	1,500.00
अ) निवेश पर	1,733.78	538.99	उ) सी.पी.एफ. निक्षेप	92.39	
आ) बैंक निवेश पर	204.59	149.16			
इ) अन्य	25.31	0.75	**VI. स्थाई परिसंपत्ती और पूँजी निर्माण प्रगति पर व्यय**		
IV. अन्य आय			अ) स्थाई परिसंपत्ती का क्रय	3,289.63	2,004.20
अ) पी जी पी शिक्षा शुल्क	3,196.94	2,751.31	**V. अन्य भुगतान**		
आ) एम.डी.पी. से प्राप्त आय	324.92	151.28	अ) पूँजी लेखा के लिए अग्रिम	-	61.09
इ) इ.पी जी पी से प्राप्त आय	1,030.55	473.30	आ) राजस्व लेखा के लिए अग्रिम	-	32.75
ई) संगोष्ठी/सम्मेलन से प्राप्त आय	11.41	4.33	इ) इ.एम.डी/एस डी/प्रतिधारण	-	
उ) परामर्श से प्राप्त आय	0.08	8.16	ई) सावधिक निवेश	-	1.93
ऊ) एकपीएम से प्राप्त आय	1.17	-	उ) निक्षेप	0.07	
ऋ) नियोजन शुल्क	47.13	26.39	ऊ) वविविध भुगतान	20.38	91.01
ए) विविध - प्राप्तियाँ	154.34	38.39	**VI. अन्तिम शेष**		
V. अन्य प्राप्तियाँ			अ) हाथ का रोकड़		
अ) उद्दिष्ट विधि निधि-प्राप्तियाँ	669.49	159.80	आ) बैंक में	139.58	565.05
आ) केट-प्राप्तियाँ	208.41	283.71			
इ) आवधिक निक्षेप	760.00	606.91			
ई) छात्रों से निक्षेप	81.60	0.96			
उ) प्रातिदेय निक्षेप/इ.एम.डी	62.67	3.06			
ऊ) राजस्व लेखा पर अग्रिम समायोजन	42.72				
ऋ) अन्य योजना पर अग्रिम समायोजन	2.49				
ए) विविध प्राप्तियाँ	1.99				
कुल	**11,272.28**	**8,222.43**	**कुल**	**11,272.28**	**8,222.43**

स्थान : कोषिक्कोड
तिथि : 07-06-2012

ए.के. शान्तारमन
वि.स.ए.मु.ले.अ

ले. केनल. (सेवानिवृत्त) जूलियस जोर्ज
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

प्राचार्य. देबाशिश चटर्जी
निदेशक

भारतीय प्रबंध संस्थान कोषिक्कोड

आई. आई. एम. के. कैम्पस (पि.ओ.)

कुन्नमंगलम, कोषिक्कोड - 673 570, केरल

Indian Institute of Management Kozhikode

IIMK Campus (P.O.), Kunnamangalam

Kozhikode - 673 570, Kerala

Telephone: 0495-2809001-9, Fax: 0495-2809010-11

www.iimk.ac.in